हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

9 मार्च, 1994

खण्ड 1, अंक 8

अधिकृत विवरण

विषय सूची

बुधवार, 9 मार्च, 1994

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(8)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(8)26
राज्यपाल महोदय का सन्देश	(8)24
विभिन्न विषयों का उठाया जाना	(8)24
ध्यानाकर्षण सूचनाएं	(8)28
विभिन्न विषयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)	(8)29
स्थगन प्रस्ताव	(8)32
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव--	
सब्जियों तथा फलदार पौधों की सिंचाई के लिए इस्तेमाल किये जा रहे सीवरेज के पानी सम्बन्धी-	(8)33

मूल्य : 155 00

वक्तव्य—

जन-स्वास्थ्य मन्त्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण सूचना सम्बन्धी	(8)33
वर्ष 1994-95 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)36
बैठक का समय बढ़ाना	(8)78
वर्ष 1994-95 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)78
बैठक का समय बढ़ाना	(8)82
वर्ष 1994-95 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)82
बैठक का समय बढ़ाना	(8)83
वर्ष 1994-95 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)84
अनैक्श्चर-ए	(8)85

ERRATA

To

Haryana Vidhan Sabha Debates, Vol. 1, No. 8, dated the 9th March, 1994.

Read	For	Page	Line
किलोमीटर्ज	किलोमीटरर्ज	3	16
तारांकित	तारांकिस	7	Top heading
मैप	मप	7	4
में	मैं	8	3
के बाद	बाद	8	33
सीरयसली	सीरयसली	16	23
सभापतियों	सभापतिरों	38	6
74.8	748	42	17
मैम्बर्ज	मम्बर्ज	52	21
1991	1981	61	2
State	Slate	85	4
(ख)	(ख) f	85	12
गए	गन	110	3
स्वीपर	स्वीपर	110	10

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 9 मार्च, 1994

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ईश्वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Widening of Road from Hisar to Narnaul

*658. **Shri Ram Bhajan Aggarwal :** Will the Minister for P.W.D. (B & R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to widen the road from Hisar to Narnaul via Bhiwani, Charkhi Dadri ; and

(b) if so, the time by which it is likely to be widened ?

लोक निर्माण मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी) :

(क) अध्यक्ष महोदय, सड़क पहले से ही 18 फुट चौड़ी है और कुछ सैक्शन्ज में 22 फुट चौड़ी भी है। हांसी-भिवानी-दादरी-महेन्द्रगढ़ से नारनौल तक सड़क को 24 फुट चौड़ा करना सरकार के विचाराधीन है।

(ख) इस स्टेज पर इसे पूरा करने का समय नहीं बताया जा सकता।

श्री राम भजन अग्रवाल : अध्यक्ष महोदय, इस सड़क पर बहुत ज्यादा ट्रैफिक गुजरता है और जो ट्रैफिक बम्बई और राजस्थान वगैरह को जाता है, वह इसी सड़क से गुजरता है। इस बात को देखते हुए क्या इस सड़क को टौप प्रायोरिटी देकर चौड़ा किया जाएगा। दूसरी बात यह है कि अगर सरकार इस सड़क को जल्दी चौड़ा नहीं कर पा रही है तो क्या सैन्ट्रल गवर्नमैंट से प्रयास करके इसको नैशनल हाई-वे बनाने की कोशिश करेगी ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, इस सड़क को वर्ल्ड बैंक प्रोजैक्ट में शामिल किया गया है और इसको 24 फुट चौड़ा करना विचाराधीन है। अगले महीने वर्ल्ड बैंक के साथ डिपार्टमैंट की मीटिंग फिक्स की गई है। अगले साल इस सड़क को चौड़ा करने का काम शुरू कर दिया जाएगा। जहां आबादी वाले एरिया आते हैं, वहां इसकी वाइडनिंग करके फोर लेनिंग करने की प्रक्रिया है। हमें आशा है कि आने वाले साल में कार्य शुरू कर दिया जाएगा और इसको चौड़ा कर दिया जाएगा।

श्री राम रत्न : अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पलवल से अलीगढ़ को जो रोड जा रही है, वह बारह फुट चौड़ी है और उस पर ट्रैफिक बहुत चलता है। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इसको चौड़ा करने की कोई स्कीम सरकार के विचाराधीन है और अगर है तो कब तक ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मन्त्री जी ने पहले ही सदन को बताया है कि जितने हमारे स्टेट हाईवेज हैं, उनको 12 फुट से अठारह फुट किया जाएगा और अठारह फुट से बाईस फुट किया जाएगा। ऐसा प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है और ज्यों-ज्यों फण्डज अवेलेबल होते जाएंगे, उसके हिसाब से यह कार्य किया जाएगा।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, नारनौल भिवानी की जो सड़क है, यह नैशनल हाई-वे नम्बर—1 है और सारा ट्रैफिक जो लुधियाना अमृतसर को जाता है, यह डाईवर्ट हो कर इस सड़क से चलने लग गया है। स्पीकर साहब, वाइडनिंग तो अलग चीज है लेकिन चूंकि इस सड़क पर कई गुणा ट्रैफिक बढ़ गया है, इसलिए क्या मन्त्री जी बताएंगे कि ट्रैफिक बढ़ने के कारण इस सड़क की स्ट्रैथनिंग तथा वाइडनिंग करने के लिए कोई प्रोपोजल सरकार के विचाराधीन है ? अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि सदन में जो पहली हमारी बैठक थी, उसमें गवर्नमैंट पालिसी के बारे में मुख्य मन्त्री जी ने यह कहा था कि जो सड़क बारह फुट चौड़ी है, उसको अठारह फुट किया जाएगा और जो सड़क अठारह फुट है, उसको बाईस फुट चौड़ा किया जाएगा। स्टेट हाई-वेज की सड़कों पर, जो सड़क एक डिस्ट्रिक्ट से दूसरे डिस्ट्रिक्ट को, और एक सब-डिविजन से दूसरे सब-डिविजन को जाती है, उन सड़कों को प्रायरिटी देकर काम शुरू किया जाएगा और एक फाइव ईयर प्लान में यह काम कम्पलीट करने की बात कही गई थी। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इस प्रोजैक्ट पर क्या कहीं काम शुरू किया गया है; और अगर किया है तो कितने परसैन्ट काम इन सड़कों पर कम्पलीट हुआ है ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, बीरेन्द्र सिंह जी ने जो बात कही है, वह बिल्कुल सही है और इस कार्यक्रम के लिए हमने पांच स्टेट हाईवेज लिए हैं और वर्ल्ड बैंक की सहायता से उनकी स्ट्रैथनिंग और वाइडनिंग की जाएगी। वे पांच स्टेट हाईवेज हैं—(1) अम्बाला, कैथल, करनाल और पेहवा; (2) कोटपुतली, नारनौल,

भिवानी और हांसी; (3) अम्बाला, कैथल, नरवाना, हिसार और रामगढ़; (4) पानीपत, जीन्द, बरवाला, आदमपुर, भादरा व हांसी; और (5) पंचकूला, साहा, अम्बाला, जगाधरी और सहारनपुर वगैरह-वगैरह।

इसके साथ-साथ दूसरा जो सवाल मेरे माननीय सदस्य ने किया कि जो हमारी सड़कें केवल 12 फुट चौड़ी हैं और मेन सड़कें हैं, उनको और चौड़ा करने का हमारा क्या कार्यक्रम है। मैं अपने माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि सालों-साल हम सड़कों का काम फण्डज की अवेलेबिलिटी के हिसाब से करते हैं। जो सड़कें हमने चौड़ी की हैं, वे 1991-92 में 204 किलोमीटर्ज और 1993-94 में 222 किलोमीटर्ज लम्बी हैं। आगे भी फण्डज के हिसाब से, हम सड़कों की चौड़ा करने की प्रायरिटी देंगे।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, आठवीं पंचवर्षीय योजना में मेन रोड्ज को चौड़ा किया जाना है। तीन साल तो बीत चुके हैं, चौथा साल शुरू है। क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि कितने परसैन्ट काम अब तक हो चुका है? बाकी का जो काम रहता है, वह डेढ़ साल के अन्दर सरकार कैसे पूरा कर लेगी?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, मैंने किलोमीटर्ज भी बताए हैं। इसके साथ-साथ मैं यह भी बता देना चाहता हूं कि हमारी जो स्टेट हाईवेज 12 फुट हैं, वे हैं केवल 570 किलोमीटर्ज और जो डिस्ट्रिक्ट रोड्ज हैं, वे 850 किलोमीटर्ज हैं जो 12 फुट हैं। हमारे कार्यक्रम के अनुसार जैसाकि मैंने पहले बताया है कि फण्डज की अवेलेबिलिटी के मुताबिक प्राइरिटीज फिक्स की जाएंगी और जो मेन सड़कें हैं, वे वर्ल्ड बैंक से, जिसके लिए बातचीत चल रही है और वह तय भी है कि आने वाले समय में हमें वर्ल्ड बैंक से पूरी मदद मिलेगी। सहायता मिलने पर सड़कों की स्ट्रैथनिंग व वाइडनिंग करने का काम जल्दी ही शुरू कर लेंगे।

प्रो० छतर सिंह चौहान: अध्यक्ष महोदय, दादरी से महेन्द्रगढ़ को जो सड़क जाती है, उसकी वाइडनिंग तो दूर रही, उसकी हालत इतनी खराब है कि वहां पर कोई गाड़ी आ-जा नहीं सकती। ढाई-तीन सालों से जब से यह सरकार आई है, दादरी से बधवाना को जाने वाली सड़क पर इस सरकार ने एक पैसा भी खर्च नहीं किया है। राव बंसी सिंह जी बैठे हैं, वे आमतौर पर इसी रोड से आते जाते हैं, उन्हें भी इस बात की जानकारी होगी कि यह सड़क कितनी खराब है। मैं मन्त्री महोदय से प्रार्थना करूंगा और यह जानना भी चाहूंगा कि दादरी से महेन्द्रगढ़ जाने वाली जो बड़ी टूटी हुई सड़क है, उसकी वाइडनिंग तो ये करेंगे ही, क्या उस सड़क को चौड़ा करने से पहले उसकी मुरम्मत भी करने का प्रयास करेंगे?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी बात से सहमत नहीं हूं क्योंकि मैं हर महीने इसी सड़क से नारनौल ग्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग अटैन्ड करने जाता हूं। केवल मात्र बीच में चार-पांच किलोमीटर्ज का एक छोटा सा टुकड़ा बेविंग है जो खराब

[चौधरी आनन्द सिंह डांगी]

है, बाकी सड़क की कहीं भी कोई बुरी हालत नहीं है जहां हमारा ट्रैफिक अच्छी तरह से न चल रहा हो। पांच छः किलोमीटर्ज पर मैटल डाल दिया है और हम जल्दी ही इसे ठीक कर देंगे।

प्रो० राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने आश्वासन दिया है कि जो सड़कें 12-12 फुट चौड़ी हैं, उनको 24 फुट तक चौड़ी करेंगे। ढाई वर्ष से यह बात चल रही है। जैसे अभी उन्होंने उपयोगिता को देखते हुए दिल्ली और अम्बाला की जी० टी० रोड को फोर लेनिंग करने के अतिरिक्त यमुनानगर और दिल्ली के बीच अलग से रास्ता बनाने की बात भी कही है। जैसा अभी मेरे भाई चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने अपने सवाल में कहा कि कोटपुतली से लेकर लुधियाना पंजाब तक सेल्ज टैक्स के काफी बैरियर्ज हैं और तीन हजार के लगभग हैवी व्हीकल्ज कोटपुतली से क्रास करते हैं। कोई हिसार तक जाता है, कोई रोहतक तक जाता है। हैवी व्हीकल्ज का रश इस सड़क पर देखते हुए, क्या मन्त्री महोदय प्राथमिकता के आधार पर कोई आल्टरनेटिव ढूंढेंगे या फिर उसको फोर लेन करने का सरकार जल्दी ही कोई प्रस्ताव करेगी ताकि हैवी ट्रैफिक को कम किया जा सके ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले ही बताया है कि पांच रोडज मेनली हैं, वे हैं कोटपुतली, नारनौल, भिवानी और हांसी इत्यादि जो कि पंजाब के एरिया के साथ मिलती हैं और इसके लिए इसी महीने में वर्ल्ड बैंक से बातचीत हो रही है। मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि जो-जो दिक्कतें मेरे माननीय सदस्य ने बताई हैं, वह सब हम दूर करेंगे। फण्डज की अवेलेबिलिटी को देखते हुए आने वाले समय में सभी कामों के लिए प्रायरिटी फिक्स करेंगे।

श्री हरि सिंह नलवा : अध्यक्ष जी, अभी मन्त्री जी ने बताया कि उनके पास फंडज की कमी है। यह बात किसी हद तक सही है और यह भी सही है कि हरियाणा के ऊपर सारी दुनिया के इंडस्ट्रियलिस्टस की नजर लगी हुई है। इसके लिए मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी को दाद भी देता हूं। उन्होंने हरियाणा प्रान्त को इंडस्ट्रियलाइज करने का कैश प्रोग्राम बनाया हुआ है। तो इंडस्ट्रीज लगाने के लिए खास तौर पर ट्रांसपोर्टेशन के लिए सड़कों की जरूरत होती है। जब तक सड़कें चौड़ी नहीं करेंगे, तब तक यह बात नहीं बनेगी। इसलिए मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि पैसे का जहां तक ताल्लुक है, क्या उसके लिए वे राजस्थान की फालो करेंगे ? राजस्थान में मार्किटिंग बोर्ड ने कई अरब और खरब रुपए वर्ल्ड बैंक से इस काम के लिए लिए हैं। यह पैसा वर्ल्ड बैंक को 30 सालों में वापिस करना होता है। उन्होंने सारे राजस्थान में सड़कें बनाने का कैश प्रोग्राम शुरू कर दिया है। क्या इस किस्म का प्रोग्राम सरकार के विचाराधीन है ? दूसरे मैं यह जानना चाहता हूं कि स्टेट हाई-वे बनाने का क्या क्राइटेरिया है और राज्य में कुल कितने स्टेट हाई-वेज हैं ? जितने हमारे तहसील हैडक्वार्टर्ज हैं, कम से कम उनको तो

स्टेट हाई-वे से जोड़ना चाहिए। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि इस काम के लिए क्या 10 अरब रुपया वर्ल्ड बैंक से हमारे मार्किटिंग बोर्ड के जरिये लेने का प्रयास करेंगे ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, सड़कों की स्ट्रैथनिंग के लिए और उनके रख रखाव के लिए हमारी हर साल कम से कम 70 करोड़ रुपए की डिमांड है लेकिन उसके अगेंस्ट हमें 18-20 करोड़ रुपए मिलते हैं। इस पैसे से इतनी बढ़िया सड़कें बना कर देना नामुमकिन बात है। लेकिन उनको ठीक ढंग से रखना सरकार का दायित्व है और वह हम करेंगे। दूसरा इन्होंने पूछा कि स्टेट में कितने स्टेट हाई-वेज हैं, वे 36 हैं।

श्री सूरज मल : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि दिल्ली और बहादुरगढ़ की जो बोर्डर की रोड्ज हैं, वे तकरीबन चार पांच हैं। एक तो सोहटी से कुतबगढ़, दूसरी कानौंदा से पंजाब खोड और बामरौली से निजामपुर वगैरह वगैरह। पंजाब खोड वाली सड़क की हालत बहुत खराब है। क्या सरकार का उस साईड की सड़कों की तरफ भी ध्यान देने का विचार है ताकि उस तरफ भी अच्छी सड़कें दिखाई दें ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री सूरज मल ने कल भी यह सवाल किया था और आज भी वही सवाल किया है। मैंने कल इनको यह जवाब दिया था कि हम उन सड़कों को देख लेंगे, अगर उन गांवों के लोगों को कोई दिक्कत है तो प्रायरटी बेस पर उन सड़कों को ठीक किया जाएगा ताकि उन गांवों के किसानों को दिल्ली में अपना सामान ले जाने लाने में कोई दिक्कत न हो।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदेश के अन्दर जितनी भी स्टेट रोड्ज हैं, उन पर छोटे छोटे और बड़े-बड़े गांव बसे हुए हैं। जहां तक मुझे पता चला है, राज्य सरकार की यह पालिसी है कि उन रोड्ज पर स्पीड-ब्रेकर न बनाए जाएं। उन रोड्ज पर स्पीड ब्रेकर न बनने के कारण आए दिन गांवों में एक्सीडेंटस होते रहते हैं और जवान, बूढ़े लोगों की मौतें होती हैं। इन दुर्घटनाओं को देखते हुए क्या मंत्री जी स्टेट रोड्ज पर जहां जहां पर गांव बसे हुए हैं, स्पीड ब्रेकर बनाने के बारे में विचार करेंगे ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो सैन्ट्रल गवर्नमैंट की तरफ से यह हिदायत है कि रोड्ज पर स्पीड ब्रेकर न बनाए जाएं लेकिन फिर भी हमने जो ज्यादा आबादी वाले गांव हैं और जिन के बीच में से सड़क गुजरती है, उन पर अपनी मर्जी से स्पीड ब्रेकर बनाए हैं। अगर कहीं पर स्पीड ब्रेकर बनाने की ज्यादा जरूरत है तो माननीय सदस्य दलाल साहब बता दें, हम स्पीड ब्रेकर बनवा देंगे।

चौधरी सूरज भान काजल : स्पीकर साहब, रोड्ज को वाइडनिंग करने की बात है। जो सड़कें गांवों की आबादी तक गई हैं, उन को गांव और लाल डोरे के बीच में कच्चा छोड़ दिया गया है। उन सड़कों का फासला केवल एक या डेढ़ फर्लांग का आज भी कच्चा पड़ा है। ऐसे बहुत से गांव हैं। वे सड़कें ईंटों से बनी हुई हैं और ईंटें टूट जाने के कारण सड़क का बहुत बुरा हाल है उनका कच्चे रास्ते से भी बुरा हाल है। उनका इतना बुरा हाल है कि उनके ऊपर से कोई व्हीकल गांव के अन्दर दाखिल नहीं हो सकती। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जिन-जिन गांवों में ऐसी सड़कें हैं, क्या उनको पक्का करने का सरकार का विचार है ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : स्पीकर साहब, पी0 डब्ल्यू 0 डी0 का काम केवल गांव की फिरनी तक सड़क बनाने का होता है, स्कूल या किसी धार्मिक स्थान तक जो सड़क बनाई जाती है, वह काम पंचायत डिपार्टमैंट का है। पी0 डब्ल्यू0 डी0 गांव की फिरनी तक सड़क बनाएगा उससे आगे पंचायत डिपार्टमैंट का काम है।

श्री मनी राम केहरवाला : स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदेश में 850 सड़कें ऐसी हैं, जो 12 फुट चौड़ी हैं। मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि सिरसा से ऐलनाबाद सड़क 12 फुट चौड़ी है, वह स्टेट हाई-वे है, उसको कब तक 22 फुट चौड़ी बनवा देंगे ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, जैसे मैंने पहले बताया है कि 1992-93 और 1993-94 में लगभग 200 किलोमीटर स्टेट हाई-वे की वाइडनिंग कर दी है। जिन सड़कों पर व्हीकल्ज का लोड ज्यादा है, उनको अगले साल चौड़ा करने पर विचार करेंगे।

श्री अध्यक्ष : क्या स्टेट में 10 फुट चौड़ी सड़कें भी है ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, एप्रोच रोड्ज हो सकती हैं।

श्री अध्यक्ष : मेरे इलाके में असंध से बाया रसीना किरमच सड़क कुरुक्षेत्र जाती है, वह सड़क रसीना से सातड़ तक 10 फुट चौड़ी है, उस को 10 से 12 फुट चौड़ा बनाने के लिए उस पर पत्थर डाल दिए थे। जो पत्थर डाले गए थे, उससे अगली सरकार ने 1987 में, वह पत्थर उठा लिए। क्या उस सड़क को अब सरकार 10 की बजाय 12 फुट बनाएगी ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, जो सड़कें 10 फुट चौड़ी है, उनको 12 फुट चौड़ा करने का सरकार का प्रोग्राम है।

श्री अध्यक्ष : वह सड़क तो 1967 से बनी हुई है ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, प्रदेश में जो सड़कें 10 फुट चौड़ी हैं, उनको 12 फुट चौड़ा करने का प्रावधान है।

चौधरी ओम प्रकाश बेरी : स्पीकर साहब, पानीपत से बाया रोहतक, झज्जर, रिवाड़ी तक जो सड़क जाती है, उस पर हरियाणा प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर की बसिज व ट्रक वगैरह चलते हैं, बहुत ज्यादा व्हीकल्ज चलते हैं। मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि क्या उस सड़क को सरकार नैशनल हाई-वे के मैप पर लाएगी ? क्या सरकार उस सड़क के बारे में सैन्ट्रल गवर्नमैंट से बातचीत करके उसको नैशनल हाई-वे बनाने पर विचार करेगी ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, सरकार का ऐसा कोई विचार नहीं है।

Regularisation of the Services of Village Chowkidars

***666. Prof. Chattar Singh Chauhan :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to regularise the services of the Village Chowkidars and treat them at par with the Group 'D' employees of the State ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : जी नहीं। राज्य सरकार के विचाराधीन ऐसा कोई मामला नहीं है। सरकार ने 1-9-93 से चौकीदारों का वेतन 150/- रुपये प्रति मास से बढ़ाकर 300/- रुपये प्रति मास कर दिया है तथा उन्हें 250/- रुपये प्रति वर्ष वर्दी भत्ता भी प्रदान किया गया है।

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, यह तो मुख्य मंत्री महोदय ने इन चौकीदारों पर इनायत कर दी कि उनको 300/- रुपये महीने के दिए जा रहे हैं। मैं जानना चाहता हूं कि क्या इस मंहगाई के युग में इन 300/- रुपये से वह अपना गुजारा कर सकता है ? जहां तक चौकीदार का संबंध है, गांव में कोई तहसीलदार जाए, डी० सी० जाये या और कोई काम हो, उसको 24 घण्टे ड्यूटी देनी होती है। आजादी से लेकर आज तक चौकीदार को सुविधा देने के बारे में किसी भी सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया। मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार चौकीदार को क्लास फोर का एम्पलाई घोषित करने पर विचार करेगी ताकि वह अपना गुजारा अच्छी प्रकार से कर सके, जबकि सरकार दूसरे कर्मचारियों को 240 दिन के बाद रैगुलर कर देती है ?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, चौकीदार को सरकारी कर्मचारी नहीं बनाया जा सकता, वह पब्लिक की सेवा करता है और अपना भी काम करता है। यह ठीक है कि जन्म मरण का हिसाब-किताब रखने के लिए उसे बी० एम० ओ० आफिस में जाना होता है या गांव में अगर कोई महामारी फैल जाए तो उसके

[चौधरी भजन लाल]

बारे में सरकार का ध्यान दिलाना होता है । हाऊस को मैं बताना चाहूंगा कि मेरे सिवाए आज तक, जब से हरियाणा बना है, यानि 1966 से अब तक किसी ने इसकी तरफ ध्यान नहीं दिया । जब मैं 1979 में मुख्य मन्त्री बना तो उस समय चौकीदार को 40/– रुपये महीना मिलता था, मैंने उस समय बढ़ा कर 100/– रुपये किए और फिर 1985 में ही मैंने 100/– रुपए से बढ़ाकर इनको 150 रुपए महीने दिए और अब मैंने ही 1-9-93 से 300/– रुपये किए हैं । बीच में जितनी भी सरकारें आई, किसी ने इनकी तरफ देखा तक नहीं ।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि प्रदेश में कुल कितने चौकीदार हैं ? दूसरे, मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या इन 300/– रुपये के अलावा भी उनको बोनस और वर्दी आदि की कोई सुविधा दी जाती है ?

चौधरी भजन लाल : इनको 300/– रुपये महीने पे मिलती है और दूसरे हम वर्दी भी देते हैं । स्टेट में कुल 6735 गांव है और कुल 6701 चौकीदार हैं ।

श्री सलबीर सिंह काढियान : मैं मुख्य मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार चौकीदारों को मिनिमम वेजिज देने पर विचार करेगी ? इसके अतिरिक्त चौकीदार को जन्म मरण के सिलसिले में या दूसरे कारणों के लिए शहर जाना होता है तो क्या उनको टी0ए0 वगैरा या एक्चुअल किराया देने पर भी सरकार विचार करेगी ?

चौधरी भजन लाल : जब चौकीदार सरकार के काम या जीवन-मरण के सिलसिले में शहर जाता है तो उसको किराया मिलता है । जहां तक दूसरी बात है कि उन्हें मिनिमम वेजिज दिया जाये, उस पर सरकार कोई विचार नहीं कर रही है, क्योंकि मिनिमम वेजिज उन्हीं को दिया जाता है जो कम से कम 10-12 घण्टे रोजाना ड्यूटी देते हैं । इनका लगातार काम नहीं है । इनका काम तो ऐसा है कि किसी दिन ज्यादा काम भी हो सकता है और कई दफा 5-5 दिन तक कोई भी काम नहीं होता, इसलिए इनको मिनिमम वेजिज नहीं दिया जा सकता ।

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब, यह ठीक है कि चौकीदार को पहले 40 रुपये प्रतिमाह मिलते थे और अब 300 रुपये मिलते हैं, लेकिन चौकीदार को जो पैसे दिये जाते हैं, वे पहले ही रैवेन्यू माल के साथ उगाह लिए जाते थे और फिर मालिये में से चौकीदार को रुपया मिलता था । स्पीकर साहब, जो 300 रुपये चौकीदार को अब दिये जाते हैं, वह कैसे दिये जाते हैं ? मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि 1-9-93 से जो 300 रुपये चौकीदार को मिलते हैं, क्या ये खजाने से मिलते हैं, कन्सोलिडेटिड फण्ड से मिलते हैं अथवा आबियाना कलैक्शन बाद नम्बरदार उसको देता है ?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, चौकीदार को पैसे सरकारी खजाने से नहीं मिलते । पहले चौकीदारा मालिया में उगाहा जाता था लेकिन अब मालिया तो खत्म हो गया है, इसलिये अब जो आबियाना इकट्ठा करते हैं, उसके साथ उगाह लिया जाता है और जहां पर नहरें नहीं हैं, वहां पर बाकायदा हर घर से, रहने वाले लोगों से चौकीदारा लिया जाता है । गांव में रहने वाले जो गरीब आदमी हैं, उनका चौकीदारा माफ होता है । यह पैसा नम्बरदार वसूल करता है और कई बार नम्बरदार चौकीदार को लिस्ट बना कर दे देता है और वह पैसा चौकीदार हर घर से खुद वसूल कर लेता है ।

Sales Tax on Medicines

*679. **Shri Jai Parkash** : Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to revise the Sales Tax on Medicines in the State, so as to bring it at par with the other States ; and

(b) if so, the time by which the sales tax as referred to in part (a) above is likely to be revised ?

आबकारी तथा कराधान मन्त्री (बहन करतार देवी) :

(क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता ।

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदया से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने दवाईयों पर टैक्स का ब्यौरा दूसरे राज्यों से लिया है कि उन में कितना-कितना टैक्स है ? इसके साथ ही मेरा दूसरा सवाल यह है कि अगर दूसरे राज्यों में दवाईयों पर टैक्स कम है तो गरीबों को सस्ती दवाईयां उपलब्ध करवाने के लिए क्या सरकार ऐसे राज्यों से दवाईयां खरीदने बारे विचार करेगी जिनमें दवाईयों पर टैक्स कम है ?

बहन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने माननीय साथी को हरियाणा प्रान्त के आस-पास के राज्यों में जो दवाईयों पर टैक्स है, उसके बारे में बताती हूं । पंजाब में 8 प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में 8 प्रतिशत, राजस्थान में 6 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 6 प्रतिशत तथा दिल्ली में 5 प्रतिशत दवाईयों पर टैक्स है । (विघ्न) हरियाणा में दवाईयों पर 8 प्रतिशत टैक्स है ।

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदया ने राजस्थान में 6 प्रतिशत टैक्स बताया है परन्तु मेरी इन्फर्मेशन के मुताबिक वहां पर 5 प्रतिशत टैक्स है, हिमाचल प्रदेश में 7 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 6 प्रतिशत और पंजाब में 7 प्रतिशत तथा यहां यू० टी० में ½ प्रतिशत सैंट्रल सेल्ज टैक्स लगाया जाता है तथा दिल्ली में 5 प्रतिशत टैक्स है । अगर हम दिल्ली से 100 रुपये की दवाई परचेज करके करनाल में लाएं तो करनाल के सेल डिपो पर वह दवाई 113 रुपये की मिलेगी । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदया से यह जानना चाहूंगा कि यह जो डिफरैंस है, क्या उसको दूर करने के लिए मन्त्री जी कोई पग उठाएंगी ?

बहन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, डिपार्टमैंट ने मुझे जो आंकड़े उपलब्ध करवाएं हैं, उनके मुताबिक पंजाब में 8 प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में 8 प्रतिशत टैक्स है और उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान का मैंने पहले ही 6 प्रतिशत बताया है । अध्यक्ष महोदय, जहां तक गरीबों को सस्ती दवाईयां उपलब्ध करवाने का सवाल है, वह दूसरी बात है और उसे दूसरे एंगल से देखा जाना चाहिये। जो हरियाणा के प्राईमरी हैल्थ सैंटर, सब-सैन्टर या कम्यूनिटी हैल्थ सैन्टर हैं उनमें दवाईयां फ्री दी जाती हैं । सरकारी कर्मचारियों की भी दवाईयां या उसके खर्च का अलग से प्रावधान है और सारा हाउस इस बात को जानता है । जो गरीब आदमी कारखानों में काम करते हैं, उनके लिए ई० एस० आई० के माध्यम से दवाईयों का प्रबन्ध होता है । जहां तक दवाईयां खरीद कर सस्ती दरों पर गरीबों को उपलब्ध करवाने का सवाल है, अगर टैक्स कम किया जाता है तो जरूरी नहीं है कि दवाई निर्माता उसका लाभ उपभोक्ताओं को देंगे । इसलिये टैक्स कम करने से सरकार को आमदनी पर फर्क पड़ेगा या दूसरी स्टेट्स से और दवाईयां खरीदेंगे तो स्टेट का टैक्स का लौस होगा इसलिए इस प्रकार की कोई सम्भावना नहीं है ।

श्री राम भजन अग्रवाल: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से जानना चाहूंगा कि हरियाणा की मण्डियों में टैक्स ज्यादा होने के कारण भी लौस होता है, क्या सरकार इस बारे में कदम उठाएगी ? यह देखा गया है कि नरेला में घी का टीन 818 रुपये में बिकता है और दिल्ली में घी का भाव जो है, वह.....
(विघ्न)

श्री अध्यक्ष : यह सवाल तो दवाईयों पर टैक्स के बारे में है, इसमें घी या दूसरी चीजों के टैक्स की बात नहीं है ।

श्री राम भजन अग्रवाल : अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि दवाईयों पर जो टैक्स दूसरी स्टेट्स में है, क्या उसके मुताबिक ही हरियाणा में दवाईयों पर टैक्स की व्यवस्था करने के बारे में सरकार विचार करेगी ?

बहन करतार देवी : स्पीकर साहब, जहां तक सभी स्टेट्स का समीकरण का 10.00 बजे | सवाल है, सेल्ज़ टैक्स तो अलग-अलग स्टेट में अलग-अलग है। कुछ चीजें तो ऐसी भी हैं जो बाकी स्टेटों में महंगी हैं और हमारी स्टेट में कम की हैं। दूसरे मेरे पास तो दवाईयों के ही आंकड़े हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर किसी आदमी की साल में टर्न-ओवर पांच लाख तक है तो उसके लिए हमने यह किया है कि उसे कोई हिसाब किताब रखने की जरूरत नहीं है। उसे सिर्फ लम्प-सम टैक्स ही देना पड़ेगा।

साथी लहरी सिंह : अध्यक्ष महोदय, चण्डीगढ़ में दवाईयों पर आधा परसैन्ट टैक्स लगता है और पंचकूला में आठ परसैन्ट है। क्या मन्त्री जी चण्डीगढ़ और पंचकूला में जो टैक्सों में फर्क है उसको दूर करेंगी ?

बहन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, चण्डीगढ़ यू0 टी0 है, दिल्ली भी यू0 टी0 है, इसलिये इन में टैक्स कम है। उनका कोई भी स्टेट मुकाबला नहीं कर सकती है।

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, जो दवाईयों का टैक्स है, वह तो फैक्टरी के सेल डिपो वालों से लिया जाता है जिसके कारण हमारे हरियाणा में भी लॉस हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, जितने भी सेल डिपोज हैं, वे या तो दिल्ली में हैं या चण्डीगढ़ में हैं, जिसकी वजह से वे कम टैक्स देते हैं। अध्यक्ष महोदय, जो नान-लाईसैंसिज हैं, वे दवाईयां दिल्ली से लेकर हरियाणा में सस्ती बेच देते हैं और लाईसैंसियों को महंगी मिलती हैं और उन्हें हमारा विभाग तंग करता है। अध्यक्ष महोदय, मेरा मंत्री जी से निवेदन है कि जो दिल्ली और चण्डीगढ़ में टैक्स है, वही टैक्स हमारे हरियाणा में भी लगे, क्या इस पर सरकार विचार करेगी ?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही अहम मसला है और मैं श्रम भजन जी की बात से सहमत हूं। इसके अलावा और भी कई चीजें ऐसी हैं जो दिल्ली में सस्ती हैं और हमारी स्टेट में महंगी हैं। इसको तो भारत सरकार ही देखेगी कि पूरे रीजन में एक जैसे सेल टैक्स होने चाहियें।

दूसरे कंसाईनमैंट टैक्स की बात है। अध्यक्ष महोदय, कई फैक्टरियां तो हरियाणा में लगी हुई हैं लेकिन उन्होंने अपने हैड आफिसिज दिल्ली में खोल रखे हैं और अपनी बिक्री दिल्ली में दिखा देते हैं जिससे स्टेट को नुक्सान होता है। इस बारे में भारत सरकार विचार कर रही है कि हरेक रीजन का रेट एक जैसा होना चाहिए। पिछले दिनों सभी राज्यों के मुख्य मन्त्रियों ने एन0 डी0 सी0 की मीटिंग भी की थी और यह प्वाइन्ट उठाया था, मुझे उम्मीद है कि इस बारे में जल्दी ही कोई निर्णय हो जाएगा।

Land Irrigated by Agra Canal

*671. **Shri Karan Singh Dalal** : Will the Minister for Irrigation be pleased to state the total acreage of land of Faridabad and Gurgaon Districts being irrigated by Agra Canal ?

Irrigation Minister (Ch. Jagdish Nehra) : The total acreage of land in Faridabad and Gurgaon districts irrigated by Agra Canal was 78330 and 1144 acres respectively during the year 1992-93.

श्री करण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, आगरा कैनाल हमारे जिले के लिए सबसे महत्वपूर्ण नहर है । जब भी सदन में कोई नहर की बात करता है, तभी वह एस0 वाई0 एल0 या बाकी नहरों का जिक्र करता है लेकिन आगरा कैनाल का कोई जिक्र नहीं करता । आगरा कैनाल फरीदाबाद और गुड़गांव के मेवात के इलाके को पानी देती है । जब मुख्यमन्त्री जी चुनाव लड़ रहे थे तो इन्होंने कहा था कि जब मैं जीत कर मुख्य मन्त्री बनूंगा तो जो इसका मैनेजमैंट है, वह हरियाणा के हाथों में देंगे लेकिन ये अपना वायदा भूल गए । आज इन्होंने सरकार का मुंह हिसार और कालका की तरफ खोला हुआ है । जैसा मंत्री जी ने बताया कि आगरा नहर से फरीदाबाद जिले की 78330 एकड़ और गुड़गांव जिले की 1144 एकड़ भूमि की सिंचाई होती है लेकिन क्या यह बात सच है कि 1991-92 में इस नहर से इससे ज्यादा जमीन की सिंचाई होती थी तथा इससे और पहले भी ज्यादा सिंचाई होती थी ? स्पीकर साहब, क्या यह बात भी सच है कि आगरा नहर की कभी भी खुदाई नहीं की गयी ? इस नहर से निकलने वाले रजवाहों में बहुत गाद भरी हुई है, कीचड़ भरी हुई है, लेकिन सरकार की तरफ से कोई कार्यवाही नहीं की गयी । क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि इस नहर से फरीदाबाद और गुड़गांव जिलों में जो नहर का पानी आता है, उसकी क्षमता को बढ़ाने के लिये वे पुनः अपनी इस मांग को यू0 पी0 की सरकार से उठायेंगे ताकि आगरा नहर का जो हरियाणा के हिस्से का पानी है, उसकी मात्रा बढ़ाई जाए ? स्पीकर साहब, पहले इस नहर में अपर-नहर और लोअर नहर का पानी आता था लेकिन अब गंदी नहर का पानी भी आता है । स्पीकर साहब, जो पानी हमारी धरती से गुजरता है, उसके लिए हम देखते ही रह जाते हैं और वह पानी यू0 पी0 वालों के खेतों की सिंचाई करता है, क्या यह ठीक है ? उस पानी पर हमारा हक ज्यादा बनता है, इसलिये क्या मंत्री जी इस मामले को यू0 पी0 सरकार के साथ उठायेंगे ?

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, इसके बारे में असैम्बली में पहले भी सवाल आया था और उस समय भी यह जवाब दिया गया था कि आगरा नहर जो फरीदाबाद और गुड़गांव के एरिये में आती है, उस पर यू0 पी0 सरकार का मैनेजमैंट है और इस मैनेजमैंट को हरियाणा में लाने की कई बार बात भी हुई है । यमुना के पानी के बंटवारे का मामला यू0 पी0 के साथ दिल्ली के साथ, हिमाचल के साथ

और राजस्थान के साथ जुड़ा हुआ है और शुक्ला जी ने इस मामले पर सभी कंसर्ड मुख्य मन्त्रियों की मीटिंग भी बुलायी थी । उसमें भी यह मामला उठाया गया था । इसके अलावा, जब यू0 पी0 में बी0 जे0 पी0 की सरकार थी, तब भी मीटिंग में इस मामले को उठाया गया था । स्पीकर साहब, हर बार यह मुद्दा उठाया जाता है कि इस नहर का मैनेजमैंट हरियाणा को दिया जाए । इसके अलावा, इन्होंने यह भी कहा कि इस नहर से फरीदाबाद जिले में जो पानी लगता है, उससे 78330 एकड़ जमीन की सिंचाई होती है तथा इससे पहले के सालों में यह पानी और ज्यादा था, लेकिन ऐसा नहीं है । मैं इनको बताना चाहता हूं कि 1991-92 में फरीदाबाद जिले को मिलने वाले पानी से 73266 एकड़ जमीन की सिंचाई होती थी और 1990-91 में 81521 एकड़ जमीन की सिंचाई होती थी । स्पीकर साहब, यह अलग-अलग समय पर अलग-अलग तरीकों से होती थी । इनकी यह बात ठीक है कि यू0 पी0 वाले इस नहर की सफाई ठीक ढंग से नहीं करते हैं लेकिन हमारी यह पूरी कोशिश रहेगी कि इसका मैनेजमैंट हरियाणा के पास आने के बाद इस की पूरी सफाई हो, पूरी गाद निकाली जाए तथा पानी को टेल तक पहुंचाया जाए ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, आगरा नहर का संबंध हमारे जिले से सम्बन्धित है । (विघ्न)

श्री हरि सिंह नलवा : स्पीकर साहब, जैसा पिछले दिनों दिल्ली के मुख्यमन्त्री खुराना जी ने कहा था कि हरियाणा से जो पीने का पानी दिल्ली को आता है, उस पर हमारा हक बनता है लेकिन हमारे मुख्यमन्त्री जी ने यह कहा था कि इस पानी पर दिल्ली का हक नहीं बनता । लेकिन दिल्ली के लोगों की तकलीफों को देखते हुए हरियाणा ने दिल्ली को पानी दिया है । स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहूंगा कि जितना पानी हम पीने के लिए उनको देते हैं और जो गन्दा पानी यमुना का दिल्ली से हरियाणा में आता है, क्या आपने उतने पानी के लिए कभी भी दिल्ली की सरकार या भारत सरकार के द्वारा बात की है या ऐसी कोई सरकार के पास प्रोपोजल है ; क्योंकि दिल्ली के लिए पीने के पानी का शेड हरियाणा से नहीं बनता, फिर भी हम उनको पीने का पानी देते हैं । उनके गन्दे पानी से हरियाणा की धरती की ज्यादा से ज्यादा सिंचाई हो सकेगी, इसलिये क्या ऐसा सरकार का बातचीत करने का कोई प्रोपोजल है ?

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर सर, पिछले दिनों केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री श्रीमती शीला कौल ने मीटिंग बुलाई थी, उसमें उन्होंने कहा था कि जो दिल्ली का गन्दा पानी है, वह आप ले लीजिए और साफ पानी हमें दे दीजिए । मुख्य मन्त्री जी भी उस मीटिंग में थे, हमने स्पष्ट जवाब दे दिया कि हम ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि जो ट्रीटमैंट पानी का हुआ है, उसको भी हमने चैक करवाया है, उसकी ओ0 बी0 डी0 ज्यादा थी, पानी में जर्म्स और कैमीकल्ज अधिक मात्रा में थे, उनके पास अच्छे ट्रीटमैंट प्लांट नहीं हैं । हमने उनसे कह दिया कि इस्तेमाल किया हुआ पानी हम नहीं लेंगे ।

चौधरी ओम प्रकाश बेरी : अध्यक्ष महोदय, जैसा सिंचाई मन्त्री जी ने बताया कि यमुना के पानी के बंटवारे के बारे में जब बात हुई तो आगरा कैनाल का जिक्र आया । जैसा मुख्य मन्त्री जी ने बताया था, यह बात उससे भिन्न है । यमुना वाटर की शेयरिंग के बारे 1954 में एग्रीमैंट हुआ था, वह 2004 में खत्म होगा उससे पहले इस तरह का कोई प्रश्न ही एराइज नहीं किया जाना चाहिए । मैं तो यह भी कहना चाहूंगा कि यमुना वाटर के बारे में कोई बातचीत न की जाए । रहा आगरा कैनाल का सवाल, सतलुज के पानी के बारे भाखड़ा मैनेजमैंट बोर्ड पर कब्जा करने से पहले, क्या पंजाब सरकार ने सैन्ट्रल गवर्नमैंट से बातचीत की थी ? उसने कब्जा कर लिया था, इसी तरह क्या हरियाणा सरकार आगरा कैनाल पर कब्जा करने के लिए तैयार नहीं है, लेकिन उसका मैनेजमैंट अपने हाथ में लेने के लिए तैयार नहीं है ताकि गुड़गांव और फरीदाबाद को पूरी मात्रा में पानी मिल जाए ?

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर सर, इन्होंने जो पहला सवाल किया कि 1954 में जो एग्रीमैंट हुआ था उसमें यह था कि ताजेवाला पर जो पानी है उसमें से दो तिहाई हरियाणा को और एक तिहाई यू0 पी0 को मिलेगा, वह सन 2004 तक लेंगे । जो एग्रीमैंट हो रहा है, वो डैम बन जाने के बाद पानी की जो यूटिलिटी है, उसका एग्रीमैंट हो रहा है । जैसे भाखड़ा में पानी स्टोर हो गया जो फ्लड का पानी नहीं होता । अब सर्दियों में पानी की कमी होती है तो पानी सिंचाई के लिए इस्तेमाल करते हैं क्योंकि बारिश के दिनों में यमुना में एक लाख क्यूसिक से पांच लाख क्यूसिक पानी आ जाता है, जब लीन सीजन होता है और दिसम्बर के महीने में जब बर्फ नहीं पिघलती उस समय दो हजार क्यूसिक पानी रह जाता है । अब उस पानी को अधिक समय तक चलाने के लिए ऊपर डैम बनाने हैं, उन डैमों के बन जाने से हम 5-6 या 7 हजार क्यूसिक पानी ले सकेंगे । लीन सीजन और फ्लड को रोकने के लिए डैम बनते हैं । जब डैम बन जाएंगे, उसके बाद पानी के बंटवारे की बात है । इसके अतिरिक्त और बहुत सी बातें हैं, जैसे अब डब्लयू0 जे0 सी0 की स्ट्रैंथनिंग करके 12 हजार क्यूसिक पानी ले रहे हैं, फिर 23 हजार क्यूसिक पानी ले सकेंगे । जैसे हथिनीकुंड बैराज बनाने की बात है, सुचारू रूप से चलाने की बात है । जहां तक इनका दूसरा सवाल है .....

चौधरी ओम प्रकाश बेरी : हथिनी कुंड बैराज बनाने के काम में कितनी प्रोग्रेस हुई है और कब तक काम शुरू किया जाएगा ?

श्री अध्यक्ष : यह सप्लीमैंटरी इस क्वैश्चन से रिलेट नहीं करती ।

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर सर, जैसे इनका दूसरा सवाल है कि पंजाब वालों ने जैसे भाखड़ा पर कब्जा कर लिया, वैसे हरियाणा आगरा कैनाल पर ओखला से कब्जा कर ले । स्पीकर सर, ओखला भी यू0 पी0 की टैरिटरी है, वहां उन्हीं का कब्जा है, ऐसा तो नहीं है कि धक्के से कब्जा कर लें ।

चौधरी आकिर हुसैन : जैसे गुड़गांवा कैनाल के बारे में मंत्री महोदय ने बताया है कि लगातार बातचीत चल रही है, वे अपनी जगह पर ठीक हैं, लेकिन मैं मंत्री जी से रिक्वैस्ट करूंगा और साथ ही जानना भी चाहूंगा कि आज जो आगरा कैनाल में गाद भरी हुई है और रजबाहों में पानी नहीं चल पा रहा है, इसकी सफाई कब तक करा देंगे ? यही हालत गुड़गांवा कैनाल की है, उसके साथ लगते हुए रजबाहों में भी पानी नहीं आता । क्या मन्त्री जी इसके लिये कोई टाईम बाउन्ड प्रोग्राम बनाएंगे और आगरा कैनाल, गुड़गांवा कैनाल और उसके रजबाहों की सफाई करवायेंगे ताकि रजबाहों में पानी आ सके और किसानों को पानी मिल सके ? आजकल क्या होता है, जब भी वह पानी छोड़ते हैं तो नहर जगह जगह से टूट जाती है और किसान के ऊपर फर्जी कट के केस बनाये जाते हैं । क्या मंत्री जी इस ओर विशेष ध्यान देंगे ?

चौधरी जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा है कि हम किसानों को राहत देने की कोशिश तो करते हैं । आपको पता है कि आगरा कैनाल और डब्ल्यू0 जे0 सी0 हरियाणा में पैरेनीयल कैनाल्ज हैं । आगरा और जे0 एल0 एन0 कैनाल, दोनों नान-पैरेनीयल हैं, इनमें केवल बारिश के दिनों में पानी आता है, इसलिये इस बारे में थोड़ी सी दिक्कत आती है । फिर भी हम यह कोशिश करेंगे कि जहां-जहां पर दिक्कत है, वहां पर पूरा पानी दिया जाये ।

चौधरी अजमत खां : स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि 80 हजार एकड़ के करीब भूमि की सिंचाई होती है । एक बात इन्होंने यह भी मानी है कि इस इलाके की नहरों में पिछले काफी अर्से से सफाई नहीं हुई है और खासकर मेवात इलाके में इन नहरों की सफाई नहीं हुई है । कम से कम आगरा नहर वहां के डेढ़ लाख एकड़ एरिया को सैराब करती है । पुन्हाना माईनर, बिच्छोर माईनर, हथीन माईनर, भुंगरी माईनर और कोट माईनर सारी की सारी सूखी पड़ी हैं, चलती ही नहीं हैं । हथीन खेल का टू-थर्ड एरिया इससे सैराब होता है, आज वह इलाका बंजर हो गया है और लोगों को पानी नहीं मिल रहा है। एक तो जगह-जगह पर लोगों ने दीवारें खड़ी करके डाफ बना दिये हैं और दूसरे यह माईनर्ज जगह-जगह से टूटी पड़ी हैं, परिणामस्वरूप इससे पानी आगे नहीं जा पाता । आगरा कैनाल का कन्ट्रोल लेने के लिये सरकार बार-बार यह कह रही है कि इस सम्बन्ध में बातचीत चल रही है । आखिर यह बात कब तक होती रहेगी । एस0 वाई0 एल0 पंजाब से गुजरती है, वह हमें पानी नहीं दे सकती और आगरा कैनाल जो हमारे यहां से गुजरती है वह भी हमें पानी नहीं दे सकती । इसलिए हमारे इलाके के लोगों के सब्र का पैमाना लबरेज हो चुका है । हमारे खेत सूख रहे हैं और रोजी रोटी के लोगों को लाले पड़ रहे हैं । हो सकता है यहां के लोग नहर रोकने के लिये मजबूर हो जायें और रोक कर अपना काम चलायें । इसलिये यह जरूरी है कि हर कीमत पर हम इसका इन्तजाम अपने हाथ में ले लें और साथ ही इस नहर की सफाई कराने का प्रबन्ध

[चौधरी अजमत खां]

जल्दी से जल्दी करें, वरना लोगों के सब्र का पैमाना लबरेज हो जायेगा । कभी भी कुछ हो सकता है ।

चौधरी जगदीश नेहरा : मैम्बर साहब ने जो कुछ कहा है, वाकई यह एक चिन्ता का विषय है ।

श्री अध्यक्ष : आपको अपनी हद तक सफाई करवाने से कौन रोकता है ? आप वहां सफाई करवायें ।

चौधरी जगदीश नेहरा : दिक्कत यह है कि इस नहर का कन्ट्रोल यू० पी० वालों के पास है । न यू० पी० वाले खुद इसकी सफाई कराते हैं और न ही इसका सिस्टम ठीक करते हैं । इसीलिये सरकार पूरी तरह से कोशिशरत है कि इसका मैनेजमेंट हमारे पास दे दिया जाये । पिछली बार मीटिंग में भी यह बात आयी थी । हमारी कोशिश यह है कि जल्दी से जल्दी इस नहर का मैनेजमैंट हमारे हाथ में दे दिया जाये । दूसरी बात जो इन्होंने कही है कि 1960 से इस नहर के द्वारा डेढ़ लाख एकड़ जमीन की सिंचाई हो रही है, मैं इस बारे में यह बताना चाहता हूं कि आगरा कैनाल की जद में फरीदाबाद की जो जमीन आती है, वह केवल एक लाख 8 हजार एकड़ है, इसलिये डेढ़ लाख भूमि सिंचित होने का तो सवाल ही नहीं है । इस एक लाख आठ हजार में से तकरीबन 80 हजार एकड़ भूमि की ही सिंचाई होती है ।

चौधरी अजमत खां : अध्यक्ष महोदय, इसमें गुड़गांवा जिले की जमीन भी शामिल है जो इससे सिंचित होती है । मंत्री जी ने केवल जिला फरीदाबाद का सिंचित एरिया बताया है ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय सदस्य इस बारे में बड़े चिन्तित हैं । वाकई यह एक चिन्ता की बात है क्योंकि आगरा नहर का कन्ट्रोल यू० पी० वालों के पास है । इसीलिए इस मैटर को बड़ी सीरियसली उठाया है पिछली दो मीटिंग्ज में । हमने कहा कि हमारे किसानों को बड़ी भारी तकलीफ है और इस पर हमारा कंट्रोल होना चाहिए, अगर हमारा कन्ट्रोल न हो तो यू० पी० और हरियाणा का ज्वाएंट कन्ट्रोल होना चाहिए ताकि नहर की सफाई हो जाए और पानी का बंटवारा ठीक हो जाए । जितना हरियाणा का हक है उतना पानी हरियाणा को मिल जाए । हमने यह भी कहा कि अगर इसका कन्ट्रोल हमें नहीं मिलता तो भारत सरकार कन्ट्रोल अपने हाथ में ले ले । अध्यक्ष महोदय, जब तक यू० पी० वालों का कन्ट्रोल है, हम उसकी सफाई नहीं कर सकते क्योंकि कन्ट्रोल उनके पास है । जब तक कोई म्यूचुअल ऐग्रीमेंट नहीं होगा, तब तक सफाई के काम को

हम नहीं कर सकते । अध्यक्ष महोदय, इस बारे में बातचीत चल रही है कि नहर की सफाई और कन्ट्रोल भारत सरकार ले ले ताकि किसी को शिकायत न हो ।

मोहम्मद अस्लम खां : अध्यक्ष महोदय, यू0 पी0 के साथ 1980 में एक झगड़ा शुरु हुआ था । आज उस बात को चौदह साल हो गए हैं । 1954 में यू0 पी0 के साथ एक ऐग्रीमैंट हुआ था लेकिन 1980 में, जब झगड़ा हुआ तो दोनों तरफ की पुलिस राइफल्ज लेकर बैठ गई और उस वक्त काम को रोक दिया गया और चाहे ताजेवाला है, चाहे हथिनी कुंड है, इनका कन्ट्रोल हमारे हाथ में है । जिस समय सम्पत सिंह जी इरीगेशन एण्ड पावर मिनिस्टर थे, उस समय मैं वहां देखने के लिए गया था । यू0 पी0 वालों ने हथिनी कुंड बैराज पर बहुत ऊपर जाकर एक रैगुलेटर लगा लिया जिससे पानी पर यू0 पी0 का कन्ट्रोल हो जाए ताकि हम उन पर डिपैन्ड करें कि वे पानी हमें दें या न दें । क्या सरकार ने इस समस्या को सुलझाने का कोई प्रयत्न किया है ?

चौधरी जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, ऐसा है कि यू0 पी0 वालों ने एक हाईडल पावर हाउस हथिनी कुण्ड पर बनाया । इसको बनाते समय यू0 पी0 गवर्नमैंट की नीयत ठीक नहीं थी । उन्होंने वहां एक साइफन टाईप एरिया बना दिया ताकि ईस्टर्न जमुना कैनाल से साइफन के जरिए पानी ले जाया जा सके । हमारी सरकार ने, सैन्टर्ल गवर्नमैंट ने तथा हरियाणा की पहले वाली सरकार ने यू0 पी0 वालों के साथ मीटिंग करके तथा लिखकर इस बारे में एतराज किया कि यह कार्यवाही उनकी गल्त है । अगर वहां हाइडल पावर हाउस बना दिया तो पानी के बंटवारे का कोई मतलब नहीं रह जाता । अध्यक्ष महोदय, उन्होंने वहां पर बनाया कुछ जरूर है लेकिन जोड़ने का कोई मतलब नहीं है । मेरे कहने का मतलब यह है कि साइफन से हथिनी कुण्ड बैराज को जोड़ने का कोई मतलब नहीं है । मुख्य मन्त्री जी ने और शुक्ला जी ने बड़े स्पष्ट तौर से कहा कि हम इस तरह से मिलने नहीं देंगे । ताजेवाला और हथिनी कुण्ड से कोई चीज मिलाने का कोई मतलब ही नहीं है और इस बारे में हमने लिखकर भी दिया है और मीटिंग में भी यह बात कही है ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, आगरा कैनाल के कन्ट्रोल के बारे में काफी बातें यहां सुनने को मिली हैं । मुख्य मन्त्री जी ने कहा कि कन्ट्रोल हमें नहीं मिल रहा है । लेकिन यू0 पी0 की सरकार यह कहती है कि आगरा कैनाल का कन्ट्रोल हरियाणा अपने हाथ में ले ले, हमें कोई एतराज नहीं है लेकिन वे पैसा मांगते हैं । अध्यक्ष महोदय, इस सरकार की फिजूल खर्चियां इतनी हैं कि इस सरकार का नहरों की तरफ कोई ध्यान नहीं है । अध्यक्ष महोदय, क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि अगर नहर का कन्ट्रोल हरियाणा सरकार को नहीं मिलता, तो क्या ये हरियाणा को जितना पानी मिलता है, उसको बढ़वाने का प्रयास करेंगे ? दूसरी बात यह है कि अगर हरियाणा के हिस्से का पानी बढ़ जाए तो उस पानी को

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

आगरा कैनाल में डालने की बजाए गुड़गांव कैनाल में डाला जाएगा जिससे गुड़गांव के जमींदारों को फायदा पहुंच सके ?

चौधरी जगदीश नेहरा : इसके लिये स्पीकर साहब, पिछले दिनों यमुना के चीफ इंजीनियर से मैंने कहा था और उन्होंने मथुरा के एस0 ई0 से बातचीत की थी । दोबारा फिर मैंने उन से कहा, आपको चाहे लखनऊ जाकर वहां के अधिकारियों के साथ मीटिंग करनी पड़े, आप करें ताकि पानी का जो सिस्टम है, वह ठीक हो सके और जो हमारा हिस्सा है, वह हमें मिले । साथ में मैनटीनैन्स के बारे में, सफाई के बारे में और वाराबन्दी के बारे में भी हमने उन से बातचीत की है । हम तो चाहते हैं कि यह सिस्टम ठीक चले और किसानों की जो दिक्कतें हैं, वह सही तरीके से दूर हों । इन सब बातों के लिये हम पूरी कोशिश कर रहे हैं ।

Construction of Roads

***696. Ch. Bharath Singh** : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct the following roads of District Kaithal :

1. Balu to Gulyana ;
2. Kailram to Balu ;
3. Kala-sar to Kheri Sherkhan ;
4. Kolekhan to Gurusar ; and

(b) if sc, the time by which the above-said roads are likely to be constructed ?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी) :

(क) नहीं, श्रीमान जी ।

(ख) उपरोक्त (क) के दृष्टिगत प्रश्न ही नहीं उठता ।

चौधरी भरत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि सरकार ने जब यह वायदा किया है कि हम हर गांव को पक्की सड़कों से जोड़ेंगे, तो कब तक सरकार सभी गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ देगी ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने केवल चार सड़कों बारे में सवाल पूछा है और यह चारों सड़कें पहले ही दूसरी सड़कों से जुड़ी हुई हैं । बालू रोड कसान के पास जीन्द रोड पर मिली हुई है, इसी तरह से गुल्याणा गांव की जो सड़क है, वह भी कैथल जीन्द से मिली हुई है । कलैरम बालू नरवाना से कैथल रोड पर, गांव अलग अलग सड़कों से मिले हुए हैं । क्लासर से खेड़ी शेरखां वह क्लासर क्लायत रोड तथा शेरखां मण्डीकलां से लोअर सड़क के पास मिली हुई है । चौथी जो सड़क फीलेखां से गुस्सर तक की है, वह पहले ही मैन रोड से मिली हुई है ।

Outstanding Electricity Bills

*727. **Prof. Sampat Singh** : Will the Minister for Power be pleased to state the total amount of arrears on account of Electricity bills outstanding against the consumers in the State at present ?

Power Minister (Sh. A.C. Chaudhary) : Ending November, 1993, a sum of Rs. 492.20 crores was outstanding against electricity consumers of all categories, out of which Rs. 396.52 crores pertained to Government/Semi Government connections.

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि यह जो 492.20 करोड़ रुपये के पैंडिंग बिल्ज हैं, उनमें डोमैस्टिक, कमर्शियल, ऐग्रीकल्चर सैक्टर और दूसरी जो कैटेगरीज हैं, इनकी अलग-अलग राशि कितनी-कितनी है ? खासतौर पर इंडस्ट्रीज के लिए जो बल्क सप्लाई होती है, उसकी कितनी राशि है ? इसके साथ-साथ मैं यह भी जानना चाहता हूं कि इन बिलों की रिकवरी के लिये सरकार ने क्या स्टैप्स उठाये हैं ताकि यह रिकवरी जल्दी हो सके ?

श्री ए० सी० चौधरी : अध्यक्ष महोदय, जितने एरियर्ज मैंने अपने जवाब में बताए हैं, उन में कुछ राशि सरकारी व कुछ राशि अर्ध सरकारी कुनैक्शनों से सम्बन्धित है । इसके इलावा जो लोग इलैक्ट्रीसिटी रुल्ज के मुताबिक एरियर्ज में होते हैं, उनको बी० सी० ओ० ही आर्डर इशू करके कनैक्शन डिसकनैक्ट करता है लेकिन इसमें बहुत सारे शायद 80 से पहले के हैं । शायद 1976-77 के हैं । वे बाई एण्ड लार्ज या तो लोअर कोर्ट में चले गये हैं और जो हमारे काबू में आते हैं, हमने उनसे लैन्ड रैवेन्यू एक्ट के तहत, इक्विक्शन के द्वारा या रिअलाईजेशन के तौर पर एरियर्ज वसूल करने की पूरी चेष्टा की है । जो केसिज कोर्ट में होते हैं, जब तक कोर्ट फैसला नहीं करती, हम बेबस हैं । मैं तो यह बता देना चाहता हूं कि कोर्ट में केसिज आलमोस्ट 1980 से चल रहे हैं । स्पीकर साहब, प्राइवेट कैटेगरी में जो जनरल हैं, उस में 60318, एग्रीकल्चर में 13018, इंडस्ट्रियल में 8981 डिफरैन्ट

[श्री ए0 सी0 चौधरी]

कंज्यूमर्ज हैं । जहां तक अमाउंट की बात है, जनरल में 29.40 करोड़ रुपए, एग्री-कल्चर में 25.75 करोड़ रुपए और इंडस्ट्रियल में 40.51 करोड़ रुपए हैं ।

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, इन्होंने कहा है कि केसिज कोर्ट में है और दूसरे कहा है कि एज एरियर्ज आफ लैंड रैवेन्यू रिकवरी की है । मैं जानना चाहता हूं कि एज एरियर्ज आफ लैण्ड रैवेन्यू कितनी रिकवरी की है ? कहीं ऐसा तो नहीं....

श्री अध्यक्ष : अब सवालों का समय समाप्त होता है ।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Upgradation of High School, Madlauda into 10+2 System School

*712. **Shri Krishan Lal** : Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to upgrade the Government High School, Madlauda in District Panipat into 10+2 system during the year 1993-94 ?

शिक्षा मन्त्री (श्री फूल चन्द मुलाना) : जी नहीं।

Navodya School

*708. **Shri Satbir Singh Kadian** : Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Navodya School in District Panipat ; if so, the time by which it is likely to be opened ?

शिक्षा मन्त्री (श्री फूल चन्द मुलाना) : जी हां, सिवाह में नवोदय विद्यालय खोलने का प्रस्ताव भारत सरकार के विचाराधीन है । परन्तु समय सीमा नहीं बताई जा सकती ।

Appointment made on Daily-wages Basis

*746. **Smt. Chandravati** : Will the Minister of State for Transport be pleased to state—

(a) the post-wise number of persons working on daily-wages in the Transport Department at present ; and

(b) whether any persons have been appointed on permanent/ daily-wages basis in Dadri Depot during the period from 1st January, 1993 to-date; if so, the names and addresses thereof ?

***Interim Reply**

BALBIRPAL SHAH

"D.O. No. 26/5/94-3TC
Minister of State for
Transport, Haryana,
Chandigarh.
Dated 4th March, 1994

Subject :—Starred Assembly Question No. 746—Smt. Chandrawati, M.L.A.

Dear Shri

Kindly refer to the subject noted above.

2. The reply to the above mentioned Starred Assembly Question involves collection and consolidation of information pertaining to the persons working on daily wages in the Transport Department. This information is required to be collected from all the General Managers of Haryana Roadways, all Secretaries of Regional Transport Authorities, S.P. (Traffic), Flying Squad Officer (ISBT), Delhi etc., who are their appointing authorities. It would take considerable time to collect this information from as many as 29 different offices located in the State.

3. Keeping in view the circumstances explained above, I shall be greateful if an extention of one month's time is given for reply of this Starred Assembly Question.

With kind regards,

Yours sincerely,
Sd/-
(Balbirpal Shah)

Shri Ishwar Singh,
Hon'ble Speaker,
Haryana Vidhan Sabha,
Chandigarh."

Construction of a Grain Market at Siwan

***734. Shri Amar Singh Dhanday** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a grain market at Siwan in Distt. Kaithal; and

(b) if so, the time by which the aforesaid market is likely to be constructed ?

*Final reply to this question appears as Annexure A in this debate at page 85.

कृषि मन्त्री (श्री हरपाल सिंह) :

(क) जी हां ।

(ख) उक्त प्रयोजन हेतु भूमि अर्जन के पश्चात् निर्माण का कार्य शुरू किया जाएगा ।

Setting up of 132 K.V. Sub-Station at Pipli and Ladwa

*843. **Dr. Ram Parkash** : Will the Minister for Power be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to set up a 132 K.V. (or more) Sub-station at Pipli and Ladwa in Distt. Kurukshetra; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Sub-stations are likely to be set up ?

बिजली मन्त्री (श्री ए० सी० चौधरी) :

(क) हां, श्रीमान जी ।

(ख) 132 के० वी० उपकेन्द्र, पिपली वर्ष 1996–97 तक तथा 220 के० वी० उपकेन्द्र लाडवा वर्ष 1997–98 तक ।

Molasses of Sugar Mill, Kaithal

*829. **Shri Ram Kumar Katwal** : Will the Minister for Co-operation be pleased to state the name of the persons/agency to whom the molasses of Sugar Mills, Kaithal was supplied during the year 1992 and 1993 separately together with the names of persons/agency to whom it is being supplied at present ?

सहकारिता मन्त्री (श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया) : ब्यौरे का विवरण सदन के पटल पर रखा है ।

विवरण

वर्ष 1991–92, 1992–93 तथा 1993–94 के दौरान कैथल सहकारी चीनी

मिल द्वारा पार्टी अनुसार दिये गये शीरे का विवरण निम्न प्रकार है :—

क्रम सं0	पार्टी का नाम	मात्रा (क्विंटलों में)
1	2	3
	1991–92	
1.	अशोका डिस्टिलरिज लि0, हथीन	32965.40
2.	दी पानीपत सहकारी डिस्टिलरी लि0, पानीपत	19420.50
3.	ऐसोसिएटिड डिस्टिलरिज लि0, हिसार	18229.35
4.	हरियाणा फेरो ऐलोयज लि0, रोहतक	7491.00
5.	केमी सेल्ज, सोनीपत	1369.10
6.	हरियाणा स्टील एण्ड एलौयज लि0, सोनीपत	465.55
7.	डेवीको (इण्डिया) आयरन फाऊंडरी एण्ड इन्जिनियरिंग वर्क्स, नरवाना	432.25
8.	भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार	398.40
9.	सिंगला इण्डस्ट्रीज, सोनीपत	350.30
10.	किसान फीडस प्राईवेट लि0, अम्बाला	333.25
11.	अमित फाऊंडरी एण्ड इंजीनियरिंग वर्क्स, कैथल	267.85
12.	ऐनीमल ब्रीडिंग एण्ड जनेटिक्स, पालमपुर (हि0 प्रदेश)	257.15
13.	आफिसर इन्चार्ज मिलिटरी फार्म, अम्बाला कैन्ट	242.85
14.	गगन फाऊंडरी उद्योग, कैथल	158.55
15.	जै भारत फाऊंडरी उद्योग, कैथल	150.65
16.	माया मशीन टूल्ज, फरीदाबाद	147.00
17.	चौधरी इस्पात उद्योग, कैथल	146.35
18.	चौधरी इंजिनियरिंग वर्क्स, कैथल	141.60
19.	हर हर महादेव तम्बाकू कम्पनी, यमुनानगर	121.40
20.	जै प्रकाश कैलाश चन्द, यमुनानगर	82.00
	कुल	83170.50

[श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया]

क्रम सं0	पार्टी का नाम	मात्रा (क्विंटलों में)
1992-93		
1.	ऐसोसिएडिट डिस्टिलरिज लि0, हिसार	61544.05
2.	दी पानीपत सहकारी डिस्टिलरिज लि0, पानीपत	39659.05
3.	अशोका डिस्टिलरिज लि0, हथीन	15553.50
	कुल	116756.60
1993-94		
1.	दी पानीपत सहकारी डिस्टिलरिज लि0, पानीपत	6492.40
2.	ऐसोसिएडिट डिस्टिलरिज लि0, हिसार	4941.20
	कुल	11433.60

राज्यपाल महोदय का संदेश

Mr. Speaker : Hon'ble members, I have received a message from the Governor, which reads as under :—

"Hon'ble Speaker, Thank you so much for your communication No. HVS-LA-36/94/4290 dated the 4th March, 1994 sending there-with a copy of the "Motion of Thanks" on my address passed by Haryana Vidhan Saaha on 4th March, 1994".

विभिन्न विषयों का उठाया जाना

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, आपकी इजाजत से मैं कुछ कहना चाहता हूं। कल जब चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी बोल रहे थे तो हमारे आदरणीय मंत्री श्री सुरेन्द्र कुमार मदान ने एक जमीन की आफर दी थी कि अगर कोई उस

जमीन को लेना चाहे तो मैं दे सकता हूं । यह बात अखबारों में भी आई है । अखबार की खबर को पढ़ कर श्री हुक्म चन्द कौंसलर ने आफर दी है । वे कहते हैं कि समाचार पत्र में श्री सुरेन्द्र कुमार मदान ने जो घोषणा की है, मैं उससे डबल रेट देने के लिए तैयार हूं । यह एप्लीकेंट लिखता है कि हालांकि उस जमीन में वृक्ष उखाड़ दिए गए हैं, फिर भी मैं पांच साल के लिए उसे डबल रेट पर लेने के लिए तैयार हूं । स्पीकर साहब, हुक्म चन्द म्यूनिसिपल कौंसलर वार्ड नं0 15, कैथल की यह आफर है । उन्होंने अपनी तरफ से रिकवैस्ट भेजी है कि मुझे अखबार से पता चला है और मैं डबल रेट पर लेने के लिए तैयार हूं । उनकी रिकवैस्ट मेरे पास है जो मैं मुख्य मन्त्री के पास भेज रहा हूं ।(वह आफर मुख्य मन्त्री को दे दी गई)

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री सुरेन्द्र कुमार मदान) : स्पीकर साहब, सम्पत सिंह जी ने जो कहा है, वह मुझे मंजूर है । वे 34 हजार रुपए मुझे दे दें ।

Prof. Sampat Singh : I do not want this land. Municipal Councillor wants this land. Whether you are accepting the request of the Councillor or not ?

श्री सुरेन्द्र कुमार मदान : स्पीकर साहब, उन्होंने 34 हजार रुपए कहा है, इसलिये 17 हजार रुपए सम्पत सिंह जी रख लें और 17 हजार रुपए मुझे दे दें ।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, वह दरखास्त मुख्य मंत्री जी के नाम ऐड्रैस की गई है और पहुंच रही है सम्पत सिंह जी के पास । मदान साहब ने उनको आफर भी दी है कि आप 34 हजार रुपए में वह जमीन ले लें । अब सम्पत सिंह जी, आपको हां करनी चाहिए । अब आप भाग क्यों रहे हैं ?

प्रो0 सम्पत सिंह : सम्पत सिंह नहीं भाग रहा, भाग तो मदान रहा है । You are protecting him.

श्री अध्यक्ष : ये तो बेनामी लेना चाहते हैं । (शोर)

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, आपने यह जो कहा है कि बेनामी लेना चाहते हैं, यह बात एक्सपंज होनी चाहिए । (शोर)

श्री अध्यक्ष : वह दरखास्त आपके पास किस लिए आई है ?

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, जिस आदमी ने यह दरखास्त दी है, वह विजीटर गैलरी में मौजूद है । आपने जो बेनामी कहा है, वह एक्सपंज करवाएं । (शोर)

श्री अध्यक्ष : आपके पास वह दरखास्त क्यों आई है ? (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, आप 'बेनामी' शब्द एक्सपंज करवाएं। (शोर)

Mr Speaker : The remarks of Speaker canot be expunged.

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, उसने वह दरखास्त मुझे दी है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : वह डाइरेक्ट आपके पास आई है। आपके पास वह दरखास्त आने की कोई वजह नहीं है। (शोर)

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। कल इनकी तरफ से एक एलीगेशन लगाया गया था।

प्रो० सम्पत सिंह : मेरी तरफ से एलीगेशन नहीं लगाया गया था। वह तो चौटाला साहब की ओर से लगाया गया था।

चौधरी भजन लाल : ठीक है, उनकी तरफ से लगाया गया होगा। हमारे मंत्री ने कल ही उनकी बात एक्सैप्ट कर ली थी। अब इन्होंने अखबार में पढ़ लिया और कहते हैं कि उस जमीन को लेने के लिए इनके पास कोई दरखास्त आई है और वह दरखास्त मुख्य मंत्री जी के नाम है। आप मुख्य मंत्री के दलाल कब से हो गए ? अध्यक्ष महोदय, जिस किसी आदमी ने वह दरखास्त दी है, उसने न उसके साथ कोई चैक लगाया है और न ही कोई एफेडेविट लगाया है। वैसे ही किसी से लिखवा कर वह दरखास्त दे दी। यदि वह आदमी उस जमीन को लेने के लिए तैयार है तो दरखास्त के साथ एफेडेविट लगाता। मंत्री जी ने कल भी यह आफर दी थी कि वह जमीन जितने की है, उतने पैसे में ले लो। इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है ?

प्रो० सम्पत सिंह : उस जमीन को म्युनिसिपल कौंसलर लेना चाहते हैं।

चौधरी भजन लाल : जो भी लेना चाहते हैं, वह आप बता दें। मंत्री जी देने के लिए तैयार हैं। अध्यक्ष महोदय, इनकी जिम्मेदारी की कोई बात नहीं है। अपोजिशन के लीडर का यह कर्तव्य बनता है कि कोई ठोस बात कहे। कोई ठोस उदाहरण दे। यह कोई शोभा नहीं देता कि एक कागज पर लिखवा कर ले आए। इस तरह के हम सौ कागज लिखवा देंगे, यह कोई अच्छी बात नहीं है। आपको ठोस बात करनी चाहिए। इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है। मंत्री जी ने ओपन आफर दी है कि जो आदमी उस जमीन को लेना चाहे, वह ओपन आक्शन में ले ले। सबको यह अधिकार है कि ओपन आक्शन में जो भी आदमी लेना चाहे, ले सकता है। ओपन आक्शन में जमीन लेना कोई गुनाह नहीं है, कोई पाप नहीं है। मंत्री जी की मां ने वह जमीन ले ली, उसकी आपको तकलीफ हो गई। यदि और कोई आदमी

लेता तो आपको कोई तकलीफ न होती । यह कोई तरीका नहीं है । इस तरह के बेबुनियाद इल्जाम लगाना आपको शोभा नहीं देता ।

बिजली मन्त्री (श्री ए० सी० चौधरी) : स्पीकर साहब, यह सही बात है कि आज हाउस में लीडर आफ अपोजिशन ने एक पर्चा दिखा कर एक नयी चीज ड्रामाटाइज करने की कोशिश की । ये भाई उस जमीन को बेनामी लेना चाहते हैं । स्पीकर साहब, आपकी यह ऑब्जर्वेशन सही है कि ये उस जमीन को बेनामी लेना चाहते हैं । मेरे भाई कैथल के म्युनिसिपल कौंसलर के साथ क्यों लिंक रखते हैं ? मैं समझता हूं कि इनकी दलाली में जो पुराना खाता था, उसमें शायद यह खाता रहता था । इसलिए ये आस लगाए बैठे हैं, वरना 17 हजार रुपये में देने की बात है । कोई व्यक्ति जो अपनी आत्मा की आवाज सुनने वाला है, और मंत्री के स्टेटस का है, 17 हजार रुपये के लिए अपने आपको कन्ट्रोवर्सी में डालेगा ? (शोर) इस प्रकार प्राईवेट लोगों की गलत चिट्ठियां इस्तेमाल करने का इनका कोई अधिकार है ? (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, जहां तक एप्लीकेशन की बात है, अपोजीशन लीडर के नाते मेरे पास लोगों की दरखास्तें आती रहती हैं और इस नाते मेरा फर्ज बनता है कि मैं सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करूं । (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप वह एप्लीकेशन चीफ मिनिस्टर को दे दें ।

प्रो० सम्पत सिंह : वह तो मैंने पहले ही दे दी है । (शोर)

चौधरी भजन लाल : यह है तो सी० एम० के नाम, फिर आपके पास कैसे आ गई ? (शोर)

श्री ए० सी० चौधरी : एप्लीकेशन पर जो सिग्नेचर हुए हैं, उनको वैरीफाई कराया जाये कि असल में ये किसके सिग्नेचर हैं । (शोर)

श्री धीर पाल सिंह : आज वह सुबह एम० एल० ए० होस्टल में आया था, उस समय उस काउंसलर ने यह एप्लीकेशन दी थी । (शोर)

श्री सुरेन्द्र कुमार मदान : अध्यक्ष महोदय, मैं फिर हाउस में आफर देता हूं अपने विपक्ष के नेता प्रो० सम्पत सिंह जी को कि आप इस जमीन को 34 हजार रुपये में ले लें और साथ में ये 10 परसैन्ट कमीशन भी ले लें । (शोर) मैं सारे अधिकार इस जमीन से छोड़ने के लिए तैयार हूं, ये लेने वाले तो बनें । (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, कमीशन-खोरी का काम इनका है, हमारा नहीं है । (शोर) इसमें ज्यादा डिस्कशन की आवश्यकता नहीं है । एक काउंसलर ने अपनी आफर दे दी है इसलिए मैं यह भी कहना चाहता हूं कि अपोजीशन लीडर होने के नाते लोगों की प्रिवेंसिज और एप्लीकेशंज मेरे पास आती रहती हैं । उनकी

[प्रो0 सम्पत सिंह]

प्रिवेंसिज को रेज करना मेरा फर्ज बनता है। इस बारे में एक काउंसलर ने अपनी आफर दे दी है और हो सकता है कि 10-20 लोगों की और आफर आ जाए। जब एक काउंसलर की आफर आ गई है तो सी0 एम0 साहब का और मंत्री महोदय का फर्ज बनता है कि उसकी आफर को माना जाये और यह जमीन उसे दे दी जाए। (शोर) ये अपने गलत कारनामों को छुपाना चाहते हैं। इनका काम तो सिर्फ लैंड ग्रेबिंग का ही रह गया है। (शोर)

श्री ए0 सी0 चौधरी : इन्होंने जो एप्लीकेशन दी है, इस पर किसके दस्तखत हैं, यह चैक कराएं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठ जाएं। अब संपत सिंह जी अपने कालिंग अटैंशन के बारे में पूछ लें।

ध्यानाकर्षण सूचनाएं

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मैंने 2-3-94 को एक काल अटैंशन मोशन अण्डर रूल 73 के तहत दिया था कि हरियाणा प्रदेश में जितने भी खनिज हैं, मिनरल्ज की माइन्ज हैं, वे इस सरकार ने अपने चहेतों को, अपने रिश्तेदारों को दे रखी हैं। मैं जानना चाहता हूं कि उस कालिंग अटैंशन नोटिस का क्या हुआ ?

श्री अध्यक्ष : आप बैठिए। Sampat Singh Ji, it is under consideration. Nothing should be said about this. (Interruptions).

डा0 राम प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मैंने दो कालिंग अटैंशन मोशन आपको दिए थे। एक तो यह था कि हरियाणा सरकार ने लाटरी डाल कर जो बस रूट परमिट पंजीकृत सोसायटियों को दिए हैं, मैंने मांग की है कि 20 प्रतिशत अनुसूचित जातियों को और 10 प्रतिशत पिछड़े वर्ग को दिए जाएं, पर दिये नहीं गये। मैं जानना चाहता हूं कि ये रूट परमिट्स कितने बैकवर्ड लोगों को दिए गए और कितने हरिजनों को दिए गए ?

Mr. Speaker : It has been disallowed. Now please take your seat.

डा0 राम प्रकाश : स्पीकर साहब, मेरा एक दूसरा कालिंग अटैंशन मोशन गेहूं की खरपतवार नाशक इन्फीरियर क्वालिटी दवाई के बारे में था, उसका क्या हुआ ?

श्री अध्यक्ष : राम प्रकाश जी, आपका कालिंग अटैंशन मोशन regarding inferior quality of medicines has been admitted for 16th March, 1994.

श्री कर्ण दलाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के जुडिशियल आफिसर के बारे में मेरा कालिंग अटैंशन मोशन था, उसका क्या हुआ ?

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आपका यह कालिंग अटैंशन मोशन सुबह 9.55 बजे प्राप्त हुआ है, आप अभी बैठिए। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, मेरा एक और कालिंग अटैंशन मोशन झाड़ सेतली से होडल तक सड़क के बारे में था। इस सड़क पर एक्सिडैंट बहुत ज्यादा होते हैं। अभी कुछ दिन पहले एक जीप का एक्सीडैंट हुआ था जिसमें 10 लोग मौके पर ही मारे गए थे। आए दिन इस सड़क पर दुर्घटनाएं होती रहती हैं और उन एक्सीडैंट्स में अनेकों लोगों को जानें चली जाती हैं। स्पीकर साहब, यह बहुत ही जरूरी मसला है।

Mr. Speaker : Dalal Sahib, your calling attention notice regarding road accidents occurring due to the negligence of officers has been disallowed.

साथी लहरी सिंह : स्पीकर सर, आलू की फसल को सुरक्षित करने के लिए मेरा एक कालिंग अटैंशन मोशन था, उसका क्या बना ?

Mr. Speaker : It has been sent to the Government for comments

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : स्पीकर साहब, सीवरेज के बारे में मेरा एक कालिंग अटैंशन मोशन था, उसका क्या हुआ ?

Mr. Speaker : It is admitted for today.

विभिन्न विषयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के सारे सदस्यों का ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं। पिछले दिनों पाकिस्तान में "तहरीके मुजाहीदीन" नाम की एक किताब छपी है जिसके ऑथर सादिक हुसैन हैं। इस किताब में सिख गुरुओं के खिलाफ कई आपत्तिजनक शब्द लिखे गए हैं। पिछले दिनों सभी पोलिटिकल पार्टीज और पार्लियामैंट के सदस्यों ने भी इन शब्दों की भर्त्सना की है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन से यह कहना चाहता हूं कि एक प्रस्ताव के माध्यम से भारत सरकार को लिखा जाए कि इस किताब पर प्रतिबन्ध लगाना चाहिए। यह किताब भारत में नहीं आनी चाहिए और भारत में नहीं बिकनी चाहिए। इस किताब में हमारे बुजुर्गों और गुरुओं के खिलाफ बहुत ही आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया गया है इसलिए इसकी निन्दा की जानी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : इस बारे में आपका कोई नोटिस मेरे पास विचाराधीन नहीं है । (विघ्न)

डा० राम प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, इस 'तहरीके मुजाहीदीन' किताब में 5वें, छटे, 9वें और 10वें गुरुओं के खिलाफ जो अपमानजनक शब्द कहे गए हैं, वे केवल मात्र गुरुओं का ही नहीं बल्कि सारी मानवता का अपमान है जिस पर सारे देश में प्रतिक्रिया हुई है और देशभक्त तथा धर्मनिर्पेक्ष लोगों को इससे भारी चोट पहुंची है । इससे पहले भी सलमान रशदी की किताब पर पाबन्दी लगाने की बात सबसे पहले भारत सरकार ने की थी, उसके खिलाफ आवाज उठाई थी और भारत में उस पर प्रतिबन्ध लगाया गया था । अध्यक्ष महोदय, इस सदन में जो बात मैं कहना चाहता हूं, वह यह है कि यह किताब प्रतिबन्धित कर देनी चाहिए क्योंकि इसमें बहुत ही अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया है । पाकिस्तान में यह किताब स्कूल के बच्चों को दे कर उनके मन में जहर भरा जा रहा है । इस प्रकार की गन्दी किताब को छाप कर गुरुओं और महाराजा रणजीत सिंह के बारे में बहुत ही गन्दे शब्द इस्तेमाल करने की जितनी निन्दा की जाए वह कम है । बिल क्लिंटन जो ह्यूमन राईट्स और सिख राईट्स की बात करते हैं, आज वे इस पर चुप क्यों हैं ? यह केवल गुरुओं और महाराजा रणजीत सिंह का अपमान नहीं है बल्कि समूची मानवता का अपमान है । ह्यूमन राईट्स की बात करने वाले लोग आज कहां हैं ? अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि सारा सदन एक प्रस्ताव पास करके भारत सरकार तथा पाकिस्तान एम्बैसी को भेजे कि हमारी भावनाओं की कद्र की जाए और इस किताब पर पाबन्दी लगाई जाए ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही अहम मुद्दा है और यह देश के सम्मान के साथ जुड़ा हुआ है । अगर किसी भी गुरु की शान के खिलाफ, किसी भी स्तर पर अप-शब्द इस्तेमाल किये जाएं या उनकी शान में कोई गुस्ताखी की जाए तो यह किसी व्यक्ति विशेष का ही नहीं, पूरे देश का अपमान है । इसके लिए तो सारा सदन सहमत होगा और यह बहुत ही अहम मुद्दा है । अध्यक्ष महोदय, आप स्वयं इस बारे में दिलचस्पी लेकर इस सदन की ओर से एक रैजोल्यूशन पास करके केन्द्र सरकार को भेजा जाए । मेरे ख्याल से इस बारे में केन्द्र को भी कोई आपत्ति नहीं होगी ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, जो कुछ किताब में लिखा हुआ है, वह हमने देखा तक नहीं है । अगर कोई भी ऐसी बात है तो यह बहुत ही निन्दनीय बात है । लेकिन हमें यह देखना है कि भारत सरकार इस पर क्या विचार कर रही है। इस बारे में हम आज ही भारत सरकार से पूछ लेंगे । अगर हमें कुछ करना भी है तो वह हमें भारत सरकार से पूछ कर ही करना चाहिए क्योंकि यह दूसरे देश का मामला है । भारत सरकार से बात करने के बाद जब भी अगला सैशन

आएगा तो उसमें यह प्रस्ताव भी पास कर सकते हैं। चाहे कोई भी धर्म हो, अगर कोई उसके बारे में ऐसी कोई आपत्तिजनक बात कहे, तो ठीक नहीं है।

डा० राम प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, अगर हम यहां पर आवाज पैदा करेंगे, तमाम भारत एकमत होकर प्रस्ताव पास करेगा तो इसका प्रभाव पड़ेगा। प्रायः हरेक संस्था ने, चाहे वह किसी भी धर्म की क्यों न हो, इसका विरोध किया है।

श्री अध्यक्ष : राम प्रकाश जी, मेरे विचार में अभी किसी ने भी वह किताब नहीं पढ़ी है, सिर्फ आपने अखबारों में ही पढ़ा है। हमें यह देखना है कि गवर्नमैंट इस बारे में क्या सोच रही है और मुख्यमंत्री जी ने जो सुझाव दिया है, वह ठीक है। इस बारे में सैन्ट्रल गवर्नमैंट से बात करके ही कुछ हो सकता है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, आपने और लीडर आफ दी हाऊस ने जो बात कही है, इस बारे में आपको जो भी करना है, वह रैजोल्यूशन पढ़कर करें या भारत सरकार से बातचीत करके करें, लेकिन मेरा सुझाव है कि अगर यह सत्य है तो इस हाऊस के विचार आज ही भारत सरकार को जाने चाहिएं।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, प्रस्ताव कंडीशनल नहीं होते, इस बारे में बहुत कुछ देखकर करना पड़ता है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में प्रस्ताव पास होना चाहिए और भारत सरकार पाकिस्तान सरकार से पूछे जिन्होंने हमारे गुरुओं की निन्दा की है। स्पीकर सर, वह बिल्कुल इतिहास को तरमीम करके ऐसी बातें कही गयी हैं जबकि पाकिस्तान और हिन्दुस्तान का इतिहास अलग-अलग नहीं है, दोनों का इतिहास एक ही है।

श्री अध्यक्ष : बीरेन्द्र सिंह जी, पूरी बात हो चुकी है और सभी इस बात से सहमत भी हैं कि जैसा चीफ मिनिस्टर साहब ने कहा है, वह ठीक है। इसलिए अब आप बैठिये।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, किस बात से सहमत हैं ?

श्री अध्यक्ष : जो आपका विचार है, वही बाकी सबका विचार है। इसके बारे में पहले सैंट्रल गवर्नमैंट से बातचीत कर ली जाये, फिर कार्यवाही की जाए तो अच्छा रहेगा।

डा० राम प्रकाश : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सर, यह बात कही जा रही है कि पहले सैंट्रल गवर्नमैंट से पूछकर फिर प्रस्ताव पास किया जाए लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा कि अगर ऐसा किया गया तो फिर यह पाकिस्तान संसार

[डा0 राम प्रकाश]

को यह कहेगा कि केन्द्रीय सरकार ही ऐसे रैजोल्यूशन पास करने के लिए तैयार कर रही है जनता की अपनी प्रतिक्रिया नहीं है । क्या इस तरह की छाप सबके सामने नहीं आएगी ? क्या यह हाऊस इस तरह का एक रैजोल्यूशन पास करने में भी स्वतंत्र नहीं है ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : ऐसा है, बजाय इसके कि इस पर पहले कोई कार्यवाही की जाए, सबसे पहले सारे फैक्ट्स वैरीफाई करने ही पड़ेंगे । (विघ्न)

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ग्राफ आर्डर है ।

श्री अध्यक्ष : चन्द्रावती जी, अभी आप बैठिये ।

स्थगन प्रस्ताव—

Mr. Speaker : Now, the Hon'ble Members, I have received an Adjournment Motion from Shri Om Parkash Chautala and 11 other members regarding signing of GATT agreement by the Central Government. As the subject matter relates to entry enumerated in the Union List at Serial No. 14 i.e. Entering into treaties and agreements with foreign countries and implementing of treaties, agreements and conventions with foreign countries, hence the subject matter of the motion does not fall within the responsibility of the State Government. Therefore, on this account, the motion is ruled out.

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर सर, कल जो हमने अपना स्थगन प्रस्ताव दिया था उसके बारे में आपने अपनी रूलिंग दे दी है । आपने कहा है कि यह मामला यूनियन लिस्ट में है और यूनियन लिस्ट में होने की वजह से ही आपने यह रूलिंग दी है । स्पीकर साहब, हम यह नहीं कह रहे हैं कि हम आपकी रूलिंग को रिजैक्ट करते हैं । सर, हम आपके फैसले को रिजैक्ट नहीं कर रहे हैं बल्कि यह कह रहे हैं कि एक रैजोल्यूशन इस हाऊस की तरफ से भेजा जाए । इसकी कोई टाईम लिमिट नहीं है, पहले भी इस तरह के सुजैशंज स्टेट्स की तरफ से जाते रहे हैं । अगर हमारी तरफ से भी कोई ऐसा रैजोल्यूशन चला जाए तो इस पर सरकार को कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए, इसलिए इसको कैंसिल भी नहीं करना चाहिए । सर, हम आपके फैसले को रिजैक्ट नहीं कर रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : ऐसा है आपने अपना कल जो प्रस्ताव दिया था, मैंने उसके बारे में बता दिया है ।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव—

सब्जियों तथा फलदार पौधों की सिंचाई के लिए इस्तेमाल किए जा रहे सीवरेज के पानी सम्बन्धी

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a notice of calling attention motion No. 8 given notice of by Shri Amir Chand Makkar, M.L.A. regarding sewerage water being used for irrigation of vegetables and fruit plants. I admit it. Shri Amir Chand Makkar may read his notice and the concerned Minister may make the statement thereafter.

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : अध्यक्ष महोदय, मैं इस महान सदन का ध्यान एक अत्यावश्यक लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूं कि लगभग 7-8 वर्ष पूर्व भारत सरकार द्वारा यह निर्देश दिए गए थे कि सीवरेज का गन्दा पानी सब्जियां व फलों वाले पौधों के लिए प्रयोग में न लाया जाए क्योंकि इससे कैंसर जैसी भयंकर बीमारियां फैलती हैं। परन्तु अभी तक कई शहरों में इस पानी को सब्जियां पैदा करने व फलों वाले पौधों के लिए प्रयोग में लाया जा रहा है। यह बहुत गम्भीर मामला है। भारत सरकार द्वारा यह भी निर्देश दिए गए थे कि जो भी व्यक्ति इन निर्देशों का उल्लंघन करेगा उसे दण्डित किया जाएगा। परन्तु इन निर्देशों का सख्ती से पालन नहीं किया जा रहा है। इसलिए इन निर्देशों के पालन के लिए सभी नगर-पालिकाओं को तुरन्त निर्देश दिए जाएं तथा सीवरेज के इस गन्दे पानी का सब्जियां पैदा करने व फलों वाले पौधों के लिए प्रयोग करने पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया जाए। इस पानी को साफ करने के लिए नगरपालिकाओं को ट्रीटमैंट प्लांट लगाने के लिए निर्देश दिए जाएं। गन्दा पानी केवल उन्हीं पेड़ों/पौधों के लिए प्रयोग में लाया जाए जो कि फलदार तथा सब्जियां देने वाले नहीं हैं।

अतः मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि वह इस मामले में की गई कार्यवाही या की जाने वाली कार्यवाही के संबंध में सदन में एक वक्तव्य दे।

वक्तव्य—

जन स्वास्थ्य मन्त्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण सूचना सम्बन्धी

Mr. Speaker : Now I will request the Public Health Minister to make his statement.

P.W.D. Public Health Minister (Sh. Ram Pal Singh Kanwar) : Sir, out of 80 towns, at present, only 40 towns have the sewerage system which is in operation, where as in the remaining towns, the waste water from the houses is drained through

11.00 a.m.

[Sh. Ram Pal Singh Kanwar]

open drains. Even though the execution of various development programmes in the municipal area is the responsibility of the respective municipality, the Govt. on observing that the condition of water supply and sewerage services was becoming bad, decided to take over the maintenance of water supply and sewerage system in the towns w.e.f. 2-4-1993. Consequently, the Public Health Engineering Department has been entrusted with this work to be executed at the cost and on behalf of respective municipalities.

In the State of Haryana, at present there is no town, where sewerage treatment facility has been provided. However under the Yamuna Action Plan, with the assistance of the Government of India and a soft loan from the Government of Japan, six towns namely Yamuna Nagar-Jagadhri, Karnal, Panipat, Sonepat, Faridabad and Gurgaon will be extensively covered and the sewerage will be treated upto the desired norms. This project is likely to cost about Rs. 133 crores. For covering the remaining 74 towns, the amount required for providing sewerage treatment plants will be very high and the question of arranging finances for this work is very much engaging the attention of the Government.

The Sewerage, at present, is being discharged either into the natural drains or in certain areas where enough agricultural land is under command, it is being used for irrigation purposes. Till this year, the auction of sullage from most of the towns has been done by the respective municipalities and the municipal committees have been making an effort to ensure that the Sewerage water is not used for growing fruit and vegetables. But in many cases, it has been observed that there has been a violation of the terms and conditions of auction and the Government is concerned about the same. This issue was taken up in the meeting of the State Environment Protection Council, Haryana on 28th July, 1993 under the Chairmanship of His Excellency Shri Dhanik Lal Mandal, Governor of Haryana. The council approved that a ban should be imposed on use of sullage water for growing vegetables and accordingly, all the municipalities were directed to implement these instructions. They were advised to permit growing of cereal crops or cotton, Sugarcane etc. The instructions have been circulated to the concerned departments by Environment Department on 7th September, 1993 and the officers of the Public Health Engineering Department as well the municipalities are making sincere efforts for its implementation.

In the next financial year, when the sullage water is auctioned for use for irrigation, the agreement will have a dominant clause strictly prohibiting the use of sewerage for growing vegetables and any consumer violating these orders will be dealt with under the Law.

I share the concern of Shri Amir Chand Makkar, Member, Vidhan Sabha on this issue and assure the House and the Members that Government is aware of this problem and will make fullest efforts to implement the decision of the State Environment Protection Council, Haryana, in imposing a ban on use of sewerage water for growth of vegetables and fruits.

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : स्पीकर सर, जैसाकि अभी मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि करनाल यमुनानगर इत्यादि 5-6 नगरों में इन स्कीमों को चालू किया जा रहा है । इन्होंने यह भी बताया है कि कुछ नगरपालिकाएं हरियाणा में ऐसी हैं जो फल व सब्जियों की फसल में गंदे पानी का इस्तेमाल कर रही हैं, उन नगरपालिकाओं का नाम मंत्री महोदय ने नहीं बताया है । सब्जियों में गंदे पानी के इस्तेमाल की वजह से आज कैंसर जैसी बीमारियां आम हो गई हैं, हर खाने वाली चीज में इसके कीटाणु प्रवेश कर जाते हैं, यहां तक कि दूध देने वाले पशु को भी ये सब्जियां खिला दी जाएं तो उसके दूध में प्रवेश कर जाते हैं ।

श्री अध्यक्ष : आप सप्लीमैंटरी पूछिए ।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : स्पीकर सर, मंत्री जी ने जिन छः नगरपालिकाओं के नाम बताए हैं, उनको छोड़कर बाकी सारी नगरपालिकाएं ऐसे पानी का इस्तेमाल कर रही हैं । उन नगरपालिकाओं के नाम क्या हैं तथा कब तक गंदे पानी का प्रयोग रोक पाएंगे, यह बताने की कृपा करें ? फाइनैंशियल दिक्कत तो आपने बताई है, लेकिन लोगों की सेहत का ध्यान रखना भी जरूरी है ।

श्री राम पाल सिंह कंवर : अध्यक्ष महोदय, यह काम सीवरेज और अर्बन वाटर सप्लाई का हमें थोड़ा समय पहले ही सौंपा गया है । फिर भी इन्होंने यह पूछा है कि कितनी म्युनिस्पिल कमेटीज ने इस गंदे पानी को आक्शन करके बेचा है । तो मैं इनको इस बारे में बताना चाहता हूं कि रोहतक म्युनिस्पिल कमेटी की अपनी जमीन है और उसको पानी देने के लिये म्युनिस्पिल कमेटी ने इस पानी को आक्शन किया हुआ है ताकि उस जमीन पर खेती की जा सके । इसी तरह से हांसी म्युनिस्पिल कमेटी ने भी खेती के लिये इस पानी को आक्शन किया हुआ है। भिवानी म्युनिस्पिल कमेटी की भी अपनी जमीन है और उसने भी अपनी जमीन पर खेती करने के लिये इस पानी को आक्शन किया हुआ है । पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट ने, सिर्फ एक छछरौली म्युनिस्पिल कमेटी ऐसी है, जिसको आक्शन किया है । इसके अलावा नारनौल की म्युनिस्पिल कमेटी ने भी इस पानी को आक्शन किया हुआ है । इसके अलावा मेरे साथी ने दूसरा सवाल यह किया है कि पिछले 6-7-8 सालों से ऐसा क्यों किया जा रहा है । मैं आनरेबल मैम्बर की इन्फर्मेशन के लिये यह बता दूं कि एक मिलि-लीटर पानी को ट्रीट करने के लिये 15 लाख रुपया खर्च आता है । इतना धन हमारे पास इस वक्त नहीं है कि हम सारी की सारी म्युनिस्पिल कमेटी के लिये ट्रीटमैंट प्लांट्स लगा सकें । जैसे कि मैंने पहले भी इनको आश्वासन दिया है, अब भी मैं इनको यह आश्वासन दूंगा कि यह काम चूंकि अब हमारे पास आ गया है इसलिये जब हम आईन्दा साल के लिये आक्शन करेंगे तो गवर्नर साहब ने जो फैसला किया है, उसको हम एग्रीमैंट में डाल कर उसको इम्पलीमैंट करेंगे ताकि आईन्दा के लिये यह पानी फूड्स और वैजीटेबल्ज पैदा करने के लिये इस्तेमाल न किया जाये ।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने यह नहीं बताया है कि कितनी नगरपालिकाएं इस पानी को अपनी जमीन में वैजीटेबल्ज और फ्रूट्स लगाने के लिये इस्तेमाल कर रही हैं और कितनी फारस्ट्स के लिये इस्तेमाल कर रही हैं ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : यह पानी किसी भी म्युनिस्पिल कमेटी ने सफेदे के लिये इस्तेमाल करने के लिये नहीं दिया है लेकिन इस पानी से लोग वैजीटेबल्ज और फ्रूट्स न उगायें, बल्कि इससे चारा उगायें, काटन की खेती करें, गेहूं की खेती करें या ऐसी किसी चीज की खेती करें जो नुक्सानदेह साबित न हो, ऐसा हम कोशिश करते रहे हैं । जैसे मैंने कहा है, 31 मार्च के बाद जब पिछला आक्शन पीरियड खत्म हो जायेगा, तब हम जो अगला आक्शन करेंगे, उस समय एग्रीमैंट में यह जरूर डालेंगे कि इस पानी का इस्तेमाल फ्रूट्स और वैजीटेबल्ज की खेती के लिये न करें ।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, सब्जियां गन्दे पानी में नहीं उगायी जानी चाहियें, ऐसा करना बहुत ज्यादा नुक्सानदेह है । इस बारे में मंत्री जी बतायें उन्होंने क्या स्टैप्स लिये हैं ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : स्पीकर साहब, म्युनिस्पिल कमेटी की जमीन में गन्दा पानी देने के लिये आक्शन अभी नहीं हुई है, यह तो पहले की हुई है । मैंने अभी यह अश्योर किया है कि आईन्दा हम जो एग्रीमैंट करेंगे, उसमें यह चीज डालने जा रहे हैं कि यह पानी सब्जियों-फलों के लिए प्रयोग न करें । जो व्यक्ति इसकी वायलेशन करेगा और इससे फ्रूट्स और वैजीटेबल्ज उगायेगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही करेंगे और उसका एग्रीमैंट कैंसिल किया जायेगा ।

वर्ष 1994-95 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now general discussion on the Budget estimates for the year 1994-95 will be resumed. Shri Amir Chand Makkar was on his legs when it adjourned. He may resume his speech.

श्री अमीर चन्द मक्कड़ (हांसी) : स्पीकर साहब, हमारे वित्त मंत्री गुप्ता जी ने इस हाउस में जो बजट पेश किया है, मैं उसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं । आज प्रदेश के अन्दर विकास कार्य हो रहे हैं । ग्रामीण विकास कार्य चल रहे हैं । जब से यह सरकार बनी है, तभी से चारों तरफ विकास के काम चल रहे हैं । गांव में जहां दूसरे विकास के काम हुए हैं, वहां गांवों में स्कूल और अस्पताल भी खुले हैं, और खालें भी बनाई गयी हैं । कहने का मतलब यह है कि ग्रामीण भाईयों की भलाई के लिये जितने काम हुए हैं, उनसे ग्रामीण इलाके के लोगों को काम भी

मिले हैं और उनका भला भी हुआ है । ऐसे काम इस सरकार ने शुरू किये हैं, मुझे यह कहने में कोई दिक्कत नहीं है । ये भाई बड़ा शोर करते हैं । स्पीकर साहब, मेरे हल्के में बांडाहेड़ी एक गांव है । वहां पर साबिक चीफ मिनिस्टर के बहुत रिश्तेदार रहते हैं । वहां पर गांव वालों ने 26 कमरे स्कूल के लिए बनाकर दिए जिससे कि वहां पर स्कूल खुल सके । वे दो बार तो चौधरी देवी लाल को स्कूल मन्जूर कराने का ऐलान करने के लिए ले गए और एक बार चौधरी ओम प्रकाश चौटाला को ले गए । तीनों बार वहां के लोगों ने लड्डू बांट दिए कि स्कूल मन्जूर हो गया लेकिन हालत यह थी कि वहां पर एक क्लास का भी स्कूल मन्जूर नहीं हुआ । उसके बाद वहां के लोगों ने मुझे अपना नुमाइन्दा चुना । गांव वालों ने मुझे स्कूल के बारे में बताया तो मैं वहां से श्रीमती शान्ति राठी को ले गया वे हमारी शिक्षा मन्त्री थीं । इन्होंने वहां स्कूल मन्जूर होने का एलान किया और कहा कि एक हफ्ते के अन्दर मास्टर इस स्कूल में आ जाएंगे और इन्होंने वास्तव में ही एक हफ्ते में मास्टर वहां पर भिजवा दिए । वहां के लोगों को हैरानी हुई कि लोग यहां दावा करते थे कि चीफ मिनिस्टर उनके रिश्तेदार हैं लेकिन उन्होंने वहां पर एक स्कूल भी मन्जूर नहीं किया । स्पीकर साहब, आज वह स्कूल बहुत अच्छी तरह से चल रहा है । स्पीकर साहब, आज हालत यह है कि हर गांव में विकास के कार्य हो रहे हैं । उसी गांव बांडाहेड़ी में एक-एक फुट पानी खड़ा रहता था । मैंने जब यह हालत देखी तो गांव वालों को कहा कि क्या पिछले चार साल में कोई सरकार नहीं थी जो विकास कार्य करती । आज हालत यह है कि जो विकास के कार्य अधूरे रह गए थे, इस सरकार ने वे सारे विकास कार्य पूरे किए हैं । वहां पर एक शीसर हाजमपुर गांव है जिसमें विकास कार्य अधूरे रह गए थे लेकिन इस सरकार ने आते ही सारे अधूरे काम पूरे किए । इसी तरह से कोठी मंगल खां और उमरा गांव हैं वहां पर काफी विकास कार्य किए गए हैं । अध्यक्ष महोदय, बजट में बताया गया है कि सिंचाई के क्षेत्र में खालों को पक्का करके पानी की बचत की जा रही है । रजवाहों को पक्का करके भी पानी बचाया जा रहा है । मेरी सरकार से प्रार्थना है कि अलखपुरा माइनर है, उसको चालू किया जाए । स्पीकर साहब अलखपुरा माइनर पर केवल दो लाख रुपया खर्च करके टेल पर पानी पहुंच सकता है । वहां पर एक डिपैल माइनर है, इसकी टेल को आगे बढ़ाया जाए । हमारे भाई बड़ा शोर करते हैं कि पानी देने में इंसाफ नहीं किया जा रहा है । स्पीकर साहब, जब पानी देने का प्रावधान किया गया था तो उस वक्त उन इलाकों के भाईयों ने ही पानी का प्रावधान किया था लेकिन आज वही लोग शोर मचा रहे हैं कि पानी का बंटवारा एकसा नहीं किया जा रहा है । यह बात ठीक है कि हांसी भी पानी से प्रभावित है और एस0 वाई0 एल0 के बनने के बाद ही हमारे इलाके में पानी आ पाएगा लेकिन शोर मचाने से तो कोई फायदा नहीं है । स्पीकर साहब, यहां पर बिजली के बारे में भी काफी शोर मचाया जा रहा है कि बिजली की कमी है । स्पीकर साहब, हमारी कमेटी भाखड़ा गई थी । हमारी कमेटी ने वहां सारा इंस्पैक्शन किया था । हमने देखा कि भाखड़ा में पानी का लैवल काफी

[श्री अमीर चन्द मक्कड़]

नीचे चला गया है और वहां पर केवल दो मशीनें ही काम कर रही थीं। अध्यक्ष महोदय, अखबारों में भी यह छपा कि हरियाणा में बिजली की इतनी कमी है कि हरियाणा अन्धेरे में डूब जाएगा। लेकिन हमारी सरकार ने कोशिश करके जहां से भी बिजली मिल सकती थी, मंहगे भाव पर बिजली खरीदी और आज हालत यह है कि किसानों को ज्यादा से ज्यादा बिजली यह सरकार दे रही है। **(इस समय सभापतिसें की सूची के एक सदस्य श्री वीरेन्द्र सिंह पदासीन हुए।)** यह बहुत अच्छी बात है। चेयरमैन साहब, जहां तक कानून एवं व्यवस्था की बात है, मैं यह कहना चाहता हूं कि जब से यह सरकार बनी है, हरियाणा के अन्दर पूरी तरह से अमन है। न किसी प्लाट पर कब्जा, न किसी की दुकान पर कब्जा, कहीं भी कोई कब्जा नहीं है। अभी जैसे मदान साहब और सम्पत सिंह जी आपस में प्लाट के सौदे में उलझ रहे थे तो ऐसा लग रहा था जैसे यह विधानसभा न होकर, किसी प्लाट के सौदे की दुकान हो। चेयरमैन साहब, मैं एक बात चौधरी सम्पत सिंह जी को, जो अपोजीशन के नेता हैं, कहना चाहूंगा कि इनके एक पब्लिक जलसे में चौटाला साहब बोल रहे थे कि भजन लाल सरकार ने फलां कब्जा कर लिया। मैं तो यह कहूंगा कि सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के असूलों से और खुशबू कभी आ नहीं सकती कागज के फूलों से। (शोर)

श्री राम कुमार कटवाल : चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सर, मक्कड़ साहब चौटाला साहब के बारे में क्या कह रहे हैं ? ये सदन में जिस तरह की बातें करते हैं, यह इनको शोभा नहीं देती। मेरे दिल्लू वाले गांव का लड़का * * * * * * (शोर)

श्री सभापति : कटवाल साहब, बैठिये। यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। यह एक्सपन्ज कर दें।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : चेयरमैन साहब, तो ये पब्लिक जलसे में बोल रहे थे कि एक किसान ने खड़े होकर यह कहा था कि चौटाला साहब, आपकी नजरों से कोई प्लाट बचा हुआ है क्या ? सभी पर आपने कब्जा कर रखा है, आपने कोई प्लाट छोड़ा ही नहीं है। (शोर) और आप दूसरों की बातें करते हो (शोर) यह चेयरमैन साहब, झूठ नहीं है। एक नौजवान ने इनसे पूछा भी था तो इसका इनके पास कोई जवाब नहीं था।

चौधरी ओम प्रकाश बेरी : चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि इस समय बजट पर जनरल डिस्कशन हो रही है और मैम्बर साहेबान आपस में आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। ऐसा नहीं होना चाहिये बल्कि सही इशू पर ही बहस होनी चाहियें क्योंकि आज सारे हरियाणा की जनता की नजरें इस हाउस पर लगी हुई हैं। ये लोग अगर इस तरह की बातें करेंगे तो हाउस का कीमती समय बरबाद होगा। मेरा कहना यह है कि आपस में आरोप-प्रत्यारोप नहीं लगाये जाने चाहियें।

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

श्री सभापति : बिल्कुल ठीक बात आपने कही है । करैक्टर असैसीनेशन से जितना बचा जाए उतना ही अच्छा है । हाउस में केवल बजट पर ही बोला जाए, यह अच्छी बात है, जो बेरी साहब ने कहा, बिल्कुल सही है । मांगे राम जी ने बड़ी मेहनत के साथ यह बजट बनाया है और मैम्बर साहेबान कंस्ट्रक्टिव बहस न करके दूसरी बातें कर रहे हैं ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : चेयरमैन साहब, मेरा भी प्वायंट आफ आर्डर है। मैं यह बात इसलिये आपके नोटिस में ला रहा हूं कि जो बात माननीय सदस्य ने कही है, उस क्षेत्र से आप भी और ये स्वयं भी सम्बन्धित हैं । मुझे यह नहीं समझ में आया कि ये कहना क्या चाहते हैं लेकिन मुख्यमंत्री जहां भी जाते हैं, वह एक सरकारी दौरा ही माना जाता है, बाकायदा दौरे का प्रोग्राम रिकार्ड में होता है । सदस्य भी जानते हैं और आपको भी पता होगा कि ओम प्रकाश मुख्यमन्त्री के तौर पर कभी बांडाहेड़ी गये भी हैं या नहीं । यह पता नहीं चल रहा कि क्या ये बजट की सराहना कर रहे हैं या फिर सरकार को खुश करके कुछ हासिल करना चाहते हैं या फिर मेरे खिलाफ इलजाम लगाने की उनकी सोच है ? इलजाम लगाने से पहले कम से कम इनको यह सोच कर चलना चाहिये कि किसी के खिलाफ अगर कोई अनर्गल बात कही जाएगी तो वह अच्छा नहीं होगा और उसके परिणाम भी अच्छे नहीं होंगे ।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : चेयरमैन साहब, चौटाला साहब, धमकी दे रहे हैं । चौटाला साहब की जब सरकार थी तो इन्होंने दो चार मुकदमे मेरे और मेरे बेटों के खिलाफ बनाकर के देख लिया । इसलिये धमकी देने की कोई जरूरत नहीं है । (शोर) चौटाला साहब जो परिणाम होंगे, वह तो हम भुगतेंगे ही । (शोर)

श्री सभापति : मक्कड़ साहब, आप इन बातों पर न जाकर, केवल बजट पर ही बोलें ।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : ठीक है, चेयरमैन साहब, मैं अब पशुधन के बारे में अपने विचार रखना चाहता हूं जिसका प्रावधान बजट में किया गया है । मैं समझता हूं कि सरकार ऐसा करके बहुत अच्छा कर रही है । मैं तो यहां तक कहूंगा कि इस हरियाणा सरकार के कारण ही आज हरियाणा के लोग सारे भारत से अच्छा और सुथरा दूध पीते हैं । 600 ग्राम दूध आज हरियाणा के अन्दर हर व्यक्ति को मिलता है। यह इसलिये कि सरकार पशुओं की देखरेख बड़े अच्छे तरीके से कर रही है । पशुओं के रखरखाव के लिये हर बड़े गांव में हस्पताल और डिसपैंसरियां खोलने का सरकार प्रावधान कर रही है और कई खोली भी हैं ।

इसी तरह से शिक्षा के बारे में मैं सरकार से मांग करूंगा । जैसे शिक्षा के विस्तार के लिए उन्होंने लड़कियों की तकनीकी शिक्षा तथा बी०ए० लैवल की शिक्षा

[श्री अमीर चन्द मक्कड़]

फ़ी की है, यह एक बहुत अच्छा काम किया गया है । लेकिन आज जिस हिसाब से हरियाणा में जन संख्या बढ़ रही है, उसी लिहाज से शिक्षा पर पैसा खर्च किया जाए । मेरा निवेदन है कि मेरे हल्के में कालिजों में एम0 ए0 की कुछ क्लासें शुरू की जाएं ताकि हमारे बच्चों को हांसी से हिसार और भिवानी में पढ़ने के लिए न जाना पड़े । मेरे हल्के में उमरा गांव में लड़कियों का एक मिडल स्कूल है । उसकी पिछली सरकार के समय में हमने कालेज जैसी बिल्डिंग बना दी थी । मेरा निवेदन है कि उस स्कूल को मिडल से हाई किया जाए । इसी तरह से सिलवा गांव के हाई स्कूल को दस जमा दो बना दिया जाए । इसी तरह से मेरे हल्के के कुछ स्कूल प्राइमरी से मिडल किए जाएं । जैसे बांडाहेड़ी और खरबला का है, इसी तरह से मेरे हल्के ठठरे में एक बहुत पुराना हाई स्कूल है, उसको भी दस जमा दो किया जाए ताकि बच्चों को पढ़ने के लिए ज्यादा दूर न जाना पड़े ।

पीने के पानी के बारे में सरकार की मन्शा है कि हर व्यक्ति को पीने के लिए पानी पूरी मात्रा में मिले । हमारी सरकार ने कई जगहों पर 110 लिटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन पानी देने का आश्वासन दिया है । मैं समझता हूं कि आज गांव के लोगों के लिए पीने के पानी की कमी है । जन संख्या बढ़ गई है और दो-दो तीन-तीन गांवों को एक ही स्कीम से पानी दिया जा रहा है । मेरे हल्के के गांव सुल्तान पुर ढाणी में पानी की कमी है । वहां पर 5-6 ढाणियों को एक ही वाटर वर्कस से पानी दिया जा रहा है । अगर वहां पर दूसरा वाटर वर्कस नहीं बनाया जा सकता है तो बूस्टिंग सिस्टम से उनको पानी दिया जाए । इसी तरह से गढ़ी में भी पानी की दिक्कत है । इसी तरह से शहर में भी पानी की काफी दिक्कत है । मैं समझता हूं कि इस दिक्कत को दूर करने के लिए एक नए वाटर वर्कस की जरूरत है । अभी पीछे हमारे मुख्य मन्त्री जी प्रेम नगर गए थे । वहां के लोगों ने इनसे बात की थी कि वहां पर मीठा पानी नहीं है । मैं चाहता हूं कि उसको भी वाटर वर्कस की स्कीम के साथ जोड़ा जाए । इसके अलावा शहरों में जो हरिजन बस्तियां हैं, उनको भी पीने का पानी देने के लिए कोई सिस्टम बनाया जाए ताकि पीने के पानी की कमी को दूर किया जाए । इसके साथ-साथ सीवरेज की बात यहां पर कई बार चलती है । मैं समझता हूं कि जब से यह काम पब्लिक हैल्थ के पास आया है, तब से सारे शहरों में इस बारे में काफी शिकायत है । मैं हरियाणा सरकार से प्रार्थना करूंगा कि इस महकमे के अफसरान को अच्छी तरह से समझा दें ताकि वे अफसरान लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ न करें । मेरे हांसी शहर में सीवरेज सिस्टम बहुत ही खराब हालत में है । हमारे सी0एम0 साहब ने कुछ अफसरान को यहां से भेजा है और वे 7-8 दिन से काम करवा रहे हैं । जब सीवरेज सिस्टम के बारे में शिकायत की गई, तब जा कर यहां से अफसरान को भेजा गया है । हमारे सी0एम0 साहब ने इस महकमे के अफसरान को धमकाया, उसके बाद वे काम पर लगे हैं । यदि

किसी भी शहर का सीवरेज सिस्टम खराब हो जाता है तो बीमारी फैलती है। सरकार से प्रार्थना है कि हांसी शहर के सीवरेज सिस्टम को जल्दी से जल्दी ठीक कराएं ताकि लोगों की सेहत खराब न हो।

श्री सभापति : मक्कड़ साहब, आप वाईंड अप करें।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : चेयरमैन साहब, सरकार की तरफ से पढ़े लिखे ग्रामीण नौजवानों को रोजगार देने की स्कीम है। आज हरियाणा प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या बहुत भयंकर है। हमारे प्रदेश के पढ़े लिखे नौजवान नौकरी की तलाश में सड़कों पर फिर रहे हैं। इस बारे में मैं सरकार को एक सुझाव दूंगा कि बच्चों को शुरू से ही तकनीकी शिक्षा दी जाए ताकि बच्चे मैट्रिक पास करने के बाद अपनी कोई इंडस्ट्री लगाएं या कोई और कारोबार करें। उसके लिए सरकार निश्चित तौर पर उनकी सहायता भी करे कि जो बेरोजगार बच्चा अपनी कोई इंडस्ट्री लगाए या कोई और कारोबार करे, सबसे पहले उसका माल बिकेगा, बजाय इसके कि वह नौजवान अपना माल कम्पीटीशन में बेचे, उसका माल सबसे पहले बिके। आज सभी पढ़े लिखे नौजवानों को नौकरी देने का प्रावधान नहीं किया जा सकता। हरियाणा एक छोटा सा प्रान्त है, सभी पढ़े लिखे नौजवानों को नौकरी नहीं दी जा सकती। जब तक बच्चों को शुरू से ही तकनीकी शिक्षा दे कर अपना रोजगार कमाने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा, तब तक बेरोजगारी की समस्या बढ़ती ही जाएगी, घटेगी नहीं। बच्चों को स्कूलों में एक दूनी दो, दो दूनी चार पढ़ाने की बजाय, शुरू से ही तकनीकी शिक्षा देने की तरफ ध्यान दिया जाए ताकि बच्चे अपना रोजगार कमाने के लिए अपने पांवों पर खड़े हो सकें।

श्री सभापति : मक्कड़ साहब आप वाईंड अप करें। मेरे पास 4-5 मैम्बर्ज के नाम और भी हैं जिन्होंने बोलना है। हमारे वित्तमंत्री जी 12.30 बजे जवाब भी देंगे।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : चेयरमैन साहब, मैं एक दो मिनट में अपनी बात समाप्त करता हूं। सड़कों के बारे में बताया गया है कि सरकार 400 किलोमीटर लम्बी सड़कें बनाएगी। इस सरकार के बनने से पहले हरियाणा में सड़कों की बहुत बुरी हालत थी लेकिन इस सरकार के बनने के बाद हरियाणा प्रदेश में सड़कों की रिपेयर बहुत अच्छी तरह से की गई है। चेयरमन साहब, जैसे बताया गया है कि हरियाणा प्रदेश के हर गांव को सड़क से जोड़ दिया गया है। मैं एक बात कहना चाहूंगा कि कुछ ऐसे गांव हैं जिनको सीधा सड़क से जोड़ने पर गांवों की आपस की दूरी बहुत कम हो जाएगी। मेरे हल्के में खरकड़ा गांव से अनाज मंडी, हांसी तक 5 किलोमीटर लम्बी सड़क बननी है, जिसमें से वह सड़क 3 किलोमीटर बन चुकी है, केवल दो किलोमीटर का टुकड़ा रहता है, उसको जल्दी से जल्दी बनाया जाए ताकि

[श्री अमीर चन्द मक्कड़]

उस गांव के लोगों को कोई दिक्कत न हो। इसी तरह से एक सड़क सुल्तानपुर से दमाना बनाई जाए ताकि उन गांवों के लोगों को कोई दिक्कत न हो। इन शब्दों के साथ चेयरमैन साहब आपका धन्यवाद आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। धन्यवाद।

श्रीमती चन्द्रावती : चेयरमैन साहब, आपका धन्यवाद आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया।

प्रो० राम बिलास शर्मा : चेयरमैन साहब, मुझे भी बोलने के लिए समय दिया जाए।

श्री सभापति : शर्मा जी, कांग्रेस पार्टी की ओर से कोई मैम्बर बोला ही नहीं है।

प्रो० राम बिलास शर्मा : चेयरमैन साहब, बी० जे० पी० बहुत बड़ी पार्टी है इसलिए पहले मुझे बोलने दिया जाए। मेरी तरफ भी ध्यान दिया जाए।

श्री सभापति : आपकी तरफ पूरा ध्यान दिया जाएगा। पहले आप बहन चन्द्रावती को बोलने दें।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारु) : चेयरमैन महोदय, माननीय वित्त मन्त्री जी ने जो बजट रखा है, उसके लिए मैं इन्हें बधाई देती हूं कि 74 8 करोड़ रुपये का घाटा होते हुए भी कोई नया टैक्स अपने बजट में नहीं लगाया। मैं समझती हूं कि डिवैल्पमैंट के काम करने के लिए यह जरूरी था कि कई बार घाटे का बजट होते हुए भी बिना टैक्स लगाए बजट पेश करना पड़ता है, इसलिए यह बहुत बड़ी बात है। अगर टैक्स लगाया जाता तो उसका असर आम आदमी पर पड़ता। इन्होंने टैक्स नहीं लगाया इसलिए मैं पुनः इनको इस बात के लिए बधाई देती हूं।

चेयरमैन महोदय, गवर्नमैंट आफ इण्डिया ने जो 73वां अमैंडमैंट किया है उसके लिए आपने फाईनांस कमीशन तो नियुक्त करने की बात कही है लेकिन उस फाईनांस कमीशन का फण्ड बजट में नहीं रखा, जो कि रखा जाना चाहिए था। मैं समझती हूं कि इस कमीशन के लिए इस बजट में ही कोई प्रावधान रखा जाना चाहिए था।

चेयरमैन महोदय, मैं दूसरी बात आपके माध्यम से कहना चाहती हूं कि नैचुरल कलैमिटीज की वजह से भी कई बार बड़ा भारी नुक्सान हो जाता है। पीछे हमारे इलाकों में दादरी और बाढ़डा के गांव अटेला, सिसोवल और दूसरे कुछ गांवों में पत्थर आने की वजह से जो बांध वहां पर काफी समय से बने हुए थे, उनके रख रखाव न होने के कारण बढ़ के पानी से टूट गए जिसके कारण इन गांवों का काफी नुक्सान हो गया। बांध के टूटने से लोगों की फसलें तबाह हो गई, यहां तक

कि बादल गांव के कुएं भी बाढ़ में बह गए, पता ही नहीं चला कि कुएं कहां गए। इसलिए इस बारे में मेरा सरकार को कहना है कि जिन अधिकारियों को बांध का काम देखना चाहिए था, उन्होंने इस तरफ ध्यान नहीं दिया। परिणामस्वरूप बाढ़ से नुक्सान हो गया। इसलिए मैं चाहती हूं कि जिन अधिकारियों की लापरवाही की वजह से ये बांध टूटे हैं, उनके खिलाफ भी सरकार कार्यवाही करे। जब बरसात का पानी अधिक आ जाता है तो लोगों को बहुत अधिक परेशानी हो जाती है। यह परेशानी इसलिए अधिक होती है कि जो नैचुरल फ्लो पानी का हो नहीं पाता, वह बाढ़ के कारण आगे खड़ा रहता है। जब नैचुरल फ्लो खत्म हो जाता है तो सड़कें टूट जाती हैं, नहरें टूट जाती हैं, इसलिए मैं चाहती हूं कि जहां पर भी ऐसी संभावनाएं हों, वहां पर पानी के बहने का नैचुरल फ्लो का प्रावधान होना चाहिए ताकि नुक्सान न हो, क्योंकि सड़कों व नहरों की वजह से पानी का नैचुरल फ्लो कम हो जाता है।

चेयरमैन महोदय, गांव में उद्योग कुंज बनाने की जो बात सरकार ने की है, इस बारे में मेरा कहना है कि सरकार का यह बहुत अच्छा फैसला है। इसके साथ ही मेरा सरकार से अनुरोध है कि ऐसे उद्योग कुंज हरेक जिले में खोले जाने चाहिएं न कि कुछ जिलों में। हमारे लोहारु, दादरी, बाढड़ा, भिवानी आदि जिलों में भी सरकार को यह व्यवस्था करनी चाहिए क्योंकि जितने छोटे छोटे उद्योग होंगे, उतने ही लोगों को अधिक काम मिलेगा। जहां जहां बड़ी बड़ी इण्डस्ट्रीज हैं, वहां पर बेरोजगारी ज्यादा है। इसलिए मैं चाहती हूं कि छोटी छोटी इण्डस्ट्रीज की तरफ अधिक ध्यान दिया जाये ताकि अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिल सके। जैसे बिहार में या बंगाल में बड़े बड़े उद्योग हैं लेकिन वहां पर ज्यादा गरीबी है बजाये पंजाब और हरियाणा के, क्योंकि यहां पर छोटी छोटी इण्डस्ट्रीज ज्यादा हैं जिस के कारण लोगों को अधिक रोजगार मिल पाता है। इन छोटे उद्योगों में कन्ज्यूमर्ज आईटम्ज भी बड़ी इण्डस्ट्रीज के मुकाबले में सस्ते होते हैं। चौधरी चरण सिंह जी ने जो इकोनोमिक्स पर एक बुक लिखी थी "समाल इज ब्यूटिफुल", वह ठीक लिखी थी। इस पुस्तक को सारे विश्व में सराहा गया था। इसलिए सरकार को अधिक से अधिक छोटे छोटे उद्योग लगाने चाहिएं ताकि अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिल सके।

चेयरमैन महोदय, हमारे इलाके लोहारु में टैक्नीकल एजुकेशन की बहुत भारी कमी है। अगर पर-कैपिटा के हिसाब से देखें तो गवर्नमैंट सर्विस में लोहारु के कम बच्चे जा पाते हैं। मेरे हल्के में स्कूल कम हैं, पोलिटैक्नीक है ही नहीं और एक आई0 टी0 आई0 है जिसमें सिर्फ दर्जी का एक ही ट्रेड है। इसलिए इस आई0 टी0 आई0 में ट्रेड्ज बढ़ाना भी जरूरी है। सभापति महोदय, इसके लिए मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहती हूं कि जो आई0 टी0 आई0 है, उसकी बिल्डिंग ठीक प्रकार से बने, एक पोलिटैक्नीक कालेज भी खुलना चाहिए और इसी

[श्रीमती चन्द्रावती]

प्रकार और स्कूल भी वहां खोले जाएं ताकि बच्चों को शिक्षा अच्छी और ज्यादा मिल सके क्योंकि यह इलाका काफी पिछड़ा हुआ है ।

सभापति महोदय, अब मैं पानी के बारे में कहना चाहती हूं । इरीगेशन के लिए बोरिंग वैल्ज बहुत ही जरूरी है । बोरिंग वैल्ज और एम0 आई0 टी0 सी0 के कन्सर्ड आफिसर्ज तो मिलते ही नहीं, पता नहीं वह कहां बैठते हैं । बोरिंग वैल्ज जब खराब हो जाते हैं तो उनको कोई ठीक करने ही नहीं आता यह बहुत ही जरूरी चीज है । मैंने सुना है कि इस को वाईंड अप करने जा रहे हैं । सभापति जी, मैं सरकार से कहना चाहती हूं और यह बहुत ही जरूरी चीज है कि इसको वाईंड-अप नहीं करना चाहिए । जहां पर मीठा पानी है, वहां पर ये बोरिंग कर के कुएं लगा सकते हैं और जब कुएं खराब हों तो उनको गांव वाले ठीक नहीं कर सकते । इस-लिए इन लोगों के द्वारा कुओं को ठीक करवाने का काम भी करवाया जाना चाहिए ।

सभापति महोदय, अब मैं एग्रीकल्चर के बारे में कहना चाहती हूं । हमारे प्रदेश में एग्रीकल्चर की काफी तरक्की हुई है लेकिन सभापति महोदय, कैमिकल खाद से बहुत नुक्सान हो रहा है । एक सवाल के जवाब में बताया गया था कि कैमिकल खाद से नुक्सान होता है । सभापति महोदय, मैं तो कहती हूं कि कैमिकल खाद बनाने वाले जो कारखाने हैं, उनको बन्द कर देना चाहिए, मैं कैमिकल खाद इस्तेमाल करने के खिलाफ हूं । मेरे चाचा रामपत जी हैं, वह कभी भी अपने खेत में कैमिकल खाद नहीं डालते, बिजलीवास उनका गांव है । गेहूं में आज तक कोई आल नहीं रहता, यह देखना चाहिए कैमिकल खाद की वजह से इतना ज्यादा खरपतवार उगता है, यह क्यों उगता है, क्या कैमिकल खाद में कोई कमी है जिसकी वजह से यह ज्यादा उगता है ? इस खाद में खरपतवार का बीज नहीं मिलाया जाता, इसलिए इस बात की कोई न कोई रिसर्च होनी चाहिए । इस बारे में जो प्रैक्टिकल फार्मर्ज हैं, उनसे मदद लेनी चाहिए या हिसार एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी से इस बात की खोज करवानी चाहिए कि कैमिकल खाद डालने से ज्यादा खरपतवार क्यों पैदा होता है ? जहां कैमिकल खाद नहीं डाली जाती, वहां यह ज्यादा नहीं उगता । जैसे पहले अमरीका से पी0 एल0 480 गेहूं मंगवाया था, उसके साथ ही कांग्रेस घास का बीज भी भारत में आ गया । (विघ्न) खरपतवार को जो चीज बढ़ाती है, उसको देखा जाना चाहिए और विदेशों से जो मंगवाया जाता है, उसको भी देखना बहुत जरूरी है, कहीं कोई दूसरी चीज तो साथ में नहीं आ गई ? यह देखा जाना चाहिए कि पैस्टीसाईडज और विडीसाईडज की वजह से कैंसर ज्यादा होता है । जब एक जानवर मरता है, उससे इन्सान को भी बहुत नुक्सान होता है । सभापति महोदय, मैं तो यहां तक कहूंगी कि पैस्टिसाईड्ज और विडिसाईड्ज सब बन्द कर देने चाहिएं और जो नैचुरल चीजें हैं, उन पर ज्यादा डिपैंड करना चाहिए । परिन्दे ज्यादा कीड़े खाते हैं । गन्ने को जो कीड़ा लगता है, परिन्दे उसको गन्ने के अन्दर से बाहर खींच

लाते हैं। पैस्टिसाईड्ज और विडिसाईड्ज के इस्तेमाल से परिन्दे भी मर जाते हैं जिससे फसल को काफी नुक्सान होता है। परिन्दे कीड़े-मकोड़ों को खा कर फसल की रक्षा करते हैं, फसलों के लिए इससे कोई अच्छी चीज़ नहीं है।

श्री सतबीर सिंह कादयान : सभापति महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

* * * * * * * (विघ्न)

श्री सभापति : कादयान साहब, आपकी बात ठीक टेस्ट की नहीं है इसलिए आप बैठिए। कादयान साहब, ने जो कहा है वह रिकार्ड न किया जाए। (विघ्न)

श्रीमती चन्द्रावती : चेयरमैन साहब, अब मैं फोरैस्ट के बारे में कहना चाहूंगी। चेयरमैन साहब, फोरेस्ट सिर्फ शुद्ध हवा के लिए ही नहीं बल्कि और भी कई काम आते हैं। अगर यमुना और मारकन्डा नदी के दो-दो किलोमीटर तक पेड़ लगा दिए जाएं तो बाढ़ कम आएगी। मैं कीकर और सफेदे को ना-पसन्द करती हूं। यह बात ठीक है कि कीकर की लकड़ी जलाने के काम आती है। चेयरमैन साहब, आज गांव में जिनके पास जमीन नहीं और जो छोटे-छोटे किसान हैं, आज उन्हें बहुत ही मुश्किल से लकड़ी मिलती है और जो मिलती है, वह भी गीली मिलती है। मैं तो यह कहती हूं कि उनके लिए गैस के चूल्हों का इन्तजाम होना चाहिए। अगर यह सबके लिए नहीं हो सकता तो उनके लिए चूल्हे जलाने की लकड़ी होनी चाहिए। आज उनको जहां पर लकड़ी मिलती है, वे गांवों में काट लाते हैं। चेयरमैन साहब, जहां पर खाली जगह है, वहां पेड़ लगाने चाहिएं। इसी तरह से नदियों का पानी इक्ट्ठा करने लिए जोहड़ों को नहीं रखा गया है। चेयरमैन साहब, यह बहुत ही जरूरी है कि कुओं के लिए जोहड़ों में पानी रखना चाहिए ताकि कुओं में पानी आता रहे। आज पशुओं के लिए पीने का पानी नहीं मिलता है। मैं तो यह कहती हूं कि जोहड़ों के लिए दोबारा बजट बनना चाहिए।

चेयरमैन साहब, अब मैं शिक्षा के बारे में एक बात कहना चाहती हूं। आज मेरे हल्के में स्कूलों की बहुत ही कमी है। आज लड़कियों के पढ़ने के लिए लोहारु, बहल और डिगावा में कोई स्कूल नहीं है। सिधड़वा, जो मेरे हल्के में सबसे बड़ा गांव है, वहां पर मुख्यमन्त्री जी अनाऊंस करके आए थे कि वहां हाई स्कूल होना चाहिए। काकरौली और बाढड़ा में लड़कियों के स्कूल की बिल्डिंग तैयार हैं, वहां पर दस जमा दो का स्कूल होना चाहिए। बिसंलवास और आजुवा में प्राईमरी से मिडिल स्कूल होना चाहिए। इसी तरह से मेरे हल्के ओवरे में दस जमा दो का स्कूल होना चाहिए। चेयरमैन साहब, जितने भी हाई स्कूल हैं, उनको 10 जमा दो कर देना चाहिए। यदि ऐसा कर दिया तो यह बहुत ही अच्छा होगा और आज

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्रीमती चन्द्रावती]

बच्चों को शहरों में जाना पड़ता है वहां नहीं जाना पड़ेगा। इसी के साथ बच्चों को बसों में जाने के लिए जो फ्री पास दिए गए हैं, उसको बन्द कर देना चाहिए क्योंकि इससे बच्चे और ज्यादा बिगड़ रहे हैं। उनके लिए स्कूल की ही बस होनी चाहिए। (विघ्न) चेयरमैन सर, इन की पासों से बच्चे बिगड़ते हैं और उनकी पढ़ाई भी ठीक तरह से नहीं होती। इसलिए सरकार को उनके लिए स्पैशल बसिज चलानी चाहिए। (विघ्न) मुझे इसलिए तकलीफ है क्योंकि सारे बच्चे बिगड़ रहे हैं। चेयरमैन साहब, लड़कियों और लड़कों के लिए बोर्डिंग हाउस होने चाहिएं। इसके साथ ही बच्चों को पढ़ने के लिए लाईब्रेरी भी होनी चाहिए और लाईब्रेरी भी एयर कंडीशन्ड होनी चाहिए ताकि बच्चे वहां पर आराम से बैठकर पढ़ सकें। मैंने देखा है कि सर्दियों में बच्चे एक एक कमीज ही पहन कर पढ़ने के लिए आ जाते हैं क्योंकि उनके पास कोट सिलाने के लिए पैसे नहीं होते और न ही वे शर्म की वजह से चद्दर वगैरह ओढ़ कर आते हैं जिसकी वजह से उनको ठंड भी लगती है, इसलिए मेरी सरकार से सिफारिश है कि उनके लिए एयर कंडीशन्ड लाईब्रेरी होनी चाहिए। यह स्कूल और कालेज दोनों में होनी चाहिए।

श्री सभापति : चन्द्रावती जी, अब आप वाइन्ड अप करें।

श्रीमती चन्द्रावती : सर, मैं थोड़ा सा और कहना चाहूंगी। चेयरमैन साहब, हुड्डा इसलिए बना था ...... (विघ्न)

श्री सभापति : यह आपको डिस्टर्ब करने में इसलिए इन्ट्रस्टेड हैं ताकि आपकी कोई अच्छी बात रिकार्ड पर न आ जाए।

श्रीमती चन्द्रावती : चेयरमैन सर, हुड्डा इसलिए बना था कि जो प्राईवेट कालोनाईजर थे, वे किसानों की जमीन ऐक्वायर करते थे और उसको सस्ते दामों पर ले लेते थे। इस चीज को रोकने के लिए हुड्डा का गठन किया गया था लेकिन यह अपने मकसद को पाने में असफल रहा। सरकार इसको ठीक करे। चेयरमैन सर, आज आबादी बहुत बढ़ रही है और गांवों से शहरों की तरफ लोग आ रहे हैं ताकि उनके बच्चे यहां पर ठीक ठाक पढ़ सकें लेकिन शहरों में सीवरेज की कोई सुविधा नहीं होती, चाहे वह रोहतक हो, अम्बाला हो या फिर छोटा शहर दादरी हो। इसलिए मैं सरकार से सिफारिश करूंगी कि वह यहां पर सीवरेज सिस्टम को ठीक करे। पानी खड़ा रहता है जिसकी वजह से गन्दगी होती है और कई बीमारियां फैलती हैं। कई डाक्टरों की दुकानें इसलिए खुल गयी हैं क्योंकि गंदे पानी की वजह से बहुत मच्छर मक्खी पैदा होते हैं। इसलिए मैं चाहती हूं कि सरकार को यह सारा काम करना चाहिए।

डा० राम प्रकाश : चेयरमैन साहब, मुझे भी बोलने का समय मिलना चाहिए। अभी कांग्रेस की तरफ से केवल चन्द्रावती जी ही बोली हैं इसलिए आप यह बताएं कि क्या आज मेरा भी नम्बर बोलने के लिए आएगा ?

Mr. Chairman : Ram Parkash Ji, I assure you, you will get the chance to speak. Chandrawati Ji, you please wind up.

श्रीमती चन्द्रावती : सर, मैं आंगनवाड़ी के बारे में थोड़ा और कहना चाहती हूं। आंगनवाड़ी की जो लड़कियां हैं अगर सरकार उनकी तनख्वाह और बढ़ा दे तो बहुत अच्छा होगा। इसके साथ ही साथ आंगनवाड़ी का सुपरविजन करे, सरकार की तरफ से थोड़ा-सा चैक भी होना चाहिए। क्योंकि जो पैसा आता है या जो चीजें दी जाती हैं, वह कई बार उस काम के लिए इस्तेमाल नहीं होतीं जिसके लिए वह आती हैं। मैंने एक जगह बताया है कि किसी सुपरवाइजर के घर पर खिलौने बिखरे पड़े हैं। आंगनवाड़ी में बच्चों के लिए जो खिलौने आते हैं, वे उन्हें न देकर अपने घर पर ही इस्तेमाल कर लेते हैं। अभी मैंने सुना है कि आंगनवाड़ी में बच्चों को बना बनाया भोजन दिया जाता है, यह बहुत अच्छा काम है। इसके साथ ही साथ मैं यह भी कहना चाहूंगी कि किसी भी डिपार्टमैंट में जो करप्ट अधिकारी हैं, उनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए।

चौधरी ओम प्रकाश बेरी : चेयरमैन साहब, बोलने वालों की लिस्ट में मेरा नाम है या नहीं ? मैं गवर्नर ऐड्रैस पर भी नहीं बोला हूं।

श्री सभापति : बेरी साहब, आपका नाम लिस्ट में है और आपको बोलने का मौका जरूर दिया जाएगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल) : चेयरमैन साहिब, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। वित्त मन्त्री जी ने सदन में जो बजट पेश किया है, मैं उसके विरोध में खड़ा हुआ हूं। चेयरमैन साहिब, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि हरियाणा के लोगों ने 1991 में जब सरकार बनी थी तो इस सरकार से काफी उम्मीदें लगाई थीं, लोगों को ऐसा नजर आ रहा था कि ये सरकार लोगों की भलाई के बारे में सोचेगी लेकिन पिछले दिनों जो बजट पेश हुआ, उसको पढ़कर ऐसा लगता है कि सरकार लोगों की भलाई के बारे में बिल्कुल चिंतित नहीं है। एक तरह से लोगों की भावनाओं का मजाक उड़ाया गया है। मैं मोटे तौर पर कहूंगा कि वित्त मन्त्री जी ने शहरी और ग्रामीण विकास के बारे में जो चर्चा की है, आप भली भांति जानते हैं कि इस देश की 80 प्रतिशत जनता गांवों में बसी हुई है। गांवों में रहने वाले लोगों की सुविधाओं के प्रति यह सरकार अनदेखापन कर रही है। आज आप किसी भी शहर में जाएं, वहां जरूरत से ज्यादा भीड़ होती है। मैं कहता हूं कि अगर सरकार गांव के विकास की तरफ ध्यान दे तो जो लोग शहर

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

की तरफ भाग रहे हैं, उसमें कमी आएगी । ग्रामीण विकास के लिए मात्र 74.97 करोड़ रुपए का प्रावधान इस बजट में किया गया है जो कम है, इसकी राशि बढ़ाई जानी चाहिए । अभी हुड्डा महकमे के बारे में चर्चा चल रही थी । सरकार हुड्डा महकमे पर करोड़ों रुपया खर्च कर रही है । मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि हुड्डा के माध्यम से जो सैक्टर डिवैल्प किए जा रहे हैं, उनमें इस प्रदेश के केवल 30 प्रतिशत लोग प्लाट लेकर मकान बनाते हैं, इनमें 70 प्रतिशत दिल्ली के या दूसरे प्रदेश के और एन0आर0आई0 के हैं । इनके लोग इन सैक्टरों में आकर बसते हैं और हरियाणा सरकार उन पर व्यर्थ पैसा खर्च करती है । हरियाणा सरकार गांवों के विकास की तरफ ध्यान दे तो मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि जो लोग गांवों से निराश होकर शहरों की ओर भाग रहे हैं, उसमें कमी आएगी । इसके अलावा, जो बड़े-बड़े गांव हैं, उनमें शौचालय की बहुत कमी है, इस बारे में बजट में स्पष्ट रुप से कोई प्रावधान नहीं है । गांव की बहन बेटियों को शौचालय के लिए कई-कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है । अगर सरकार गांवों का विकास चाहती है तो बड़े-बड़े गांवों में कुछ जमीन एक्वायर करके सुलभ शौचालय बनाने होंगे और दूसरी अन्य सुविधाएं, जैसे चौपाल इत्यादि हैं, उनका निर्माण दोबारा से करना होगा । **(इस समय सभापतियों की सूची के एक सदस्य श्री मनी राम केहरवाला पधासीन हुए ।)** इन्होंने बजट में सिंचाई के बारे में बात की है । बजट में यह कहा गया है कि जिस जमीन में खारा पानी है, उस जमीन के खारे पानी को मीठे पानी में तबदील करने के लिये एक स्कीम चलायी गयी है । मुझे यह कहते हुए बड़ा ही दुःख हो रहा है कि हरियाणा प्रदेश के अन्दर सबसे ज्यादा खारा पानी अगर कहीं पर है तो वह जिला फरीदाबाद में है । लेकिन फरीदाबाद जिले को खारे पानी की उस स्कीम के तहत नहीं लिया गया है । हमारे फरीदाबाद जिले के लोग पीने के पानी के लिये तरसते हैं । उस स्कीम में फरीदाबाद जिले को अगर शामिल करते तो वहां के लोगों का भी कुछ भला होता और गांवों के लोगों को पीने का पानी मिल जाता जिस के लिए लोग तरसते हैं । इसके अलावा, जैसे थोड़ी देर पहले नहरों के बारे में कहा गया है, मैं भी इस बारे में कुछ कहना चाहता हूं । इस सदन में और राजनीतिक जलसों में जब कभी बात होगी या एस0वाई0एल0 की बात होती है तो उसमें फरीदाबाद और गुड़गांवा का नाम नहीं लिया जाता । हम फरीदाबाद और गुड़गांवा के निवासी भी हरियाणा प्रदेश का हिस्सा हैं लेकिन मुझे कहते हुए बड़ा ही दुःख हो रहा है कि आगरा नहर के कन्ट्रोल को अपने हाथ में लेने के बारे में सरकार कतई गम्भीरता से काम नहीं कर रही है । जब आगरा कैनाल का कन्ट्रोल हमारे हाथ में आ जायेगा तो हमारे इलाके का भला हो सकेगा । इसलिये या तो आप आगरा नहर का कन्ट्रोल तुरन्त अपने हाथ में लें या फिर नहर में पानी की मात्रा में हरियाणा का हिस्सा बढ़वायें । मेरा कहना यह है कि फरीदाबाद

और गुड़गांवा की प्यासी जमीन को पानी दिया जाये । इसके लिये सरकार हवा में बातें न करके कुछ प्रैक्टिकल बात करे ।

श्री सभापति : दलाल साहब, आप बजट पर ही बोलें, इधर-उधर की बात न करें ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : चेयरमैन सर, मैं हरियाणा के बजट पर ही बोल रहा हूं । आज हरियाणा के अन्दर फिजूल बातों पर बहुत पैसा खर्च हो रहा है । ग्रीन बैलट के नाम से पहले तो हुड्डा द्वारा जमीन को छोड़ा जाता है लेकिन बाद में उसी जमीन में से डिस्क्रीशनरी कोटे के नाम पर प्लाट्स अपने-अपने आदमियों को अलाट किये जाते हैं । मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि किस वर्ग की यह भलाई की बात सोच रही है ? यह तो केवल उच्च वर्ग या पैसे वालों के बारे में सोचती है । गुड़गांवा और फरीदाबाद में कितने ही ऐसे उद्योगपति हैं, जिनको कालोनीज बनाने के लिये लाइसैंस दिये गये हैं ताकि वह वहां पर बड़े-बड़े नगर स्थापित करें । चेयरमैन साहब, मैं आपसे एक अनुरोध करना चाहता हूं । अभी आपको यह जानकर ताज्जुब होगा कि इनकी आबादी कम होती जा रही है । इन नगरों को बसाने में केवल चन्द लोगों को छोड़कर, किसी की भलाई नहीं होगी । सरकार भी वहां पर अन्धाधुन्ध पैसा खर्च करने में लगी हुई है । आप खुद ही देखिये, इससे क्या लोगों का भला हो रहा है ?

चेयरमैन साहब, इसके अलावा यहां पर टूरिजम की बात भी आयी है । यह टूरिजम हरियाणा, अब हरियाणा का नाम आगे बढ़ाने के लिये नहीं रहा है । कोई समय था जब हरियाणा टूरिजम का नाम लोगों के मनों में था लेकिन अब वह बात नहीं है । आज चेयरमैन साहब, इस हरियाणा टूरिजम के बड़े-बड़े होटल इस प्रदेश के बड़े-बड़े अफसरों के, मुख्य मन्त्री के या दूसरे बड़ों के रिश्तेदारियों की सांठ-गांठ के लिये रह गये हैं । आज इनमें परिवार के रिश्ते-नाते, शादी-ब्याह और दूसरे फंक्शन किये जाते हैं । इसके बारे में वित्त मन्त्री महोदय ने एक बात का बड़ा दावा किया है, बेशक पता कर लें, वहां पर सूरजकुंड में हरियाणा टूरिज्म का जो "पांच सितारा" होटल है, उसमें बड़े-बड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के शादी-ब्याह या संबंध तय होते हैं । चाहे वह अधिकारी या कर्मचारी सोनीपत का रहने वाला हो, चाहे चण्डीगढ़ का रहने वाला हो, लेकिन वह ऐसा काम सूरजकुंड में करते हैं । ऐसे फंक्शंज का बिल जो नौमलो एक लाख रुपया का आना होता है, वह केवल 10-20 हजार रुपये का ही दिया जाता है । यह सरकार के साथ बड़ा धोखा है ।

इसके अलावा इन्होंने होम डिपार्टमैंट के बारे में फिजूल खर्ची दिखाया है, मैं उस बारे में कुछ कहना चाहता हूं । मैं वित्त मन्त्री महोदय को बताना चाहता हूं कि आज हरियाणा में जंगल का राज है । पुलिस ने हरियाणा में जंगल राज कायम

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

किया हुआ है। मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि क्या इन्होंने या इनकी मौजूदा सरकार ने इस बारे में जानने की कभी कोशिश की है कि कितनी हरिजन लड़कियों के बलात्कार पुलिस की मिली भगत से होते हैं या कितने हरिजन या बैकवर्ड क्लासिज के या गरीब लोगों को पुलिस ने नाजायज तरीके से तंग किया है ? मुझे एक बात कहते हुए बड़ी शर्म आती है। हमारे जो मौजूदा डी0जी0पी0 हरियाणा के हैं, इनके नाम एक मकान तो दिल्ली में है और एक मकान चण्डीगढ़ में है लेकिन इन्होंने आफिसर्ज मैस पर कब्जा किया हुआ है। इसके अलावा चेयरमैन साहब, 12.00बजे | यहां मन्त्री महोदय बैठे हुए हैं। वे अपनी छाती पर हाथ रखकर देखें कि क्या उनको जरुरत के हिसाब से कार आदि की सुविधा मिलती है लेकिन दूसरी तरफ हरियाणा का जो डी0जी0पी0 है, उसके पास तीन कारें हैं। एक तो कन्टेसा कार है और दूसरी इससे जो छोटी कार होती है, वह है, और इतना ही नहीं

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदीश नेहरा) : आन ए प्वायंट आफ आर्डर। चेयरमैन साहब, जो आदमी इस सदन का मम्बर नहीं है और अपने आपको डिफैन्ड नहीं कर सकता, उसका बार बार इस ढंग से नाम लेना ठीक नहीं है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : मैं कोई नाम तो नहीं ले रहा हूं।

चौधरी जगदीश नेहरा : डी0जी0पी0 तो हरियाणा में एक ही है। चाहे आप नाम लें या न लें। आप बेमतलब की बातें कह कर क्यों कन्ट्रोवर्सी पैदा करते हैं ? अगर आपने कोई सुझाव देना है, तो दीजिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : चेयरमैन साहब, मेरा तो यह सुझाव है कि जनता का जो पैसा सरकारी खजाने में आता है, उसका चाहे आफिसर है, चाहे मन्त्री है और चाहे विधायक है, कानूनी तौर पर उसका सदुपयोग होना चाहिये और जो ठीक बातें हैं, उन्हीं पर वह पैसा खर्च होना चाहिए। किसी को भी अपनी पोस्ट का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए, चाहे वह मन्त्री है, चाहे वह विधायक है और चाहे वह आफिसर है। चेयरमैन साहब, यह सरकार, सरकार चलाने के अभिप्राय से नहीं बनी हुई है, यह तो ट्रक यूनियन चलाने के लिये लिए सरकार बनी हुई है। फरीदाबाद में इतनी बड़ी ट्रक यूनियन है और जो हमारे प्रदेश के मुख्य मन्त्री हैं या उनके परिवार के दूसरे सदस्य हैं, उनको पचास-पचास लाख रुपए की आमदनी वहां से होती है।

चौधरी जगदीश नेहरा : आन ए प्वायंट आफ आर्डर। चेयरमैन साहब, अगर ये कोई सुझाव देना चाहें तो दे दें। अगर ये बगैर मतलब की कन्ट्रोवर्शियल बात करेंगे तो इनके लिए यह कोई शोभा की बात नहीं है। ट्रक यूनियन की बात कहना

बगैर मतलब की बात है । मैं अपने फाजिल दोस्त से अर्ज करूंगा कि बगैर मतलब की और बेबुनियाद बात करने का कोई औचित्य नहीं है ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : चेयरमैन साहब, पिछले से पिछले साल हमारे मुख्य मन्त्री जी ने इसी सदन में बड़े गर्व के साथ यह बात कही थी कि जून 1992 तक हरियाणा की एक-एक सड़क की मुरम्मत करा दी जाएगी । चेयरमैन साहब, आप अपने हल्के में जाकर देखें कि सड़कों की क्या हालत है ?

श्री सभापति : आपके हल्के में अगर कोई स्पैसिफिक सड़क हो, जिसकी हालत खराब हो तो डांगी साहब को पर्सनली मिल लेना, आपकी समस्या सुलझ जाएगी । सारे हरियाणा में सड़कों पर बहुत काम हुआ है और सड़कों की हालत काफी अच्छी है ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : चेयरमैन साहब, बजट स्पीच में कोआप्रेटिव शूगर मिल्ज का जिक्र किया गया है । यह बहुत अच्छी बात है कि हरियाणा में कोआप्रेटिव शूगर मिल्ज बनें लेकिन सरकार की लापरवाही और धींगामस्ती के कारण कुछ ऐसे आफिसर्ज इन मिल्ज में नियुक्त कर दिए जाते हैं जिनको कोई ऐक्सपीरियेंस नहीं होता । चेयरमैन साहब, पलवल में एक शूगर मिल है । वह मिल हरियाणा की बेहतरीन शूगर मिल मानी जाती है । वर्ष 1993 में वहां पर एक ऐसा एम0डी0, जिसका नाम रमेश कौशिक था, को लगा दिया गया । उसको काम का कोई तजुर्बा नहीं था और उसने उस मिल का इतनी बेदर्दी से सत्यानाश किया कि जिसकी कोई मिसाल नहीं मिलती । अपनी धींगामस्ती से इस मिल को सत्यानाश के कगार तक पहुंचा दिया और आज हालत यह है कि जहां यह मिल मई, जून तक चला करती थी, वहां आज इस मिल के अधिकारी गन्ने के लिए घूम रहे हैं जबकि अभी मार्च भी खत्म नहीं हुआ है । वे अधिकारी आज गन्ने के लिए भागे फिर रहे हैं । मेरी सरकार से प्रार्थना है कि भविष्य में ऐसे अधिकारी को लगाया जाए जो अपने काम में लापरवाही न करे । इसके अलावा, चेयरमैन साहब, मैं कहना चाहता हूं कि हरियाणा में ए0एस0आई0 की भर्ती हुई । मुझे यह कहते हुए शर्म आती है कि * * * * * यह कितनी खराब बात है ।

श्री सभापति : यह रिकार्ड न किया जाए । अब आप बैठ जाएं । आपने बहुत टाईम ले लिया है ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : चेयरमैन साहब, मैं अभी वाइंड अप कर रहा हूं । मुझे अपनी बात पूरी कर लेने दें ।

श्री सभापति : अब आप बैठ जाएं । (शोर एवं व्यवधान)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : चेयरमैन साहब, मैं एक दो मिनटों में ही अपनी बात कहकर वाइंड अप कर रहा हूं। मैं इस सरकार की कारगुजारी का जिक्र कर रहा था। चेयरमैन साहब, हरियाणा के अन्दर पटवारियों की भर्ती भी हुई * * * * * * * * * * (शोर)

श्री सभापति : यह बात रिकार्ड न की जाए। (शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : चेयरमैन साहब, मुझे अपनी बात तो पूरी कर लेने दीजियेगा। (शोर)

श्री सभापति : दलाल साहब, आप बैठिये। आप यूं ही ऐसी बातें करके हाउस का समय बरबाद कर रहे हैं। (शोर)

चौधरी जगदीश नेहरा : चेयरमैन साहब, ये जो इस तरह की गलत बातें यहां पर कह रहे हैं, यह ऐक्सपन्ज होनी चाहिए (शोर) कोई बजट पर बात करें, कोई अपने उचित सुझाव सरकार के सामने रखें तो हम मानेंगे लेकिन बिना मतलब के, बिना किसी मकसद के ऐलीगेशन लगाना उचित नहीं है। (शोर) कोई सुझाव दें या बजट पर कोई फिगर्ज दें, आंकड़े दें, सरकार की किसी गल्ती को यहां पर बताएं, तब तो सही है। यूंही इधर उधर की फिजूल बातें करने से इन्हें जरा संकोच करना चाहिए। यह इनको शोभा नहीं देता। (शोर)

दूसरा मेरा, प्वायंट चेयरमैन साहब, यह है कि जैसा कि मैंने पिछले सैशन में भी अध्यक्ष महोदय से प्रार्थना की थी कि हर पार्टी को प्रोपोशनेटली, मैम्बर्ज की तादाद के लिहाज से बोलने का समय देना चाहिए लेकिन आज आप देख रहे हैं कि चौधरी बंसी लाल जी भी काफी समय तक बोले हैं और अब इनको बोलते हुए भी बड़ा टाईम हो गया है। हमारी ओर से अभी तक सिर्फ दो मैम्बर ही बोल पाए हैं। इसलिए आप पार्टी के मैम्बरान की तादाद के मुताबिक ही मैम्बर्ज को बोलने का समय अलाट करें।

आबकारी तथा कराधान मंत्री (बहन करतार देवी) : चेयरमैन साहब, ये विपक्ष के भाई इस तरह से बोल रहे हैं, जैसे अकेले इनको ही जनता ने यहां चुनकर भेजा है और कांग्रेस के सदस्यों को चुनकर जनता ने नहीं भेजा है। मैं इनसे इतना ही कहना चाहूंगी कि यहां पर हर सदस्य का अपना अपना मान सम्मान है। इस तरह की बातें इन्हें किसी माननीय सदस्य के बारे में नहीं कहनी चाहिए कि सब ने पैसा ले रखा है। इस तरह से कहना सारे माननीय सदस्यों की बदनामी है। इसलिए मैं चेयरमैन साहब, यह कहूंगी कि इन शब्दों को सदन की कार्यवाही में से निकाल दिया जाए। इतना ही नहीं, दलाल साहब को इन सभी बातों के लिए सदन के सामने खेद भी प्रकट करना चाहिए।

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री सभापति : मैंने पहले ही इन सारी बातों को रिकार्ड न करने के लिए कह दिया है। (शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : चेयरमैन साहब, यह मैं नहीं कह रहा, यह सारे हरियाणा की जनता कह रही है। (शोर)

श्री सभापति : कर्ण सिंह जी, आप बजट पर बोल रहे हैं (शोर). आप मेहरबानी करके बैठिए। (शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : हरियाणा की आम जनता के मुंह में ये शब्द हैं कि हरियाणा के सभी * * * * *

श्री सभापति : ये शब्द रिकार्ड न किए जाएं। दलाल साहब, आपसे मेरी रिक्वैस्ट है कि आप बैठिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : चेयरमैन साहब, हम सब ने यहां हाउस में आकर यह शपथ ली थी कि हम ईमानदारी से लोगों के हितों को देखेंगे और भलाई के काम करेंगे, लेकिन यह सरकार अपनी शपथ लेने के बाद कोई अच्छा काम, ईमानदारी का काम नहीं कर रही है। इसलिए इसे इस्तीफा दे देना चाहिए। (शोर)

श्री सभापति : आप का समय समाप्त हो गया है, आप बैठिए। (शोर)

डा० राम प्रकाश (थानेसर) : चेयरमैन साहब, हरियाणा के बजट वर्ष 1994-95 पर बहस चल रही है। केन्द्रीय सरकार ने माननीय नरसिम्हा राव के नेतृत्व में आर्थिक ढांचे को दुरुस्त बनाने के लिए कुछ कदम उठाए। उनका ध्यान गया है उन संस्थानों की तरफ, जो घाटे में चल रही हैं। मैं समझता हूं कि हमें भी ऐसी संस्थानों की तरफ ध्यान देना चाहिए। मैं कोआप्रेटिव शूगर मिल, कैथल के बारे में बताना चाहता हूं। वर्ष 1991-92 में उसमें 7.81 करोड़ रुपए का घाटा था और 1992-93 में 5.48 करोड़ रुपए का हुआ। कुल मिला कर यह घाटा 13.29 करोड़ रुपए हो गया। वर्ष 1991-92 में इसके ग्रौस सीजन डिन 154 थे और 1992-93 में घट कर 111 रह गए। इसके एक्चुअल क्रशिंग डेज 1991-92 में 123 थे और 1992-93 में ये केवल 95 रह गए। इसकी रिकवरी रेशो 1991-92 में 8.9 प्रतिशत थी और 1992-93 में 9.3 प्रतिशत थी। गन्ना जो क्रश किया गया, वह 1991-92 में 23.46 लाख क्विंटल था और 1992-93 में 21.17 लाख क्विंटल रह गया। इसी तरह भूना के मिल का घाटा 1991-92 में 5.57 करोड़ रुपए था और 1992-93 में 8.04 करोड़ रुपए था। उसका दो सालों का कुल घाटा 13.61 करोड़ है। उसके 1991-92 में ग्रौस सीजन डेज 178 थे जो 1992-93 में घट कर 95 रह गए।

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[डा० राम प्रकाश]

उसकी रिकवरी रेशो 1991-92 में 9.02 प्रतिशत थी और 1992-93 में 9.36 प्रतिशत थी। कैपेसिटी यूटिलाइजेशन कैथल मिल की 1992-93 में 76.03 प्रतिशत थी और शाहबाद की 156 प्रतिशत थी। मेहम शूगर मिल की स्थिति भी ज्यादा बेहतर नहीं है। मैं यह बात इसलिए कह रहा हूं कि कैथल और भूना के दोनों मिल दो साल घाटे में रहे हैं, ये दोनों सिक हैं। इन्होंने पहले दो सालों में ही पेड-अप शेयर कैपिटल तथा फ्री रिजर्व को वाईप ऑफ कर दिया है। इन दोनों मिलों का कुल घाटा 26.9 करोड़ रुपया बनता है। गन्ने के अभाव में भविष्य में मिलें और भी कम समय चलेंगी और घाटा बढ़ेगा। दूसरी तरफ हरियाणा में चार और मिल लगाने की बात की जा रही है। एक जिला कुरुक्षेत्र में ज्योतिसर के निकट लुहार माजरा में जो परपोज्ड मिल है, उसका और भी असर पड़ेगा। मेरा सुझाव है कि विभाग द्वारा इन घाटे वाले मिलों को सुधारा जाये और यदि क्लोज डाउन के पक्ष में हैं तो इनको किसी प्राईवेट संस्था के हाथ में दिया जाए तो बेहतर रहेगा। इसके लिए एक कमेटी बना कर फैसला किया जाए।

चेयरमैन साहब, अब मैं पब्लिक अंडरटेकिंगज की एक पालिसी के बारे में चर्चा करना चाहता हूं जो बोनस/एक्स ग्रेशिया/इंसैंटिव्ज के लिए है। इसको किसी कम्पनी या मिल की फाइनैंशियल परफारमैंस के साथ जोड़ना चाहिए। जिस संस्था में मुनाफा बेहतर हो, वहां पर तो बोनस दिया जाना चाहिए और जहां पर घाटा हो, वहां नहीं मिलना चाहिए। कोआप्रेटिव शूगर मिल कैथल, भूना तथा मेहम में 1992-93 में क्रमशः 5.47 करोड़ रुपया, 8.04 करोड़ रुपया और 2.82 करोड़ रुपए का घाटा रहा है और ये मिलें केवल तीन महीने तक चलीं। उसके बावजूद भी वहां बोनस दिया गया है। वहां पर दस दिन का अतिरिक्त वेतन दिया गया। मैं समझता हूं कि यह काम मिल की परफारमैंस के साथ जोड़ कर करना चाहिए। इसके अलावा मैंने एक सवाल हरको बैंक के बारे किया था। उसके उत्तर में मुझे बताया गया कि बैंक के निदेशक-मण्डल के सदस्यों को अढ़ाई लाख रुपए तक कार खरीदने के लिए ऋण दिया जाता है। सदन के सदस्यों को तो दो लाख रुपए मिलता है और वहां पर अढ़ाई लाख रुपए कर दिया है। आज तक किसी कोआप्रेटिव सैक्टर की संस्था के डायरैक्टर्ज को कार खरीदने के लिए लोन देने की व्यवस्था नहीं की गई थी। हरको बैंक, कोआप्रेटिव बैंक्स या कोआप्रेटिव सोसाइटीज को या एम्पलाइज को अंडर सर्विस रूल्ज तो कर्जा दे सकता है लेकिन डायरैक्टर्ज को नहीं दे सकता। इसलिए हरको बैंक को सोच विचार कर काम करना चाहिए। फिर चेयरमैन साहब, हरको बैंक के डायरैक्टर्ज को उनकी फैमिलीज के साथ दौरे पर भेज दिया गया। यह भी घाटे का एक कारण है।

श्री सभापति: डाक्टर साहब, उसमें ऐसा है कि डायरैक्टर बैंक के खर्चे पर गए हैं और उन्होंने अपनी फैमिली का खर्चा अपने आप दिया है।

डा० राम प्रकाश : चेयरमैन साहब, हरट्रोन को पिछले साल 6.83 लाख रुपये का मुनाफा हुआ, उसमें से 1.4 लाख रुपए की एक्स ग्रेशिया पेमेंट कर दी गई । इसी तरह से एच० एस० आई० डी० सी० ने अपने कर्मचारियों को 18 दिन की अतिरिक्त तन्खाह और गिफ्ट दिए हैं । एच० एस० एस० आई० सी० ने अपने कर्मचारियों को 15 दिन की अतिरिक्त तन्खाह दी है । एच० एफ० सी० ने भी अपने कर्मचारियों को 18 दिन की अतिरिक्त तन्खाह दी है । इस बारे में मेरी अर्ज है कि जो संस्थाएं घाटे में हैं, उनको इस तरह से बोनस नहीं देना चाहिए । जो संस्थान बोनस देना चाहें उनको उसकी वित्त विभाग से प्रायर एप्रूवल लेनी चाहिए । वित्त विभाग के प्रतिनिधि के, बोर्ड ऑफ डायरैक्टरज पर होने से काम नहीं चला अतः कोई नया काम करना हो तो उसके लिए वित्त विभाग से पूर्व स्वीकृति लेनी चाहिए ।

अब मैं बिजली बोर्ड का जिकर करना चाहूंगा । बिजली बोर्ड के बारे में बहुत चर्चाएं चलती रही हैं । इस बोर्ड में 31-3-93 तक 1358 करोड़ रुपए का घाटा है । बिजली बोर्ड में हर साल का घाटा 325 करोड़ रुपये है, जिसका मतलब है कि इसे एक दिन में 90 लाख रुपए घाटा होता है । इस पैसे से प्रतिदिन कितने किलोमीटर लम्बी सड़कें सरकार बना सकती है, यह आप अन्दाजा लगा सकते हैं । बिजली बोर्ड में लगातार घाटे से बचने के लिये कैपिटल री-स्ट्रक्चिंग करनी चाहिए । इस बोर्ड की बहुत ही चिन्ताजनक स्थिति है । इस के घाटे को पूरा करने के लिए किसानों पर बोझ डालने की बजाये जो दूसरे उपाय हो सकते हों, वे करने चाहिएं । उसके घाटे को पूरा करने के ढंग सोचने चाहिएं । मेरे कुछ सुझाव हैं । एक मैगावाट बिजली पैदा करने के लिये राष्ट्रीय औसत 4 कर्मचारियों की है जबकि हरियाणा बिजली बोर्ड में 6 कर्मचारी कार्यरत हैं । हरियाणा बिजली बोर्ड में 863 मैगावाट बिजली पैदा करने के लिये 50 हजार पद हैं और 45 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं । बी० बी० एम० बी० में 2705 मैगावाट बिजली पैदा करने के लिये 16500 कर्मचारी कार्यरत हैं यानि हरियाणा बिजली बोर्ड में बी० बी० एम० बी० से तीन गुणा कर्मचारी ज्यादा हैं और बिजली का उत्पादन एक तिहाई है । बी० बी० एम० बी० में तीन गुणा ज्यादा बिजली का उत्पादन है । मेरा कहना है कि इस पर नजर रखी जानी चाहिए । बिजली बोर्ड का 190 करोड़ रुपया केवल कर्मचारियों/अधिकारियों की तन्खाह पर खर्च हो रहा है । हरियाणा बिजली बोर्ड ने 1-1-1986 और 1-5-90 में अपने कर्मचारियों के वेतनमान रिवाईज किए हैं । बिजली बोर्ड के कर्मचारियों के वेतनमान राज्य सरकार के सिमिलर केडर के कर्मचारियों के वेतनमानों से ज्यादा हैं । उन वेतनमानों की फाइनैंस डिपार्टमैंट से कोई प्रायर एप्रूवल नहीं ली गई । मेरा इस बारे में एक सुझाव है कि घाटे में चलने वाली कोई संस्था जब अपने कर्मचारियों के वेतनमान रिवाईज करने लगे तो उसकी एप्रूवल

[डा० राम प्रकाश]

वित्त विभाग से अवश्य ले। ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन लासिज राष्ट्रीय स्तर पर 18 परसैंट हैं और हरियाणा में 26 से 30 परसैन्ट हैं। बिजली बोर्ड के बारे में मेरा एक सुझाव है कि बिजली बोर्ड को दो हिस्सों में बांटा जाए। एक बोर्ड वह हो जो बिजली पैदा करने का काम करे और दूसरा वह जो बिजली की डिस्ट्रीब्यूशन का काम करे ताकि पता लग सके कि कितनी बिजली दी गई और कितनी बच गई। पानीपत थर्मल प्लांट की स्टेज चार के डिजाइन, प्रोजैक्ट की एग्जीक्यूशन का काम बहुत धीमी रफ्तार से चल रहा है। उसके लिये 1993-94 में 37 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है लेकिन सितम्बर तक उस पर केवल 1.35 करोड़ रुपए खर्च हुए बताए हैं। पावर जनरेशन की दर प्रति वर्ष घट रही है। पिछले वर्षों में जो तेल से बिजली पैदा करने का ढंग है, उसमें तेल की खपत बढ़ी है पर तदानुसार बिजली का उत्पादन नहीं बढ़ा। कोयला घटिया किस्म का मिल रहा है जिसके कारण खर्च बढ़ रहा है, पर बिजली का उत्पादन नहीं बढ़ रहा है। इससे बिजली उत्पादन का प्रति यूनिट खर्च बढ़ता है। **(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।)** उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार बिजली बोर्ड को दो हिस्सों में बांटेगी यानि दो बोर्ड बनाने पर विचार करेगी ? क्या सरकार एक ऐसी कमेटी गठित करेगी जो खर्च घटाने और एफीशिएंसी बढ़ाने के तरीके बताए ? यदि यह कर दिया जाता है तो मुझे लगता है किसान के ऊपर अतिरिक्त बोझ डालने की जरूरत नहीं पड़ेगी और बिजली बोर्ड का काम बेहतर होगा। हरियाणा में विभिन्न थर्मल प्लांटस का प्लांट लोड फैक्टर बहुत कम है। पानीपत के थर्मल प्लांट का प्लांट लोड फैक्टर 47 प्रतिशत है। फरीदाबाद के थर्मल-प्लांट का पी०एल०एफ० 62 प्रतिशत है। राष्ट्रीय स्तर पर पी०एल०एफ० 80 प्रतिशत है। बदरपुर पावर स्टेशन का 82 प्रतिशत है। हमें इन सारे तथ्यों की ओर ध्यान देना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात एच०एस०एम० आई० टी० सी० के बारे में कहना चाहता हूं। यह कार्पोरेशन सिंचाई के क्षेत्र में लाभप्रद गतिविधियों के लिए बनाई गई थी। इस कार्पोरेशन को प्रति वर्ष साढ़े छः करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। मार्च, 1993 तक इसमें 51 करोड़ रुपये का घाटा हो चुका है। अप्रैल 1993 में इस कार्पोरेशन के कामकाज की देखरेख के लिये एक इन्स्टीच्यूट आफ मैनेजमैंटस कन्सलटैंटस की कमेटी बनाई गई थी और उस कमेटी ने दो महीने में अपनी रिपोर्ट देनी थी। यह तो मुझे पता नहीं कि उसकी रिपोर्ट आई या नहीं लेकिन यदि रिपोर्ट आ गई हो और उसकी यह रिपोर्ट हो कि इस कारपोरेशन को बन्द किया जाये तो इस पर हमें गंभीरता-पूर्वक विचार करना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार जो सीड कारपोरेशन है, इसमें भी 2.6 करोड़ रुपये का घाटा चल रहा है। मेरा सरकार को सुझाव है कि घाटे

को कम करने के लिये इसको हरियाणा एग्रो-इन्डस्ट्रीज कार्पोरेशन के साथ मिला दिया जाये । इसी प्रकार से हैण्डलूम एण्ड हैण्डीक्राफ्टस कार्पोरेशन में 2.07 करोड़ रुपये का घाटा है, इसे कार्पोरेशन को हैण्डलूम वीवर्ज एपैक्स तथा हरियाणा स्माल इण्डस्ट्रीज एण्ड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन के साथ मिला दिया जाये ताकि घाटे को कम किया जा सके ।

उपाध्यक्ष महोदय, अब दो बातें शिक्षा के बारे में कहना चाहता हूं। हरियाणा के बहुत से स्कूलों में मुख्याध्यापकों के और प्रिंसिपलों के काफी पद रिक्त पड़े हैं। इन स्कूलों में इन खाली पड़े पदों को भरा जाये । जहां इस से एक तरफ स्टाफ को परमोशन का मौका मिलेगा वहां दूसरी ओर हरियाणा के इन स्कूलों में पढ़ाई भी अच्छी प्रकार से होगी और बच्चों का भविष्य भी सुधरेगा । मेरा यह भी कहना है कि पिछले दिनों डाईट की एक स्कीम चलाई गई है । इस स्कीम के लिये केन्द्र सरकार से पैसा आता था । इसमें यह भी प्रावधान है कि सीनियर लैक्चरार को उनकी बेसिक पे का 20 प्रतिशत अधिक दिया जायेगा । जब इस स्कीम के लिये केन्द्र सरकार से पैसा मिल रहा है तो हमें इसका अधिक से अधिक फायदा उठाना चाहिए । इस स्कीम में कुछ लोगों को तो 20 प्रतिशत पैंशन में भी लगा दिया गया पर आजकल अतिरिक्त 20 प्रतिशत देना बन्द है । मैं चाहता हूं कि डाईट में चुन करके पूरा स्टाफ लगाया जाना चाहिए ताकि केन्द्र सरकार की इस स्कीम का अधिक से अधिक फायदा हो सके। शिक्षा के बारे में यह भी कहना चाहता हूं कि गांव के जो बच्चे स्कूलों में पढ़ने जाते हैं, उनके पास वित्तीय साधनों का अभाव होता है । गांव में गरीब के घर में एक ही कमरा है, उसी में मां चूल्हे पर रोटी बनाती है और उसी में एक तरफ भैंस आदि बंधी होती है, वहीं पर उसका बूढ़ा बाप बीमार पड़ा होता है जिस के कारण पढ़ने वाला बच्चा पढ़ नहीं पाता। मेरा सरकार को सुझाव है कि गांवों में सेमी-रैजिडैंशियल स्कूल बनाए जाएं ताकि अधिक से अधिक बच्चे अच्छी तरह पढ़ सकें । इन स्कूलों में बच्चों के बैग व बिस्तरे रखने का और सोने का प्रबंध वहीं पर हो सकता है । ये बच्चे छुट्टी के बाद अपने घर जा कर खाना वगैरा खा कर स्कूल में वापिस आ जाएं और कुछ अध्यापकों को पांच प्रतिशत अधिक तनख्वाह देकर उनकी देखरेख के लिए लगाया जाये ताकि बच्चे अधिक पढ़ लिख सकें। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि गांवों में सेमी-रैजिडैंशियल स्कूल खोले जाएं । यदि सरकार ऐसी व्यवस्था कर देती है तो बच्चों की पढ़ाई का स्तर ऊंचा हो सकता है । उपाध्यक्ष महोदय, सभी को पता है कि शहरों की अपेक्षा गांवों के बच्चों का प्रतिशत परीक्षा परिणाम काफी कम होता है ।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं एक बात भूतमाजरा के गांव की 2 कन्याओं को, जिनको उठा लिया गया था, के बारे में कहना चाहता हूं । इनका अभी तक

[डा0 राम प्रकाश]

कुछ पता नहीं चला है। मैं चाहता हूं कि सरकार इस तरफ सख्त से सख्त कदम उठाए। उपाध्यक्ष महोदय, 4 नवम्बर 1993 को लाडवा से अमृतसर के लिए ट्रक नं0 एच0 वाई0 ए0 9947 जा रहा था वह रास्ते में चोरी हो गया और इसके बारे में पुलिस स्टेशन पंजोखरा (अम्बाला) में पूरी डिटेल दर्ज है। फिर भी मैं हाउस को बताना चाहता हूं कि उस ट्रक में 2 लाख 15 हजार का चावल था। ट्रक के ड्राइवर और क्लीनर को मार दिया गया। इन दोनों का आज तक कुछ भी नहीं पता कि वे कैसे मारे गए और कहां चले गए। इसकी पड़ताल करके दोषियों को दण्ड दिया जाए।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं एक बात की ओर विशेष ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि हमारे एक भूतपूर्व विधायक एवं मन्त्री चौधरी रण सिंह जी का साला रवि प्रकाश, जो यहां सिविल सचिवालय में काम करता था, उसको यहां से दिन दहाड़े उठा लिया गया, वह बेहोशी की हालत में पाया गया और बाद में उसकी मृत्यु हो गई। उसकी हत्या का आज तक कुछ भी पता नहीं चल पाया। अगर सचिवालय में बैठा हुआ व्यक्ति अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा तो फिर कहां सुरक्षित महसूस कर पायेगा ?

उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मैं हरियाणा के छोटे रूटस पर बसों के परमिट देने के बारे में कहना चाहता हूं। इस बारे में मैंने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव भी दिया था कि हरियाणा में जो छोटे मार्ग हैं, उन पर बसें चलाने के लिए प्राइवेट सोसाईटीज को परमिट दिए जा रहे हैं। यह रोजगार देने का एक ढंग है, इससे न केवल बस सेवा बेहतर बनेगी अपितु लोगों को रोजगार भी मिलेगा। इस बारे में एक बार यह निर्णय हो गया था कि 20% परमिट ऐसी सोसाइटीज को मिलेंगे जिस के सभी सदस्य अनुसूचित जाति के हों। अगर सम्भव हो तो 27% दे दें। अगर 27% परमिट देना संभव न हो तो कम से कम 10% परमिट तो ऐसी सोसाइटीज को दिए जाएं जिनके सभी सदस्य पिछड़े वर्गों से संबंधित हों। इस ढंग से काम करने से रोजगार बढ़ेगा लेकिन ऐसा नहीं किया गया। यह किया जाना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, मैंने जो सुझाव दिए हैं, मैं उम्मीद करता हूं कि सरकार उन पर गम्भीरता से विचार करते हुए उन पर अमल करेगी जिससे सारी स्टेट की अर्थव्यवस्था चुस्त/दुरुस्त बन सकेगी। उपाध्यक्ष महोदय, इन शब्दों के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं और मुझे बोलने के लिये आपने जो समय प्रदान किया है, उसके लिये मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री0 राम विलास शर्मा (महेन्द्रगढ़) : उपाध्यक्ष महोदय, श्री मांगे राम गुप्ता जी ने जो बजट सदन में रखा है, मैं उस पर बोलने के लिये खड़ा हुआ हूं। (इस

समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए ।) जिस तरह का यह बजट रखा है, अध्यक्ष महोदय, हरियाणा विधान सभा में इस तरह का बजट पहले कभी नहीं रखा गया। इसमें कोई दिशा नहीं है, इसमें कोई संकल्प नहीं है। इसमें कोई इच्छाशक्ति भी नहीं है । Budget is a document of the Government, which is governed by the election manifesto of the ruling party. स्पीकर सर, एक समस्या हरियाणा में बहुत देर से चल रही है और उस समस्या का जिक्र आज भी सदन में कई बार आया है । अध्यक्ष महोदय, मेरे पास यह बजट स्पीच है जो वित्त मन्त्री श्री कटार सिंह छोकर ने 1987-88 में बजट प्रस्तुत करते हुए की थी । इस स्पीच के सैकण्ड पैरे में इस समस्या की बाबत लिखा गया है । स्पीकर साहब, उस वक्त हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी । उस सरकार ने कहा था कि इस राज्य में एस0 वाई0 एल0 का न बनना एक गम्भीर बात है, यह हरियाणा की लाईफ लाईन है और किसानों के हित के लिये है । हरियाणा एक कृषि प्रधान प्रदेश है । अगर खेत में हरियाली होगी तो किसान के मुंह पर मुस्कान होगी और बाजारों में रौनक होगी, अगर खेत में हरियाली नहीं होगी तो किसान के मुंह पर मुस्कराहट नहीं होगी, जब मुस्कराहट नहीं होगी तो बाजार की रौनक फीकी रहेगी । श्री कटार सिंह छोकर ने बजट स्पीच में कहा था कि हरियाणा एक कृषि प्रधान प्रदेश है । केन्द्र सरकार ने एस0 वाई0 एल0 की प्राब्लम को समझा है । यह बजट स्पीच भी कांग्रेस के वित्त मन्त्री की है, इसमें किसानों को राहत देने और एस0 वाई0 एल0 के निर्माण के लिये प्रावधान है । 1987-88 की बजट स्पीच में एस0 वाई0 एल0 के बजट का प्रोवीजन किया गया । उसके बाद 1988-89 में चौधरी देवी लाल जी की सरकार आई जो जनता दल और भारतीय जनता पार्टी की सांझी सरकार थी । उस समय चौधरी देवी लाल की सरकार के वित्त मन्त्री श्री बनारसी दास गुप्ता जी थे । उन्होंने जो बजट स्पीच पढ़ी थी, उसमें एस0 वाई0 एल0 के बारे में कहा गया था कि यह हरियाणा की लाईफ लाईन है । प्रधान मन्त्री जी ने पिछली सरकार के समय आश्वासन दिया था कि हम उम्मीद करते हैं कि इस बार जून तक यह नहर पूरी होने की संभावना है । फिर भी उस सरकार ने 34.50 करोड़ रुपये का प्रावधान एस0 वाई0 एल0 के लिये किया था । स्पीकर सर, फिर कांग्रेस का 1991 में मनिफैस्टो आया और कांग्रेस ने जनता से वायदा किया कि इस नहर को पूरा करवाया जाएगा । हरियाणा वर्ष 1966 में हिन्दुस्तान के नक्शे पर आया था और उस वक्त 60:40 के अनुपात से भवनों, सड़कों, नहरी जल का वितरण हुआ था परन्तु हरियाणा को उस बंटवारे में अपना पूरा हिस्सा नहीं मिला । इन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो हरियाणा के 90% काम पूरे करके दिखाएगी । अध्यक्ष महोदय, दक्षिण के इलाके हैं, उनके बारे में तो आप भी जानते हैं । अपने यहां कई ऐसे इलाके हैं जहां पर खेती की जमीन की कमी है, लेकिन बाकी इलाकों में जमीन की भी समस्या नहीं है । हमारे इलाके में पीने के पानी की प्राब्लम है ।

[प्रो0 राम बिलास शर्मा]

इनकी सरकार आने के बाद वहां के लोगों को बहुत ही उम्मीद थी कि एस0 वाई0 एल0 का मामला चूंकि मैनिफैस्टो में रखा गया है और बनने के लिये 90 दिन का समय दिया है, इसलिये बन जायेगी। लेकिन आज कांग्रेस की सरकार को आए हुए अढ़ाई साल हो गए हैं। अध्यक्ष महोदय, मुझे बड़े ही खेद के साथ कहना पड़ता है कि मुख्यमन्त्री जी और श्री मांगे राम गुप्ता जी ने बजट में कहीं पर इस बारे में कुछ नहीं लिखा है। इन्होंने आठ पेज पर हरियाणा के लोगों को एक सपना दिखाया है कि "हमें आशा है कि पंजाब में कानून और व्यवस्था में सुधार होने से नहर का निर्माण कार्य जल्दी से दोबारा शुरु होगा और शीघ्र ही पूरा हो जाएगा"। But there is no time limit और एस0 वाई0 एल0 के लिए बजट में एक नए पैसे का प्रावधान भी नहीं रखा है। इन्होंने जो प्रावधान किया है, वह टूट फूट और गाद निकलवाने के लिये रखा है। इन्होंने गाद निकलवाने के लिये 14.82 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है। अध्यक्ष महोदय, यह कहना गलत नहीं है कि इन्होंने हरियाणा की जनता के साथ विश्वासघात किया है क्योंकि इस सरकार ने अपने बजट में एस0 वाई0एल0 नहर के निर्माण के लिये एक नए पैसे का भी प्रावधान नहीं रखा है। It is only the people of Haryana, the great people of Haryana who always act patiently. इन्होंने इस बजट में हरियाणा की जनता को यह सपना दिखाया कि जब पंजाब के हालात ठीक होंगे, तब एस0 वाई0एल0 का निर्माण होगा। यानी पंजाब के हालात के साथ हरियाणा के भविष्य को जोड़ा गया है, यह बहुत ही गलत बात है। आप सब जानते हैं, जब पंजाब की हालत खराब थी तो हरियाणा में भी सैकड़ों लोगों की जानें गई हैं। उसके बाद भी इन्होंने नान-सीरियस बात कही है। अध्यक्ष महोदय, 1986 में जन-आन्दोलन हुआ था और 1987 में चुनाव हुए थे तो उसके बाद एक सरकार बनी थी। 90 में से 85 एम0एल0एज0 एक ही मुद्दे पर जीत कर आए थे और वह मुद्दा यह था कि रावी व्यास का पानी लेना, एस0 वाई0 एल0 को पूरा करना और अबोहर फाजिल्का के 107 गांवों को हरियाणा में मिलाना आदि। अध्यक्ष महोदय, जब पंजाब में हिंसा हुई थी, आतंकवाद का जोर था और पंजाब में हिन्दुस्तान के संविधान की कापी जलाई गई थी, तो पंजाब में राजीव-लौंगोवाल ने एक समझौता किया था। आज वे दोनों महापुरुष इस दुनिया में नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, आज के मुख्य मन्त्री उस समझौते के समय बाहर बैठे रसगुल्ले बांट रहे थे। अध्यक्ष महोदय, राजीव लौंगोवाल समझौते के खिलाफ धारा 7 और 9 के खिलाफ हरियाणा की डेढ़ करोड़ जनता ने ऐसा क्रिस्टल क्लीयर शान्तिपूर्वक तरीके से विरोध किया और कहा कि —"We hereby reject this accord" हम हरियाणा के लोग प्रजातान्त्रिक तरीके से राजीव लौंगोवाल समझौते को ठुकराते हैं और 90 में से 85 लोगों को जीता कर भेजते हैं। अध्यक्ष महोदय, यह एक ऐसा मुद्दा है जिसके लिये हरियाणा की जनता लड़ रही है

और इन्हीं मुद्दों पर हरियाणा में दो तीन बार चुनाव हो चुके हैं। 1987 में मैंडेट दिया जा चुका है। 1981 में जो मुद्दे कांग्रेस ने चुनाव मैनीफैस्टो में रखे थे आज इस बजट में कौन आदमी उस मनीफैस्टो को कितनी गम्भीरता से लेता है, यह इस बजट से ही जाहिर है। हरियाणा के हितों के मुद्दों को कांग्रेस सरकार जानबूझ कर भूल रही है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के जो अहम मुद्दे हैं, पता नहीं कौन सी ऐसी राजनैतिक मजबूरी है जो ये उन अहम मुद्दों को भूल रहे हैं ? प्रो0 सम्पत सिंह जी एक प्रस्ताव लाए थे और हम सबने बड़ी एकाग्रता से मुख्य मन्त्री जी से अनुरोध किया था कि इस प्रस्ताव पर बहस हो। आज पंजाब विधान सभा का सैशन भी चल रहा है। दोनों असैम्बलीज के सैशन से पहले यानी हमारा बजट पेश होने से पहले पंजाब के मुख्यमन्त्री जानबूझकर उन्हीं मुद्दों पर बोल रहे हैं। वे इन मुद्दों पर जालन्धर या लुधियाना में नहीं बोले बल्कि फरीदाबाद में हो रहे आल इन्डिया कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सैशन में बोले थे जहां पर कांग्रेस के बहुत से नेता और स्वयं प्रधानमन्त्री जी मौजूद थे। उन्होंने हरियाणा की धरती पर खड़े होकर कहा था कि एस0 वाई0 एल0 नहीं बनायी जा सकती, रावी व्यास का पानी अभी नहीं दिया जा सकता। आज वह जमुना के पानी में से भी अपना हक मांग रहे हैं। Things are not so simple to solve. स्पीकर सर ये चीजें इतनी सामान्य नहीं हैं बल्कि जानबूझ कर रुकावट डालने के लिये खड़ी की जा रही हैं। जब हरियाणा की जनता इस बजट को पढ़ती है तो उसके अन्दर एक भय की भावना पैदा होती है और पूछ रही है कि कांग्रेस की यह कमजोर सरकार इस बजट के माध्यम से क्या प्रस्तुत करना चाहती है ? स्पीकर सर, इस बजट में कोई विल नहीं है, कोई लेखा जोखा नहीं है। यह सरकार हरियाणा के हितों के साथ अनदेखी कर रही है। हरियाणा की जनता अपना जो गुस्सा प्रकट कर रही है, वह इस बजट से और साफ हो जाता है। स्पीकर सर, अबोहर फाजिल्का लेने की बात तो दूर रही, चण्डीगढ़ के मामले में भी आए दिन यह कहा जा रहा है कि बैशाखी पर या लोहड़ी पर चण्डीगढ़ पंजाब को जा रहा है, अब जा रहा है, जब जा रहा है। कभी किसी और त्यौहार का नाम ले लिया जाता है, कभी किसी का, और कभी कहा जाता है कि नरसिम्हाराव जी यहां पधारेंगे और वे चण्डीगढ़ पंजाब को दे देंगे। स्पीकर सर, हरियाणा सरकार की अपनी मंशा तो बजट से ही प्रकट हो जाती है और यह बजट इस बात को जाहिर करता है कि इस कांग्रेस सरकार को कोई विशेष राजनैतिक भय सता रहा है जो सामने से तो दिखाई नहीं देता, लेकिन पर्दे के पीछे वह स्पष्ट दिखाई पड़ रहा है। स्पीकर सर, यह इस बजट से ही साफ हो जाता है कि यह सरकार हरियाणा के हितों को बेचने जा रही है।

स्पीकर सर, इस बजट में महिलाओं के कल्याण की बात कही गयी है। कल अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के बारे में सदन के नेता ने भी एक प्रस्ताव रखा था और सभी लोगों ने इस का समर्थन भी किया था लेकिन स्पीकर साहब, the performance

[प्रो० राम बिलास शर्मा]

of this Government इस बात की ताईद नहीं करती कि इस सरकार के हाथों हरियाणा के हित सुरक्षित हैं। जैसे कि हमारे भाई डा० रामप्रकाश जी ने, जो कि कांग्रेस के साथी हैं, ने अपने चुनाव क्षेत्र की घटनाओं के बारे में चर्चा की है। इससे पहले भी उस घटना की चर्चा कई बार इस सदन में हो चुकी है। 28 अगस्त, 1991 को कुसम और विमला नाम की दो लड़कियां, जिनकी उम्र क्रमशः 18 और 16 साल थी, इनमें से एक लड़की की लाश मिली थी, चप्पल मिली थी और दूसरी लड़की का कोई अतापता नहीं चला। इसी तरह से नारायणगढ़ में संग्रेड़ी गांव की एक लड़की संतोष, जो गरीब हरिजन की बेटी थी, की अस्मित लूटी गयी और जब उसका घरवाला रघुवीर सिंह शिकायत करने गया तो उसकी भी गला घोटकर जान ले ली गयी, उसको न्याय नहीं मिला। इसी तरह से लाडवा के पास भूखेड़ी गांव में फिर एक हरिजन के साथ अत्याचार हुआ। इसी तरह से स्पीकर सर, आपके ही चुनाव क्षेत्र में लोहारू माजरा में लच्छो नाम की लड़की थी। उसके साथ क्या क्या हुआ, यह वह नहीं बता सकी। सर, इस मामले को आपसे अधिक कोई नहीं जान सकता। लेकिन वह बता नहीं सकी कि उसकी अस्मित लूटी गयी या नहीं लूटी गयी, लेकिन उसकी जान चली गयी। स्पीकर सर, सबसे बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि कुछ असरदार लोगों ने यह कहा कि लच्छो के बाप ने अपनी लड़की के साथ मुंह काला किया है, इसलिए उसने लड़की को मार दिया।

श्री अध्यक्ष : राम बिलास जी, यह मामला सबजुडिस है। साथ ही इसके बारे में आपको पता भी नहीं है कि यह क्या मामला है।

प्रो० राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, मैंने पहले ही कहा था कि यह आपके क्षेत्र का मामला है इसलिए आपको ही ज्यादा पता होगा। लेकिन मेरे पास, जो एफ० आई० आर० दर्ज की गयी थी, उसकी नकल है। स्पीकर सर, उसके बाद उसके बाप ने प्रतिवेदन किया, तब एस० पी० रैंक के आदमी ने इंक्वायरी की और उस गांव में जाकर कहा कि this I know, मैं यह बात साबित करता हूं कि लच्छो के साथ, उस के बाप ने, कोई कुकर्म नहीं किया। वह इसमें शामिल ही नहीं है। उसका दोष केवल यही है कि वह गरीब है, हरिजन है। स्पीकर सर, वह मजदूरी के लिए गया हुआ था और आते समय उसने देखा था।

श्री अध्यक्ष : राम बिलास जी, जो आप कह रहे हैं, यह किस आधार पर कह रहे हैं ?

प्रो० राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, जो रिपोर्ट लिखवायी गयी है, उसकी मेरे पास नकल है। साथ ही एक महिला समिति ने भी जो प्रतिवेदन किया है, उसकी भी नकल हैं और मैं उसी के आधार पर यह बात कह रहा हूं। अगर आप चाहें तो मैं ये सारे कागजात आपको भिजवा सकता हूं।

श्री अध्यक्ष: ऐसा है, यह पुलिस का काम है। पुलिस ने इंक्वायरी की है और उन्होंने चालान पेश कर रखा है। यह सब-जूडिस मामला है, इसके बारे में आप हाउस को मिसलीड करने की कोशिश न करें।

Prof. Ram Bilas Sharma : I am not misleading Sir, I am speaking on the basis of hard facts. के0के0 शर्मा नाम के आई0पी0एस0 ऑफीसर ने जो इंक्वायरी की है, उसने कहा है और अदालत में दरख्वास्त दी है कि यह चालान रोक दिया जाए।

श्री अध्यक्ष : राम बिलास जी, आप किसी ऑफीसर का नाम न लें। यह पुलिस की अपनी इंक्वायरी है। पुलिस के भी एक से एक बड़े ऑफीसर हैं। आप इस ढंग से किसी भी ऑफीसर के बारे में न कहें।

प्रो0 राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, आपने मिसलीडिंग वाली जो बात कही है और मैं जो कह रहा हूं ..... (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : यह सब-जुडिस मामला है और कोर्ट अपने आप फैसला करेगी। पुलिस के भी एक से एक सुपर ऑफीसर हैं, यह उनकी अपनी इंक्वायरी है। वे किसी फाईंडिंगज पर पहुंचे हैं और उनके मुताबिक उन्होंने केस दर्ज कराया है और चालान पेश किया है।

प्रो0 राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, मैंने तो अपनी बात उन फैक्टस के आधार पर, इस सदन को अवगत कराने के लिए कही है, जो मेरे पास कागजात हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आपके पास होंगे, लेकिन सारे फैक्टस नहीं हैं।

प्रो0 राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, मैंने तो आपसे कहा है कि यह आपके आसपास का मामला है, आप इस बारे में सबसे ज्यादा जानते होंगे। परन्तु इतनी बात जो मैंने कही है, क्राइम ब्रांच की जो रिपोर्ट आई है, उसका भी यह मानना है कि इसमें रामस्वरूप को जानबूझकर फंसाया गया है। खैर, जो सब-जूडिस मामला है।

श्री अध्यक्ष : क्राइम ब्रांच की रिपोर्ट आपने पढ़ी है, आपने सरकारी डौक्यूमैंट्स कैसे पढ़ लिए ?

प्रो0 राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, मैंने सरकारी डौक्यूमैंट्स नहीं पढ़े हैं परन्तु जो क्राइम ब्रांच का एस0पी0 वहां गांव में गया है ..... (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : क्राइम ब्रांच के एस0पी0 ने आपको बताया है ?

प्रो0 राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, वहां गांव के लोगों ने बताया कि 500 लोगों के बीच में क्राइम ब्रांच के आदमी ने बताया कि यह जितनी प्रोसीडिंग्ज हुई

[प्रो0 राम बिलास शर्मा]

है, इसमें उसकी असहमति है । इस में राम स्वरूप कतई गुनहगार नहीं है, कुछ फैक्टस और हैं जिनको छिपाया जा रहा है । यह जो 500 लोगों के सामने कहा गया है, वह मैं आपके सामने कह रहा हूं । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : राम बिलास जी, जो आप कह रहे हैं, वह ठीक नहीं है, क्योंकि आपके फैक्टस बिल्कुल गलत हैं । मैं भी उस गांव में गया था । पांच सौ आदमियों के मुताबिक और जो सरकमस्टैंशियल ऐवीडैंसिज हैं, उनसे साबित होता है कि उसका बाप ही उसके अंदर है, हालांकि वो केस बलात्कार का नहीं है । लैबोरेटरी टैस्ट जो आए हैं, उनके मुताबिक यह बलात्कार का केस नहीं है, बलात्कार करने की शायद उसने कोशिश की है, वह पहले शराब पीकर भी आया है, उसका पहले भी करैक्टर इस ढंग का है । डी0 एस0 पी0 ने कुत्ते उसी वक्त बुलाए, कुत्तों ने भी उसी को पकड़ा, और किसी को नहीं पकड़ा । उसने जिस हथियार से कत्ल किया है, वो हथियार भी उसने दिया है और वो खून में लथपथ था, उसके कपड़ों पर भी उसके छींटे लगे हुए हैं, और किसी के नहीं हैं । राम बिलास जी, आपको पूरी बात का पता नहीं है, इसलिए आप मिसलीड न करें, यह मामला सब-जूडिस है । हालांकि कोर्ट में पेश है इसलिए आप इस पर कोई बात न कहें । यह यहां कहने की बात नहीं है, यह कोर्ट डिसाइड करेगी ।

प्रो0 राम बिलास शर्मा : उन्होंने 7-8 पेज का रिप्रेजेन्टेशन डी0 जी0 पी0 को दिया है, उसकी कॉपी भी मेरे पास है ।

श्री अध्यक्ष : रिप्रेजेन्टेशन तो कोई खुद भी दे सकता है, उस पर इंक्वायरी होती है । एक से एक बड़े ऑफीसर हैं जो इन्क्वायरी करते हैं ।

Power Minister (Shri A. C. Chaudhri) : As per the established norms जो सब-जूडिस केस है, उस पर बहस नहीं हो सकती । एक आदमी जो किसी केस में इन्वौल्व है, उसका वर्शन जब तक अदरवाइज प्रूव न हो, उसे आथैंटिक मानना कहीं भी वाजिब नहीं है ।

श्री अध्यक्ष : राम बिलास जी, आप और बात कहें ।

प्रो0 राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, महिलाओं के साथ ज्यादती के मामले बढ़ते जा रहे हैं । इस सरकार ने शुरू में कहा था कि कानून की ऐसी व्यवस्था पैदा करेंगे जिसमें सेर सोना पहनकर 16 साल की लड़की रात के 12 बजे कहीं भी आ जा सकेगी । रात तो अलग रही, सोना पहनना तो अलग रहा, आज तो गरीब गुरबे की बेटी, छप्पर की झोंपड़ी में रहने वाली, मजदूरी करने वाली लड़की भी सुरक्षित नहीं है । कुछ संस्थाओं के बारे में डा0 राम प्रकाश जी ने बड़ी अच्छी चर्चा की ।

स्पीकर सर, कोई भी सरकारी संस्था आज मुनाफे में नहीं है। हैफेड में मुनाफा नहीं है। वीटा दूध बनाने वाले मिल्क प्लांट में मुनाफा नहीं है। वीटा घी जहां पर बनता है, उसके साथ ही प्रिसिंक्ट्स से लगभग 10-20 किलोमीटर की दूरी पर, एक रिटायर्ड आई० ए० एस० अधिकारी मधु घी बनाता है, वह साल में करोड़ों रुपया का मुनाफा कमा रहा है लेकिन हमारा प्लांट घाटे में जा रहा है।

श्री अध्यक्ष : मांगे राम गुप्ता जी, आप जवाब देने के लिये कितना समय लेंगे ?

वित्त मन्त्री (श्री मांगे राम गुप्ता) : सर एक घंटा लूंगा। (व्यवधान व शोर)

श्री अध्यक्ष : राम बिलास जी, अब आप खत्म करें।

प्रो० राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, मैंने अभी तो शुरू ही किया है। अब आप कह रहे हो कि खत्म करूं।

श्री अध्यक्ष : आपको बोलते हुए 10 मिनट हो गये हैं। आप 5 मिनट और ले लें और खत्म करें।

प्रो० राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, मैं आपके आदेश की अनुपालना करूंगा। मेरी बात वीटा के बारे में चल रही थी। आस-पास की गाय भैंसों के दूध से वह मिल्क प्लांट घाटे में जा रहा है लेकिन नजदीक ही एक रिटायर्ड आई० ए० एस० अधिकारी वहां की गाय-भैंसों के दूध से करोड़ों रुपया कमा रहा है। स्पीकर साहब, हमारी कुछ संस्थाएं, कुछ व्यक्तियों के लिये चल रही हैं। एच० एम० टी० की जो इंडस्ट्री पिंजौर में है, उस के बारे में कुछ लोगों ने और वहां के कुछ कर्मचारियों ने मुझे यह बताया है कि इसको भी सरकार प्राइवेट लोगों को देने जा रही है। एक बात का यह सरकार हवाला जरूर देती है कि बाहर के लोग अच्छे टेलेन्टिड हैं। प्रशासन चलाना उनको अच्छा आता है। उद्योग भी वह अच्छे तरीके से चला सकते हैं और एन० आर० आई० के नाम पर यह इंडस्ट्रीज चलाना चाहते हैं। स्पीकर साहब, यह जो यहां पर ट्रैन्ड चल रहा है, It is just to demoralise Indian talents, just to demoralise Indian minds. यह ट्रैन्ड बड़ा ही खतरनाक ट्रैन्ड है। हैफेड घाटे में है, वीटा मिल्क यूनियन में भी घाटा है। मिल्क के मामले में स्पीकर साहब पिछले साल मार्च के महीने में हमारी सरकार द्वारा दूध का दाम 88 पैसे पर फैट के हिसाब से दिया जा रहा था। स्पीकर साहब, आप खुद किसान हैं, आपको पता है कि फीड के दाम बढ़ गये हैं। जो पशुओं को चारा खिलाते हैं, उस सब के दाम बढ़ गये हैं परन्तु दूध के दाम घटा कर 85 पैसे प्रति फैट के हिसाब से दिये जा रहे हैं। स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदेश एक कृषि प्रधान प्रदेश है। इसमें हो सकता है कि दूध से सम्बन्धित इंडस्ट्रीज लगाई जायें।

[प्रो0 राम बिलास शर्मा]

सरकार को भी इस मामले में सोचना चाहिये । लेकिन हरियाणा सरकार तो हैफेड को नहीं चला सकती, वीटा को नहीं चला सकती और न ही बिजली को चला सकती है। बिजली के बारे में बहुत सी बातें कही गयी हैं । हरियाणा में बिजली का घाटा 30-35 परसैंट लाईन लौसिज की वजह से हो रहा है । इसके मुकाबले में आप सारा हिसाब-किताब देखें कि बम्बई में टाटा भी बिजली जनरेट करता है । वहां पर कभी बिजली जाती नहीं है । आप वहां के किसी भी आम आदमी से यह पूछ लें, उनका कहना यह है कि पिछले 40 साल में शायद ही कभी एक-आध मिनट के लिये बिजली गयी होगी । इससे ज्यादा जाती नहीं है । वहां पर आप सुबह अगर दरख्वास्त देकर आते हैं कि मेरी लाईन में स्पार्किंग है, तो 24 घंटे के अन्दर अन्दर वह लाईन चेंज कर देते हैं । जब टाटा बिजली को इतनी अच्छी तरह से मैंनटेन कर सकता है और अच्छी सर्विस दे सकता है तो आपका बिजली बोर्ड क्यों नहीं दे पाता ? इसमें घाटा लगभग 1155 करोड़ रुपया है जो बिजली बोर्ड ने लोन के रूप में लिया हुआ है और जिसके लिये हरियाणा के लोगों की तरफ से, हरियाणा सरकार ने गारन्टी दी हुई है । यह जो बजट पेश किया गया है, यह कोई बजट नहीं है । यह तो बजट का अडंगा है । बिजली के दाम पिछले दो-अढ़ाई साल में तीन बार श्री मांगे राम गुप्ता जी ने बढ़ाये हैं । हर वर्ष यह बिजली के दाम बढ़ा देते हैं । फिर यहां पर आकर यह कहते हैं कि टैक्स-फ्री बजट है । इस बजट को देखने से ऐसा लगता है कि आपकी सरकार किसी अदृश्य भय से ग्रस्त है । किसी न किसी दिखने वाले डर से भयभीत है, आतंकित है । इसलिये इन्होंने ऐसा नीरस और बिना इच्छा शक्ति के यह बजट पेश किया है । इस बजट को देखने से तो ऐसा लगता है कि हरियाणा के अन्दर पैसा लगाने की तो आवश्यकता ही नहीं है । आज हरियाणा में बिजली की खपत पिछले वर्षों के मुकाबले में 10 गुना ज्यादा बढ़ रही है । बिजली की खपत के मामले में हम निरन्तर आगे बढ़ रहे हैं । लेकिन आज हालत यह है कि धन के अभाव के कारण हम कोयला नहीं ला सकते, एन0टी0पी0सी0 का बिल पे नहीं कर सकते । हमारे मुख्य मन्त्री जी कहते हैं कि हम बिजली ज्यादा जनरेट नहीं कर सकते और बिजली की ठीक सप्लाई नहीं कर सकते, इसका प्राईवेटाइजेशन कर दिया जाए । जैसा पिछली सरकार ने हिमाचल प्रदेश में किया, जैसे राजस्थान सरकार ने लोगों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए और अपनी कमी को स्वीकार करते हुए प्राईवेट क्षेत्र में जो बिजली जनरेट कर सकता हो, उसके साथ हिसाब किया । स्पीकर साहब, आज जब भी हम कोई बात कहते हैं तो मुख्य मन्त्री जी एक ही बात कहते हैं कि पिछली सरकार ने ऐसा किया । स्पीकर साहब, उन सारी बातों को अढ़ाई साल हो गए । जो बात थी वह समाप्त हो गई । अढ़ाई साल का समय किसी सरकार को परखने के लिए, किसी सरकार की कारगुजारी को देखने के लिए कोई कम समय नहीं होता । सारे गुनाह पिछली सरकार पर डालकर हम अपने गुनाहों से बरी नहीं हो सकते । पिछले राज को यह क्या कहते हैं । स्पीकर साहब यहां

पर कोआप्रेटिव का मामला आया। कोआप्रेटिव में एक शास्त्री सोसायटी अम्बाला में है। यह रिटायर्ड कर्मचारियों की है। उसमें कोई घपला हुआ। वहां पर इस सोसायटी की इंक्वायरी होती है, जांच होती है और इन्हीं की सरकार की जो जांच रिपोर्ट है, उसको यह सरकार लागू नहीं कर सकती। उस रिपोर्ट को दूसरी तरह से डिसटोर्ट करते हैं। उसमें लाखों रुपए के गबन का मामला पकड़ा गया है। दो तीन अच्छे ऑफिसर्ज ने उसकी जांच की परन्तु आज भी उस सोसायटी के मामले में कोई ऐक्शन नहीं लिया गया। स्पीकर सर दिक्कत तो यह है कि जब कोई ऐसे मामले आते हैं तो उसमें कोई न कोई ऐसे तरीके से संलिप्त हो जाता है और फिर सरकार की कोई ऐसी मजबूरी अड़ जाती है जिससे लोगों को न्याय नहीं मिलता।

स्पीकर सर, एक बात डंकल प्रस्ताव के बारे में हम लाना चाहते थे, लेकिन उसको नहीं माना गया। आज भी कांग्रेस के एक साथी ने एक अच्छा प्रस्ताव रखा था। हमारी गुरु परम्परा के बारे में पाकिस्तान टिप्पणी करता है। यह ठीक है कि मुख्य मन्त्री जी ने कहा कि यह मामला विदेश नीति से जुड़ा हुआ है। पर स्पीकर साहेब, यह मामला एक ऐसे देश से जुड़ा हुआ है जिसने कदम कदम पर हमारे पंजाब की शांति भंग कर दी। जो आज भी आई0एस0आई0 के माध्यम से हमारे जन जीवन को अस्त व्यस्त करने की कोशिश कर रहा है। भारत अपने मुकदमें की पैरवी करने के लिए जनेवा में डटा हुआ है। स्पीकर सर, जान बूझ कर अगर हमारा सामाजिक इनफास्ट्रक्चर है, जो हमारी सामाजिक संरचना है, उसको ध्वस्त करने की साजिश हो रही है तो इस मामले में हरियाणा की असैम्बली, हरियाणा की जनभावना को अभिव्यक्त कर सकती है और इसके लिए this august House is competent in itself. स्पीकर साहेब, कर्नाटक के हाउस में और एक दूसरे प्रान्त के हाउस में डंकल प्रस्ताव के बारे में प्रस्ताव पास किया और उन्होंने कहा कि यह डंकल प्रस्ताव हिन्दुस्तान के लिए ठीक नहीं है। यह हिन्दुस्तान के किसान और गरीब आदमी को मारने का, दफनाने का षड़यन्त्र है। अमरीका भारत में आर्थिक गुलामी में जकड़ने के लिए प्रैशर टैक्टिक्स अपना रहा है। यह पाकिस्तान की पीठ पर हाथ रखकर हिन्दुस्तान में ईस्ट इंडिया कम्पनी का रोल अदा करना चाहता है। स्पीकर साहेब, सोलह सौ ईसवी में पांच दस लोग चाय की पत्ती बेचने कलकत्ता के बड़े बाजार में ईस्ट इंडिया कम्पनी बनाकर आए थे और धीरे-धीरे हमारी रियासतों के नवाबों को .....

श्री अध्यक्ष : चाय तो यहां से जाती थी न कि वे लेकर आए थे।

प्रो0 राम बिलास शर्मा : अपने काबू में कर लिया और पूरे हिन्दुस्तान पर पचास साठ साल में कब्जा कर लिया। इसलिए यदि डंकल प्रस्ताव के विरोध में हमारी हरियाणा की असैम्बली यह प्रस्ताव पास करे तो कोई नुक्सान वाली बात नहीं है। यहां पर सौ में से 85 आदमी खेती करते हैं। इस सरकार की प्राथमिकता क्या है,

[प्रो0 राम बिलास शर्मा]

यह इस बजह से पता नहीं लगता। यह शहर की सरकार है, यह गांव की सरकार है, यह गरीबों की सरकार है या अमीर की सरकार है, कहीं से भी यह बात प्रकट नहीं होती। ऐसा लगता है कि यह सरकार सिर्फ मन्त्रियों की सरकार है और आज हर काम में मन्त्री शामिल हैं। आज उनकी सुख सुविधा के लिए सारा सरकारी अमला-तमला लगा हुआ है। जनसेवा के लिए आज कोई जुटा हुआ नहीं है और आज जो लोग सरकार में बैठे हैं, उनमें जनसेवा की भावना बिल्कुल नहीं है। अभी ए0एस0आई0 की भर्ती की बात हुई, स्कूल अपग्रेड करने की बात कही गई। मुख्य मन्त्री जी काफी समय से मुख्य मन्त्री हैं। पिछली बार जब स्कूल अपग्रेड करने की बात आई तो सबसे ज्यादा स्कूल अपग्रेड हुए हिसार जिले के, सबसे ज्यादा ए0एस0 आई0 लगते हैं तो हिसार जिले के। स्पीकर साहब, इनको थोड़ा-सा बड़प्पन दिखाना चाहिए। इनको पूरे हरियाणा का प्रोप्रोशनेट विकास करना चाहिए। अब तो दो ही जगह विकास की दिक्कत आ रही है--एक कालका और दूसरे हिसार में। बाकी हरियाणा में बिजली मिले या न मिले, पानी मिले या न मिले, इसकी कोई चिन्ता नहीं है। स्पीकर साहब, जिस इलाके से मैं आता हूं, वहां मैं चार-पांच तारीख को था। हमारे महेन्द्रगढ़ डिस्ट्रिक्ट डिस्ट्रीब्यूटरी का पानी आगे जा रहा है। वहां के एक्स0ई0एन0 को मैंने कहा कि महेन्द्रगढ़ डिस्ट्रिब्यूटरी में दो महीने से पानी नहीं आया, यहां गेहूं की फसल सारी सूख जाएगी। हमें नहर विभाग के उस अधिकारी ने बताया कि हमें तो ऐसे आदेश हैं कि महेन्द्रगढ़ में पानी नहीं रोकना है, उसको आगे पहुंचाना है। मैंने कहा आप इस डिस्ट्रीब्यूटरी को खोल दें। मैंने सिंचाई मन्त्री श्री नेहरा के नोटिस में यह बात ला दी और उन्होंने बड़ी अजीबो गरीब बात बताई कि एक दम जमुना में पानी ज्यादा आ गया और किसी मन्त्री ने उस अधिकारी से इंडैन्ट करवाया है कि तुम महेन्द्रगढ़ डिस्ट्रीब्यूटरी में जल रोकने का इंडैन्ट मत भेजो। स्पीकर साहब, राजनीति आती जाती रहती है। कभी कोई मन्त्री बन जाता है, कभी कोई एम0एल0ए0 बन जाता है लेकिन हर आदमी को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। स्पीकर साहब, सभी चुनाव क्षेत्रों का सरकार को एक-समान ध्यान रखना चाहिए। जरूरत के हिसाब से हर क्षेत्र में काम सरकार को करने चाहिएं। स्पीकर सर, यह सरकार केवल मात्र मंत्रियों की ही सरकार है, इससे हरियाणा की जनता में भरपूर गुस्सा बढ़ रहा है।

श्री अध्यक्ष : राम विलास जी, आपका समय हो गया। (शोर)

(इस समय श्री सतबीर सिंह कादयान बोलने के लिए खड़े हुए)

श्री अध्यक्ष : कादयान साहब, रूलिंग पार्टी का टाईम 252 मिनट और आपकी पार्टी के मैम्बर 365 मिनट बजट पर और गवर्नर एड्रैस पर बोल चुके हैं और राम बिलास जी का टाईम इससे अलग है। (शोर)

प्रो० राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, मैं एक दो बातें कहकर के ही वाइंड-अप कर रहा हूं। मैं कहना चाहता हूं कि जो सरकार के घाटे के संस्थान हैं, इन सब के लिए सरकार को एक समान नीति बनानी चाहिए। यह नहीं होना चाहिए कि एक संस्थान पर एक नीति लागू हो और दूसरी पर दूसरी नीति लागू हो। स्पीकर सर, मेरा एक सुझाव है। स्पीकर सर, अब यह चुंगी-कर सरकार समाप्त करने जा रही है अच्छी बात है लेकिन उनमें जो हजारों कर्मचारी कार्यरत हैं, उनका भी सरकार को ध्यान रखना चाहिए। जो लोग 15-15, 16-16 साल के ज्यादा अर्से से लगे हुए हैं, उनको इस तरह से रिट्रैन्च नहीं किया जाना चाहिए। (शोर) हरियाणा कंकास्ट है, हैफड है, ये जो घाटे के संस्थान हैं, इनको बन्द करके कोई न कोई दूसरा विकल्प ढूंढना चाहिए। घाटे के सौदे को चलता रहने का कोई औचित्य नहीं है।

स्पीकर सर, ये संस्थानें डायरियां छपवाती हैं और दूसरे कई कामों पर फिजूल खर्ची करती हैं लेकिन कर्मचारियों को वेतन देने के लिए उनके पास पैसा नहीं है। इसलिए मेरा सुझाव है कि सरकार की जो फिजूल खर्चियां हैं, उनको कम करना चाहिए। जो भी दूसरे साधन हैं, उनको अपनाकर हर लिहाज से कम खर्च सरकार को करना चाहिए। मैं आपको बताता हूं कि जब कभी ग्रिवैंनसिज कमेटी की मीटिंग होती है तो एक ही सब-डिविजन से तहसीलदार बी-0डी0ओ0 वगैरह सभी जाते हैं और वे सभी अलग अलग अपनी अपनी गाड़ियों में जाते हैं। यह एक तरह से फिजूल खर्ची ही है। आज स्पीकर सर, हर आदमी पैट्रोल वगैरह के दाम बढ़ने से परेशान है लेकिन दूसरी ओर ये सरकारी अधिकारी कैसे पैट्रोल खर्च कर रहे हैं? इस लिए सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं कर्मचारियों से सम्बन्धित कुछ बातें कहूंगा कि मुख्य मन्त्री महोदय ने कर्मचारियों से जो वादा किया था इसके लिए बजट के अन्दर भी उसका प्रावधान किया गया है परन्तु उनकी केवल एक दो बातें ही मानी। एक तो 100 रुपया इंटेरिम रिलीफ के तौर पर दिया और दूसरा 45 रुपए से बढ़ाकर 60 रुपए की राशि मैडीकल अलाऊंस के रूप में की है। बाकी जो बातें थीं, वे मुख्यमन्त्री महोदय ने मानी थी। उसमें एक डिमांड पंजाब के समान वेतनमान की भी थी। उसके ऊपर भी सरकार को गौर करना चाहिए।

स्पीकर सर एक ओर तो सरकार यह घोषणा कर रही है कि जो कर्मचारी पांच-छः सालों से काम कर रहा है, उसको रेगुलर कर रहे हैं लेकिन दूसरी तरफ कर्मचारियों की छंटनी कर रहे हैं। इसकी एक मिसाल मैं आपको देता हूं। हमारे यहां एक ऐक्सीअन श्री रामपाल सिंह से मेरी बात हुई। मैंने उन से चर्चा भी की थी कि जो 40 लोग 6-7 सालों से लगे हुए हैं, उनको रिट्रैन्च कर दिया गया है।

श्री अध्यक्ष : आपके लगाए हुए थे क्या ?

प्रो० राम विलास शर्मा : नहीं जी, हमारे से पहले के लगे हुए थे और उनकी इस सरकार ने रिट्रेंच कर दिया और वह ऐक्सीअन इस बारे में क्या कहता है--रात को मैं गया था, वहां पर टैंकी चल रही थी पानी की, मोटर भी चल रही थी। मेस्ट्रल पर बैठा ऊंघ रहा था। स्पीकर सर, अगर रात के 12 बजे ऊंघ रहा था तो उसको सावधान कर दो। अगर ज्यादा ही करना है तो दो दिन की हाजरी काट लो। अगर वह ऊंघ रहा था तो नौकरी ही खत्म कर दो, यह कहां का इन्साफ है? यहां पर तो सारी सरकार ही ऊंघ रही है। अभी सम्पत सिंह जी ने लछमन दास अरोड़ा को बड़ी मुश्किल से जगाया है, वह खर्राटे भर रहे थे। दर्शक दीर्घा को भी डिस्टर्ब कर रहे थे। तो स्पीकर साहब, मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि एक तरफ तो सरकार यह कह रही है कि हम रेगुलेराइज करेंगे और एक तरफ कर्मचारियों को हटाया जा रहा है। कम से कम सरकार को अपने वचन का पालन करना चाहिए और इस सारनौल के पब्लिक हैल्थ के मामले को गौर से देखना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : राम विलास जी, आपका समय हो गया, आप बैठिए।

प्रो० राम विलास शर्मा : स्पीकर सर, हम आपको नाराज नहीं कर सकते क्योंकि अगर आप नाराज हो गए तो समझो हमारा तो भगवान ही नाराज हो गया। यही दो चार शब्द कहने की बात होती है, जो आपकी अनुमति से, आप के संरक्षण से बोल पाते हैं। स्पीकर साहब, इसी तरह से यहां पर शूगर मिलों की बात भी चली।

श्री अध्यक्ष : आपके एरिया में कौन सा शूगर मिल है?

13.00 बजे

प्रो० राम विलास शर्मा : स्पीकर साहब, शूगर मिल की बात आई है, अगर इनकी कृपा रही तो मेरे इलाके में शूगर मिल नहीं लगेगा। वहां पर तो बाजरा ही बड़ी मुश्किल से हो पाता है। सारे देश के अन्दर शूगर मिल मुनाफे में चल रहे हैं और चीनी के दाम इतने बढ़े हुए हैं लेकिन हमारे हरियाणा में ये मिल घाटे में चल रहे हैं? मैं चाहता हूं कि इसकी जांच होनी चाहिए। इसके अलावा किसानों को महीनों तक गन्ने की पेमैन्ट नहीं होती। मुझे नहीं पता कि मशीनरी में डिफैक्ट है, नियत में डिफैक्ट है या नीति में डिफैक्ट है। मैं चाहता हूं कि इसकी जांच होनी चाहिए। धन्यवाद।

बिजली मन्त्री (श्री ए०सी० चौधरी) : स्पीकर साहब, अपने भाषण के दौरान में श्री ओम प्रकाश चौटाला ने अपनी बात रखते हुए बिजली डिपार्टमैंट के बारे में कुछ ऐसी बातें कहीं जो सच्चाई से कोसों दूर हैं। पहली बात उन्होंने यह कही कि बिजली की प्रोडक्शन डाउन हो रही है। उन्होंने कहा कि मेरे वक्त में बिजली की प्रोडक्शन बहुत ज्यादा थी। मैं आंकड़े देकर कहना चाहता हूं कि 1989-90 में 208 लाख यूनिट प्रति दिन पैदा हुई थी और 1990-91 में 229 लाख यूनिट पैदा हुई थी। आज की सरकार को यह क्रैडिट जाता है कि 1991-92 में 268 लाख यूनिट बिजली प्रति

दिन पैदा हुई और 1992-93 में 297 लाख यूनिटस। आज के दिन जबकि पौंग डैम में पानी की कमी हुई है और वहां पर हमारे लिए बिजली की जनरेशन 40 लाख यूनिट कम हुई फिर भी 285 लाख यूनिटस हमने सर्कुलेशन में दी।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, ये प्रोडक्शन की परसैंटेज के हिसाब से बताएं, ये अब भी हाउस को गुमराह कर रहे हैं। आप जो सैन्ट्रल पूल से ले रहे हैं, वह न बताएं।

श्री ए० सी० चौधरी : स्पीकर साहब, दूसरी बात इन्होंने कह दी कि चार पांच और प्लांट इनके वक्त में लगे। ये अगर कह देते कि आपने लगाए थे और गलती से इनके पीरियड में चालू हो गए तब तो ठीक था, मैं मान लेता। चौथा प्लांट जो हमारा 110 मैगावाट का है, उसको बनाने में कम से कम तीन साल से ज्यादा लगे। वह भी तब अगर उस पर दिन रात काम चले। वह चालू हुआ जनवरी 1987 में। इनका दावा केवल इस हद तक सही है। पांचवां प्लांट 210 मैगावाट का है जिसको पूरा करने में पांच साल चाहिएं। इसका कूलिंग टावर ही डेढ़ साल से कम में पूरा नहीं हुआ था। यह मार्च 1989 में चालू हुआ था।

श्री सतबीर सिंह काबवान : स्पीकर साहब, पांचवां यूनिट अक्तूबर, 1990 में चालू हुआ था, इसके बारे में मन्त्री जी कन्फर्म कर लें।

श्री ए० सी० चौधरी : स्पीकर साहब, वह 28-3-1989 को कमिशन कर दिया गया था। उसको फाउंडेशन चौधरी भजन लाल ले रखी थी। इसके अलावा, इन्होंने कह दिया कि बिजली न होने की वजह से पानी नहीं मिल रहा है और किसानों की सारी फसलें जल गईं। मैं रिकार्ड की बात करूंगा कि इस साल भगवान की कृपा से जितना धान हुआ है, उसने अब तक का हरियाणा का रिकार्ड तोड़ा है। इसी तरह से गेहूं और सरसों की फसल भी रिकार्ड तोड़ेगी। इसके अलावा इन्होंने कह दिया कि इनके वक्त में प्लांट लोड फैक्टर कम थे। स्पीकर साहब, पानीपत थर्मल प्लांट में 1989-90 में 43.04 परसैंट लोड फैक्टर था, 1990-91 में 30.26 परसैंट था और उसके बाद जब हमने 1991-92 में टेक-ओवर किया तो 43.07 लोड फैक्टर थे। उसके बाद 1992-93 में 46.97 परसैंट और 1993-94 में इस वक्त 36.26 परसैंट हैं जबकि पौंग डैम में पानी कम था। आज के दिन बिजली जनरेशन की 50 परसैंट की एवरेज है। इस हालत में यह कहना कि बिजली इन्होंने दी, यह बिल्कुल सरासर गलत बात है। इन्होंने कह दिया कि थर्मल प्लांट एन० टी० पी० सी० को सौंपा जा रहा है। स्पीकर साहब, सरकार के पास तो ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। इनकी पार्टी के कुछ मैम्बर कह रहे हैं कि एन० टी० पी० सी० को दे दो और कुछ मैम्बर कह रहे हैं कि न दो। अब इस बात का ये आपस में निपटारा कर लें।

श्री कृष्ण लाल : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है । मंत्री जी हाउस को गुमराह कर रहे हैं । कह रहे हैं कि आज के दिन हमारी स्टेट में कोई भी थर्मल प्लांट ऐसा नहीं है, जो बंद पड़ा हो । मैं इनको बताना चाहूंगा कि पानीपत के थर्मल प्लांट की एक से तीन यूनिट आज भी बंद पड़ी हैं और चौथी यूनिट एक दो दिन में बंद होने वाली है ।

श्री ए० सी० चौधरी : स्पीकर साहब, थर्मल प्लांट के बारे में तो मैंने अभी कोई जिकर किया ही नहीं है ।

श्री कृष्ण लाल : स्पीकर साहब, मंत्री जी ने कहा कि 210 मैगावाट का यूनिट इनके वक्त में कमिशन हुआ था, यह गलत बात है । मैं इनको बताना चाहूंगा कि उस यूनिट को चालू करने के लिए हमारी पार्टी के राज में बिजली बोर्ड के कर्मचारियों को इनसैंटिव दिया गया था । हमने इस यूनिट को बहुत जल्दी तैयार किया है। इसलिए अक्तूबर 1990 में वह यूनिट तैयार हो गया था, चालू हो गया था । उस यूनिट को 1990 में चालू करने पर हमारी सरकार ने कर्मचारियों को बतौर इनसैंटिव ईनाम दिए थे ।

श्री ए० सी० चौधरी : स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य के प्वायंट ऑफ आर्डर को समझ नहीं पाया, शायद माननीय सदस्य अपनी मौजूदगी यहां लिखवाना चाहते हैं । इसके अलावा, इन्होंने कह दिया कि बिजली की चोरी है और लाइन लौसिज बहुत ज्यादा हैं । मैं इनको बताना चाहूंगा कि आपके वक्त में भी लाइन लौसिज बहुत ज्यादा थे । मैं आपको बताना चाहूंगा कि वर्ष 1989-90 में 29.01 परसैंट लाइन लौसिज थे । वर्ष 1990-91 में 27.58 परसैंट थे । वर्ष 1991-92 में 27.27 परसैंट थे । 1992-93 में 25.22 परसैंट थे । 1993-94 में 27.97 परसैंट हैं । यह मैं आपको रिकार्ड की बात बता रहा हूं । स्पीकर साहब, इन्होंने कह दिया कि 20 हजार ट्रांसफारमर्ज डैमेज हुए । ट्रांसफारमर डैमेज होने का टैक्नीकल प्रोसैस है । ट्रांसफारमर बिजली के ओवर लोड होने के कारण डैमेज होते हैं । जिन हालात में पांच हार्स पावर की मोटर चलानी चाहिए, उन हालात में लोग 10 और 12 हार्स पावर की मोटरें चलाते हैं तो वह लोड ट्रांसफारमर पर ही पड़ेगा । लेकिन फिर भी यह क्रैडिट हमारी सरकार को जाता है कि आज के दिन एग्रीकल्चर सैक्टर में डैमेज हुए ट्रांसफारमर को बदलने में 3 या 4 दिन नहीं लगाते, केवल दो ही दिन में बदल देते हैं । इसके अलावा, इन्होंने कह दिया कि मैटीरियल सब-स्टैंडर्ड है । स्पीकर साहब, जहां तक थर्मल प्लांट के मैटीरियल का ताल्लुक है, थर्मल प्लांट का मैटीरियल हम बी० एच० ई० एल० से लेते हैं, उससे अच्छा मैटीरियल सप्लायर कोई और नहीं हो सकता । जो जनरल मैटीरियल है, उसमें कोई थोड़ी बहुत कमी हो सकती है, उसको हम समय समय पर चैक भी करते रहते हैं । स्पीकर साहब, इन्होंने एक बात कह दी कि एग्रीकल्चर सैक्टर में बिजली की नोमीनल चोरी हो रही है लेकिन

इंडस्ट्रीयल सैक्टर में सबसे अधिक चोरी हो रही है और कह दिया कि वह चोरी ये खुद करवा रहे हैं । स्पीकर साहब, जो बिजली के बल्क कंज्यूमर्ज हैं, उनके लिए हमने डिजिटल मीटर लगा दिए हैं । उस मीटर के अन्दर मैमोरी है यदि कोई आदमी उसको छेड़ने की कोशिश करेगा तो वह रीडिंग के वक्त पकड़ा जा सकता है । बिजली की चोरी के मामले में उनकी बात सही है । मैं उसको डिनाई नहीं करता लेकिन हम बिजली की चोरी को रोकने की पूरी कोशिश करेंगे, उसको चैक करेंगे ।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने हाइडल प्रोजैक्ट के बारे में सुझाव दिया कि हाइडल प्रोजैक्ट अधिक से अधिक लगाये जाने चाहियें । हमने इस बारे में जागरूकता बरती है और हमारी कोशिश होगी कि अधिक से अधिक हाइडल प्रोजैक्ट लगें ताकि हमें ज्यादा से ज्यादा रिसोर्सिज प्राप्त हो सकें । अध्यक्ष महोदय, साथ ही चौधरी बंसी लाल जी ने बताया कि जब भाखड़ा के पानी में हमारा 52 परसैन्ट शेयर है तो बिजली में भी उसी हिसाब से शेयर होना चाहिये । यह बात कल ही ये नोटिस में लाये । इसको एग्जामिन करेंगे और इस सुझाव पर पूरी तरह से विचार करेंगे । बोलते हुए राम बिलास शर्मा जी ने टाटा वालों का जिक्र किया कि उनके वहां पर बिजली कभी भी नहीं जाती । इस बारे में मैं हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि उनको जितनी बिजली की जरूरत है, उससे ज्यादा उनकी प्रोडक्शन है, इसलिए वहां पर बिजली जाती ही नहीं । हम 55 से 65 परसैन्ट बिजली एग्रीकल्चर साइड में देते हैं, जिसके ऊपर हमें किसानों को सबसिडी देनी पड़ती है जबकि उनके यहां पर ऐसा नहीं है । साथ ही इन्होंने बोलते हुए कहा कि महेन्द्रगढ़ में फसल सूख गई है । मैं इस बारे में सदन के सदस्यों को बताना चाहता हूं कि इस साल महेन्द्रगढ़ में भी इतनी अधिक फसल पैदा होगी जो आज तक कभी भी नहीं हुई होगी । जहां पर पानी की कमी है, वहां पर हमने बिजली भी पहुंचाई है ताकि लोग अपने ट्यूबवैलों से सिंचाई कर सकें । इसलिए इस मामले में इनको कोई इल्जाम लगाने की जरूरत नहीं है । जब फसल आयेगी तो पता चल जायेगा कि वहां पर फसल कम हुई है या अधिक । धन्यवाद ।

वित्त मन्त्री (श्री मांगे राम गुप्ता) : अध्यक्ष महोदय, आपकी इजाजत से मैंने 7-3-94 को इस हाउस में 1994-95 का बजट अनुमान पेश किया । माननीय सदस्यों ने बजट अनुमानों पर विस्तार से चर्चा की है । जहां ट्रैजरी बैंचिज के माननीय सदस्य हैं, स्वाभाविक है कि उन्होंने सरकार के अच्छे कार्यों की सराहना की और विरोधी पक्ष के सदस्यों ने भी अपने कर्तव्य को निभाने का पूरा-पूरा प्रयास किया है । विरोधी पक्ष के भाइयों ने बोलते हुए कुछ सुझाव भी दिए और अपनी नाराजगी भी जाहिर की है, साथ ही कहा गया कि इस बजट में आम आदमी के लिए कोई सुविधा नहीं दी गई और साथ ही कहा गया कि न तो किसानों के हितों का ध्यान रखा गया, न व्यापारियों का ध्यान रखा गया, न हरिजनों का हित ध्यान में रखा गया ।

[श्री मांगे राम गुप्ता]
राम बिलास जी ने तो यहां तक कह दिया कि इस बजट में किसी के लिए कोई भी सुविधा या लाभ नहीं दिया गया ।

अध्यक्ष महोदय, आप देखेंगे कि जब बजट हाउस में पेश किया जाता है और अगले दिन अखबारों में छपता है तो उस बारे में आम लोगों की प्रतिक्रियाएं और प्रेस की अपनी प्रतिक्रियाएं होती हैं कि बजट अच्छा है या नहीं । अध्यक्ष महोदय, आपने किसी भी अखबार में यह नहीं पढ़ा होगा कि इससे आम लोगों का हित नहीं होगा । हर तरफ इस बजट को सराहा गया है । (तालियां) हमारे बजट की व्यापरियों ने सराहना की, किसानों ने की, और आम तबके के लोगों ने की । अध्यक्ष महोदय, सदन में दो ही प्रमुख विरोधी पार्टीज हैं, एक सजपा और दूसरी हरियाणा विकास पार्टी, जिसके लीडर चौधरी बंसी लाल जी हैं, वे भी मुख्य मन्त्री रहे हुए हैं । दोनों नेताओं ने इन बजट अनुमानों पर काफी चर्चा की । चौधरी ओम प्रकाश जी ने बड़ी गहराई से इस बजट को पढ़ने का प्रयास किया या किसी अच्छे सलाहकार ने इनको बजट के बारे में ब्रीफ करवाने का प्रयास किया । इन्होंने अपनी स्पीच में आंकड़ों की चर्चा की है, स्पीकर साहब, बजट आंकड़ों से ही बनता है और आंकड़ों की तरफ ध्यान दिलाना एक अच्छी बात है । मैं इसमें कोई बुराई नहीं मानता । बजट में अगर कोई खामियां रह गई हैं तो उनको दूर किया जा सकता है । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि ओम प्रकाश जी को जिस व्यक्ति ने ब्रीफ करवाया या तो वह जल्दी में था या ओम प्रकाश जी खुद जल्दी में थे । बजट फिगर्ज को समझना आसान काम नहीं है । चौधरी साहब को ब्रीफ करवाने वाले ने जितना ब्रीफ करवाया, उतनी बात इन्होंने कह दी । इन्होंने इस बात को माना कि वैसे तो यह बजट टैक्स रहित है परन्तु इन्होंने संशय जाहिर कर दिया कि टैक्स पहले से ही लगा दिए गए हैं और इन्होंने इस बाबत चीनी, खाद और तेल का जिक्र कर दिया । स्पीकर साहब, इन चीजों पर टैक्स लगाने में हरियाणा सरकार का कोई सम्बन्ध नहीं है, हम लोग इन चीजों पर टैक्स लगा ही नहीं सकते । (विघ्न) बिजली के बारे में भी ए0 सी0 चौधरी ने विस्तार से जवाब दे दिया है । अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही पीने के पानी की चर्चा भी इन्होंने की । इन्होंने कहा कि बजट अनुमानों में इस पर 8. समथिंग का खर्च है जबकि प्रावधान 2. कुछ का किया गया है, इसलिए ये इसको किस प्रकार से करेंगे । इन्होंने संशय जाहिर किया कि पीने के पानी के रेट्स बढ़ाए जाएंगे, । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी ओम प्रकाश जी के ध्यान में यह बात लाना चाहूंगा कि पीने के पानी के रेट्स बढ़ाने का हमारा कोई प्रावधान नहीं है और न ही पानी के रेट्स बढ़ाए जाएंगे । पिछले साल हमने म्युनिसिपल कमेटियों का वाटर सिस्टम बदल दिया था और म्युनिसिपल कमेटियों की वाटर वर्क्स सप्लाई पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट को दे दी गई थी । वाटर वर्कस की सप्लाई का सारा खर्च अब पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट करेगा इसलिए वाटर रेट्स को बढ़ाने का कोई सवाल ही नहीं है ।

अध्यक्ष महोदय, इरिगेशन पर चर्चा करते हुए इन्होंने संशय जाहिर किया है कि इसके खर्च को कैसे पूरा किया जाएगा जब कि खर्च 42.63 का है और बजट प्रावधान 21. कुछ का किया गया है । अध्यक्ष महोदय, सभी माननीय सदस्य इस बारे में चिन्तित हैं और हमारी इस बारे में बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी है । हरियाणा प्रान्त एक कृषि प्रधान प्रदेश है इसलिये जब तक हरियाणा के किसान के खेत को पानी नहीं मिलेगा, तब तक अनाज कम पैदा होता रहेगा । अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के किसान ने काफी कोशिश की है और केन्द्र में बहुत बड़ा अनाज का भण्डार भेजा है । अगर किसान के खेत को पूरा पानी मिले तो पैदावार और भी ज्यादा रिकार्ड तोड़ हो सकती है । जितनी पैदावार अधिक होगी, उतना ही प्रदेश का विकास होगा । अध्यक्ष महोदय, नहरों में पानी लाने के लिए, नई नहरें बनाने के लिए, खालों को पक्का करने के लिए बहुत ज्यादा पैसे की आवश्यकता है । स्टेट के जो आमदन के साधन हैं, वह इतने ज्यादा नहीं हैं कि इन सारे कामों को पूरा करने के लिए पूरा पैसा सरकार इरिगेशन डिपार्टमैंट को डिस्ट्रिब्यूट कर सके । अध्यक्ष महोदय, जो खाल टूट गए हैं उनको मुरम्मत करने की जरूरत है, नई खालें बनानी हैं और डी-सिल्टिंग के बारे में भी यहां पर बार-बार चर्चा होती रही है और माननीय सदस्य शिकायत करते हैं कि नहरें अटी पड़ी हैं, उनकी डी-सिल्टिंग करवाई जाए । इसके लिए इरीगेशन डिपार्टमैंट ने एक बहुत बड़ा प्रोजैक्ट बना कर सरकार को भेजा है, एक योजना बना कर सरकार को दी है । सरकार के पास अपने साधन इस वक्त इतने नहीं हैं कि इन सारे कामों को करवा सके । इसलिये सरकार ने योजना बनाई है कि इन कामों के लिए वर्ल्ड बैंक से पैसा लिया जाए । उसी के मुताबिक आठ सौ करोड़ रुपए का एक प्रोजैक्ट बना हुआ है । यह प्रोजैक्ट पांच साल में नहरों के लिए, डी-सिल्टिंग के लिए और खालों को पक्का करवाने के लिए बना है । कुछ दिन पहले वर्ल्ड बैंक की टीम हमारे यहां पर आई थी । उसने हरियाणा की कारगुजारी देखकर कहा कि हम पैसे तो दे देंगे लेकिन उन्होंने एक कंडीशन लगा दी । उन्होंने कहा कि 1970 में टैक्स रेट करने की कोई स्कीम नहीं बनाई । तो उन्होंने हमारे इरीगेशन मिनिस्टर के साथ बैठकर बात की और इसको थोड़ा-सा इन्क्रीज करने का फैसला हो गया । हमने इरिगेशन सैक्टर में 10 प्रतिशत बढ़ाने का फैसला किया है । हमारा जो पानी किसान को सप्लाई होता है, उससे मार्किट बोर्ड को आमदनी होगी, उसमें 42 करोड़ रुपए हमारे इन्क्रीज होंगे । जब हमने वर्ल्ड बैंक को यह प्रपोजल दिया तो वे खुश हो गए और आपको यह जानकर भी खुशी होगी कि वर्ल्ड बैंक ने हमारी आठ सौ करोड़ रुपए की स्कीम मान ली है। अध्यक्ष महोदय, 10 प्रतिशत बढ़ाने से हरियाणा के किसानों के ऊपर 1 करोड़ 42 लाख रुपए पड़ेंगे । अध्यक्ष महोदय, जब भी इस हाउस में चर्चा होती है तो एस0 वाई0 एल0 के बारे में बड़ी चर्चा होती है । ये एस0 वाई0 एल0 के बारे में बहुत चिंता करते हैं, यह अच्छी बात है । अध्यक्ष महोदय, इस नहर का बनना हरियाणा के लिए जीवन, मरण का सवाल है । उन्होंने पंजाब का भी जिक्र किया है । मेरे विरोधी पक्ष वाले साथी कहते हैं कि इस

[श्री मांगे राम गुप्ता]

पर जो कुछ खर्च किया है, वह इन्होंने ही किया है, ऐसी कोई बात नहीं है । । अध्यक्ष महोदय, हमने ही प्रस्ताव पास करवाया है और पूरी गारन्टी के साथ प्रस्ताव पास किया है । ओम प्रकाश जी बोलते हैं कि हमारी सरकार पंजाब से दबती है, केन्द्र से दबती है । अध्यक्ष महोदय, 26 सितम्बर को जालन्धर में एक बहुत बड़ा शहीदी दिवस मनाया गया । उसमें पंजाब के मुख्य मन्त्री जी अध्यक्षता कर रहे थे और हरियाणा के मुख्य मन्त्री जी को चीफ गैस्ट के तौर पर जाना था, लेकिन जरूरी मीटिंग होने की वजह से वे नहीं जा पाए । वहां पर बहुत से विरोधी पक्ष के लोग भी गए हुए थे । लेकिन कुछ दिन पहले एक बहुत जरूरी मीटिंग सैन्टर में आ गयी जिसकी वजह से आदरणीय मुख्य मन्त्री जी उस फंक्शन में नहीं जा सके और इन्होंने दिल्ली से मेरे को आदेश दिया कि चूंकि इन्होंने वह न्यौता स्वीकार किया हुआ है इसलिये मैं ही इनके बिहाफ पर उस फंक्शन में चला जाऊं । इसलिये मैं 26 सितम्बर के फंक्शन में गया । अध्यक्ष महोदय, वहां पर अकाली नेताओं ने बोलते हुए पंजाब के मुख्य मन्त्री पर एक चोट कर दी और वे कहने लगे कि बेअन्त सिंह जी, पंजाब की जनता ने आपको यह सोचकर मुख्य मन्त्री बनाया है कि पंजाब के हितों की रक्षा करें । हरियाणा , पंजाब के साथ बड़ी बेइन्साफी कर रहा है । जो पंजाबी भाषी इलाके हैं और चण्डीगढ़ का इलाका है, वह हरियाणा आज तक भी पंजाब को नहीं दे रहा है लेकिन पंजाब के लोग इस बेइन्साफी को बर्दाश्त नहीं करेंगे । अध्यक्ष महोदय, मैं वहां पर हरियाणा की नुमाइन्दगी कर रहा था । हरियाणा की धरती पर तो सब लोग बोलते होंगे, जैसे अभी दो दिन पहले ही ये प्रस्ताव पारित करने की बात कर कर रहे थे लेकिन मैंने पंजाब की धरती पर ही कहा था, जिस धरती पर उग्रवादियों ने श्री बिट्टा पर बमों से हमले किए थे । बिट्टा भी उस सम्मेलन में मौजूद था, जिसको उग्रवादियों ने मारने का षडयन्त्र किया था । उसी पंजाब की धरती यानि जालन्धर में हमने जवाब दिया था, जिस पर पंजाब का एक भी अकाली लीडर नहीं बोल सका था । जो कुछ मैंने कहा था, वह एक अखबार में छपा हुआ है जिसका हैडिंग है "राजनीतिक नेता नाइन्साफी के नाम पर पंजाब व हरियाणा के विवादों को न उठाएं" । अध्यक्ष महोदय, जो इस अखबार में दिया है, मैं आपको उसकी चन्द लाइनें पढ़कर सुनाना चाहता हूं । यह मैं इसलिए सुनाना चाहता हूं कि ये लोग कहते हैं कि हरियाणा की सरकार नपुंसक है । अध्यक्ष महोदय, अखबार में लिखा है— श्री मांगे राम गुप्ता, जो अपने से पूर्व कुछ वक्ताओं द्वारा पंजाब से नाइन्साफी का मामला उठाए जाने के दृष्टिगत अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे, ने कहा कि वह यह नहीं सोच कर आए थे कि इस समारोह में ये राजनीतिक मुद्दे उठाए जाएंगे । अब जब यह मुद्दे उठाए ही गए हैं और विशेषकर पंजाब से नाइन्साफी के नाम पर, तो उनके लिए कुछ कहना अनिवार्य हो गया है । श्री गुप्ता ने कहा कि पहली बात तो वह यह नहीं समझ पा रहे कि पंजाब के साथ नाइन्साफी क्या हुई और यह किसने की है ? उन्होंने कहा कि हरियाणा तो पंजाबी सूबा मांगने

वालों ने जबरदस्ती बनवाया और वह कह सकते हैं कि पंजाब बड़ा भाई है और हरियाणा छोटा भाई । इस दृष्टि से यह ध्यान में रखना भी जरूरी है कि पुनर्गठन के समय जो दोनों राज्यों की लेन देन की जिम्मेदारियां तय हुई थीं वह हरियाणा पूरी तरह निभा रहा है । श्री गुप्ता ने कहा कि पंजाब व हरियाणा के बीच पानी आदि के मामलों को भी उच्चस्तरीय नेताओं ने दोनों राज्यों की सहमति से निपटाया, किन्तु उन पर अमल नहीं किया गया और उसमें पंजाब का ही हाथ रहा, हरियाणा का नहीं । इसलिए वे कह सकते हैं कि नाइन्साफी यदि हुई है तो हरियाणा से हुई है । पानी तो अभी भी सारा पंजाब के पास है, मगर हरियाणा की नहर का निर्माण रुका हुआ है ।

श्री गुप्ता ने कहा कि वह श्री बेअंत सिंह से कहेंगे कि लोग आपकी तरफ देख रहे हैं कि बड़े भाई के नाते पंजाब हरियाणा से न्याय करे, इन्साफ दें, नहर का पानी दे ।"

अध्यक्ष महोदय, इस तरह से आप देखेंगे कि हमारी यही मांग है कि इन मुद्दों को जल्दी ही निपटाया जाए । इन मुद्दों को राजनैतिक मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए । आगे इस अखबार में कहा गया है—"श्री गुप्ता ने कहा कि पानी का मामला राजनीति व वोट का नहीं, किसान की भूमि को पानी देने का है, चाहे वह किसान पंजाब का है या हरियाणा का । यदि हम देश की एकता की दृष्टि से विचार करेंगे तो इस मामले को निपटाने में भी कोई दिक्कत नहीं आ सकती "।

अध्यक्ष महोदय, अन्त में मैं एक लाईन और पढ़ना चाहूंगा । मैंने जो कुछ वहां पर कहा था उसके जवाब में सरदार बेअन्त सिंह जी ने कहा—"गुप्ता जी, मुझे दुख है कि हमारे कुछ नेताओं ने इस तरह की बातें कहीं जो इस समय नहीं करनी चाहिए थी । मैं इसके लिए माफी चाहता हूं" । उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब सरकार हरियाणा के साथ विवाद वार्ता से हल करना चाहती है । उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार एस0 वाई0 एल0 नहर के निर्माण के लिए वचन बद्ध है । उन्होंने बादल का नाम लेकर कहा कि जो लोग उसका विरोध करते हैं, यह वही हैं जिन्होंने इस नहर के लिए अपनी सरकार के समय भूमि अधिग्रहण की थी और नहर निर्माण के लिए उस समय के हरियाणा के मुख्य मन्त्री से एक करोड़ रूपया लिया था । उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एस0 वाई0 एल0 के निर्माण के लिए वचनबद्ध है । (शोर) मैं यही कह रहा हूं, आप यह कैसे कह रहे हैं ? आप किसानों को जाकर भड़काएं कि हरियाणा सरकार एस0 वाई0 एल0 के निर्माण के लिए कोशिश नहीं करती । हम लोग तो अपनी जान की बाजी लगाकर एस0 वाई0 एल0 के निर्माण की कोशिश कर रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

———

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, आप कितना टाईम और लेंगे ?

वित्त मन्त्री (श्री मांगे राम गुप्ता) : दो बजे तक बढ़ा दें ।

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय 15 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाये ।

आवाजें : जी हां ।

श्री अध्यक्ष : हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है ।

वर्ष 1994–95 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता) अध्यक्ष महोदय, एस0 वाई0 एल0 के लिए हमने इस बजट में 16 करोड़ 65 लाख रुपये का प्रावधान किया है .....

प्रो0 राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। गुप्ता जी ने बड़ा ठीक फर्माया । इन्होंने जालन्धर में जाकर बड़ी बहादुरी की बात कही । परन्तु जो बजट इन्होंने खुद बनाया है, खुद प्रस्तुत किया है, उसमें एस0 वाई0 एल0 के लिए जो प्रावधान रखा है, वो मैंने पढ़ा है, उसमें कोई पैसा नहीं रखा है, इन्होंने सिर्फ उम्मीद जाहिर की है कि हमें आशा है कि पंजाब में कानून और व्यवस्था में सुधार होने के बाद नहर का निर्माण होगा ।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, बहुत से सवालों का जवाब आप रोज देख रहे हैं। गवर्नर ऐड्रस पर बहस हुई। विरोधी पक्ष के लोगों ने स्कूलों की अप-ग्रेडिंग के, हॉस्पीटल के, रोड्ज के मसले उठाए। आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने जवाब देते हुए बहुत सी बातों का जवाब दे दिया। वैसे बीच में भी बहुत से जवाब आए हैं जिनसे माननीय सदस्यों की तसल्ली हो गई होगी, नहीं हुई होगी तो कर देते हैं। अध्यक्ष महोदय, संपत सिंह जी ने और ओम प्रकाश बेरी जी ने चर्चा करते हुए कहा कि लाटरी डिपार्टमैंट की बहुत बड़ी ट्रांजैक्शन है लेकिन मुनाफा थोड़ा है, लोग बर्बाद हो रहे हैं, लाटरी बन्द होनी चाहिये। अध्यक्ष महोदय, पिछले साल हमने यह लाटरी बन्द कर दी थी तो संपत सिंह ने यह कहा था कि इससे 4–5 करोड़ का लाभ होता था, इन्होंने सत्यानाश कर दिया और नौकरीपेशा लोगों को हटा दिया। अध्यक्ष महोदय, मैंने उसी वक्त इनको हाउस में चैलेन्ज करते हुए कहा था कि अगर प्रोफैसर सम्पत सिंह जी यह चाहते हैं कि हम एक बार फिर लाटरी को दोबारा चालू करें

तो हम इसको दोबारा भी चालू कर देंगे । डेली लाटरी में कोई इन्वैस्टमैंट की बात नहीं है ।

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, पिछली बार भी इस बारे में यहां पर जिक्र आया था । मैंने उस समय यह कहा था कि ऐसे एजैन्ट के हाथ में इन्होंने लाटरी की टिकटें दे दीं जो इनके पैसे खाकर भाग गया, रफ्फू चक्कर हो गया और इनकी सरकार को चूना लगा गया । इस वजह से इनके अधिकारी फंसे पड़े हैं । इस बारे में बाकायदा मेरा इन्टरव्यू भी टी0 वी0 पर आया और श्री मांगे राम गुप्ता जी का इन्टरव्यू भी टी0 वी0 पर आया था । मैंने उस वक्त यह कहा था कि यह लाटरी बन्द करनी चाहिये । चूंकि यह सैंट्रल एक्ट के तहत है, इसलिये हम इसको अपने आप बन्द नहीं कर पायेंगे, इसलिये हम अपनी रिकोमैंडेशन दे सकते हैं और उनसे यह कह सकते हैं कि इसे बन्द करें आज भी हम उसी स्टैंड पर कायम हैं कि इसको बन्द करना चाहिये ।

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, कल रात को जब मैं अखबार पढ़ रहा था तो मैंने यह देखा कि राजस्थान सरकार की कोई डेली लाटरी थी, वह उन्होंने बन्द कर दी है । उन्होंने यह लाटरी यह कहते हुए बन्द कर दी है कि इससे गरीब आदमी मारे जाते हैं । आपको भी डेली लाटरी को बन्द करने पर विचार करना चाहिये । आप बेशक लम्बी लाटरी चलने दो लेकिन डेली लाटरी को बन्द करने पर आपको विचार करना चाहिये ।

श्री मांगे राम गुप्ता : न तो यह हमारी आमदनी का जरिया है और न ही इसमें कोई इन्कम का सवाल है । इस के बारे में जैसे प्रो0 सम्पत सिंह ने यह कहा है कि इसको बन्द किया जाये, इसके लिये पार्लियामैंट एक्ट बना हुआ है । बाकायदा सैंट्रल एक्ट है, जो सैंट्रल गवर्नमैंट ने पास किया हुआ है । यह तो पार्लियामैंट की पावर की बात है, हम यह पास नहीं कर सकते कि इसको बन्द किया जाये । हम तो हरियाणा सरकार की तरफ से चलने वाली लाटरी को ही बन्द कर सकते हैं । हम तो अपनी तरफ से चलने वाली लाटरी को ही बन्द कर सकते हैं लेकिन जो दूसरे प्रदेशों की लाटरी है, उसको हम बन्द नहीं कर सकते । जितनी प्राइवेट लाटरीज थीं, जो पहले कुछ लोगों ने खोल रखी थीं, वह हमारी सरकार ने बन्द कर दी हैं, इनसे लोगों के साथ ठगी होती थी । इसके अलावा, एम0 पी0 ने लाटरी बन्द कर दी है । मैं यह विश्वास के साथ कहना चाहता हूं कि यह जो डेली लाटरी चल रही है, हम उसको बन्द करने के बारे में विचार कर सकते हैं लेकिन समस्या तो इस बात की है कि हमारी इसके अन्दर कोई इन्वैस्टमैंट नहीं है । इस काम में 100 तो रैगुलर लड़के लगे हुए हैं, 350 डेली बेजिज पर लड़के काम कर रहे हैं । इस तरह साढ़े चार सौ लड़के इसी वजह से रोजगार पर लगे हुए हैं । इसके अलावा, इनडायरैक्ट तरीके से भी बहुत से लोग इस काम में लगे हुए हैं । इसे बन्द करना कोई समाधान नहीं है । कल को अगर हम बन्द कर देंगे तो इन लड़कों को कहां पर लगायेंगे ?

प्रो० सम्पत सिंह : और महकमों में लगा दो ।

श्री मांगे राम गुप्ता : यह इतना आसान नहीं है ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, गुप्ता जी ने यह कहा है कि सैंट्रल गवर्नमैंट का आदेश है, इसलिये हम इसको बन्द नहीं कर सकते । आपकी यह बात तो हम समझ सकते हैं लेकिन हम इसका तरीका तो बदल सकते हैं ।

श्री अध्यक्ष : इनका कहना यह है कि अगर हम बन्द कर देंगे तो भी बाहर की लाटरीज तो यहां पर चलेंगी ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : इनकी यह बात ठीक है कि बाहर की लाटरीज को तो ये बन्द नहीं कर सकते लेकिन सरकार जो डेली लाटरी चला रही है, सर्व-प्रथम तो इसकी प्रिंटिंग के बारे में यह बताना चाहता हूं कि प्रतिदिन 80 हजार रुपया अधिक देते हैं, जबकि दूसरे लोग जो प्राइवेट लाटरीज चलाते हैं, वे टिकटों को सस्ते में छपवाते हैं । वे कम में छपवाते हैं जबकि सरकार 80 हजार रुपये से ज्यादा देती है । ये तो यह कह रहे हैं कि साढ़े चार सौ कर्मचारी एडजस्ट किये हुए हैं लेकिन 60,000 रुपया से ज्यादा , सरकारी रिकार्ड के मुताबिक, रोजाना अकेले इस बात पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं जबकि दूसरे प्राइवेट वाले इनसे कम पैसों में छपवाते हैं । साईज टिकटों का वही है, कागज वही है और उनकी टिकटों की शक्ल भी ज्यादा सुथरी है । दूसरी तरफ यह भी माना है कि 90 करोड़ रुपये का लाभ इससे होता है । 800 करोड़ रुपया गरीब लोगों से ले जाते हैं और उसमें से 600 करोड़ रुपया कमीशन एजेन्टस को दिया जाता है । आपकी वजह से कमीशन एजेन्ट्स भी कमा लेते हैं । सरकारी खजाने में तो केवल 90 करोड़ रुपया ही आता है । वित्त मंत्री जी जरा स्पष्ट करें कि हरियाणा सरकार यह लाटरी क्या कमीशन एजेन्ट्स के लिये चला रही है ?

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश चौटाला ने जो फरमाया, उसके बारे में इन्होंने गहराई से नहीं सोचा । जहां तक टिकटों की छपाई का सवाल है, हमारी लाटरी प्राइवेट लाटरी की तरह से नहीं है । मैं पूरे चैलेन्ज के साथ कह सकता हूं कि हरियाणा की लाटरी का डिजाइन, छपाई और कागज हिन्दुस्तान में सभी लाटरीज के मुकाबले में बढ़िया है ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : इससे स्टेट का क्या लाभ होने जा रहा है ?

श्री मांगे राम गुप्ता : मैंने रेट कोई अपने घर में तो बनाए नहीं हैं । जो रेट दूसरी स्टेट्स में हैं, वही हमारे यहां है । आपके समय लाटरीज की ट्रांसपोर्टेशन का रेट 375 या 300 रुपए प्रति क्विंटल था लेकिन आज 75 रुपया प्रति क्विंटल है ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, मैं सरकारी रिकार्ड से बताना चाहता हूं कि जो प्राइवेट छोटी लाटरीज हैं, वे 2272 रुपया प्रति लाख छपती हैं और आपकी लाटरीज 2900.00 रुपये प्रति लाख छपती है। बड़ी लाटरीज जो प्राईवेट है, वे 3050 रुपया प्रति लाख छपती हैं और हमारी सरकार छपवाती है 3750.00 रुपये प्रति लाख। स्पीकर साहब, यह अन्तर है हमारी लाटरी की छपाई में और प्राईवेट लाटरी की छपाई में। एक करोड़ लाटरीज रोज छपती है, इस तरह अस्सी हजार रुपये रोज का नुक्सान हो रहा है। लाटरी पर जो खर्च आ रहा है, वह 670 करोड़ है और जो वसूल होता है, वह है 760 करोड़ रुपया। नब्बे करोड़ रुपया हरियाणा सरकार को मिलेंगे और इसमें आठ सौ करोड़ रुपया उन लोगों से वसूल किया जाएगा जो रिक्शा पुलर हैं, गरीब हैं, मजदूर हैं। छः सौ करोड़ रुपया कमीशन ऐजेन्ट को मिलेगा।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, लाटरीज में ओम प्रकाश चौटाला जैसे बड़े-बड़े आदमी, जिनके पास बहुत पैसा है, वे अपना भाग्य अजमाते हैं। स्पीकर साहब, जहां तक छपाई के रेट्स का सवाल है, वह कोई मैं व्यक्तिगत रूप से नहीं दे रहा हूं। सरकार ने बाकायदा एडवरटाईजमैंट दिया, टैन्डर आए और जो लोएस्ट टैन्डर था, उसको काम दिया गया। सरकार जो भी मैटीरियल खरीदती है या बेचती है, उसके लिए टैन्डर काल किए जाते हैं। सरकार के पास कोई और तरीका नहीं है, सिवाए टैन्डर काल करने के। सरकार कोई प्राईवेट आदमी तो है नहीं जिसने आज यहां छपवा ली और कल दूसरी जगह छपवा ली। प्राईवेट आदमी तो दो दिन कहीं छपवाते हैं, उसके बाद कहीं और छपवा लेते हैं। लाटरी छपाई के लिए जो टैन्डर लोएस्ट था, उसी से छपवा ली। प्राईवेट लाटरी हमारे यहां छपती नहीं हैं और न ही हम उनका मुकाबला कर सकते हैं।

प्रो० सम्पत सिंह : आपकी लाटरीज भी यहां नहीं छप रही, बाहर छप रही हैं। आप यह बताइए कि आपकी प्रिंटिंग प्रैस ने क्या रेट दिया था ?

श्री मांगे राम गुप्ता : हमारी प्रिंटिंग प्रैस अपनी लाटरीज को छाप नहीं सकती। उसको बाहर से ही छपवाना पड़ता है, चाहे वह कहीं से भी छपवाए।

डा० राम प्रकाश : जिस प्रैस से छपवा रहे हैं, क्या सरकार उससे नेगोशिएट करके रेट कम कराने का प्रयास करेगी, और अगर वह नेगोशिएशन में रेट कम नहीं करती तो क्या उसके साथ कान्ट्रैक्ट खत्म करने पर सरकार विचार करेगी ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री मांगे राम गुप्ता : आप कोई पार्टी ले आएं, अगर वह कम रेट पर छापने के लिए तैयार होगी तो हम उससे छपवा लेंगे। स्पीकर साहब, कल इन्होंने कोई बात कही और जब मदान साहब ने इनको अपनी ओफर दी तो ये बौखला गए।

[श्री मांगे राम गुप्ता]
मैं फिर कहता हूं कि आप किसी प्रेस वाले को ले आएं। अगर उसके रेट कम होंगे और हमारी शर्तों के मुताबिक छपाई करेगा तो हम छपवा लेंगे।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, एक मिनट रुकिए। यदि हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय 5 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : जी हां, बढ़ा दीजिए।

श्री अध्यक्ष : हाउस का समय 5 मिनट के लिए और बढ़ाया जाता है।

वर्ष 1994-95 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

वित्त मन्त्री (श्री मांगे राम गुप्ता) : अध्यक्ष महोदय, हमने हर इंसान की जरुरत को समझते हुए बिल्कुल ठीक काम किया है, गलत नहीं किया है। इन्होंने बूढ़ों की पैन्शन का जिक्र कर दिया और दूसरी तरफ हरियाणा के विकास की बातें भी बड़ी बढ़-चढ़ कर करते हैं। ये बड़े हितैषी बनते हैं हरियाणा के लोगों के। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने लोगों को गुमराह करते हुए, कर्जा माफ करने की बात का प्रचार करते हुए राज लिया था लेकिन सारे हिन्दुस्तान की आर्थिक स्थिति का भट्ठा बिठा दिया और बूढ़ों की नाममात्र की पैन्शन स्कीम शुरू कर दी जिसको ये लोग सिरे नहीं चढ़ा सके। हालत यहां तक खराब हो गई थी कि जब ये लोग गये तो बूढ़ों की 6-6 महीनों की पैन्शन छोड़ गये, दे नहीं पाए थे। लेकिन अध्यक्ष महोदय, ये हमारी बात करते हैं कि हमने पैन्शन बन्द कर दी। अध्यक्ष महोदय हमारी एक मजबूरी रही है, उसको हम मानकर चलते हैं। हरियाणा के अन्दर पीछे बाढ़ आ गई, दूसरा बिजली का काइसिज भी आ गया और तीसरा एम्पलाईज की स्ट्राइक हो गई जिसके कारण हमें कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बिजली का बड़ा भारी संकट आ गया। उधर एन0 टी0 पी0 सी0 वालों ने कहा कि आप हमारा पहला एरियर क्लीयर करो और करन्ट चार्जिज दो, तभी हम आपको बिजली की सप्लाई देंगे। तो अध्यक्ष महोदय, किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए, सरकार को बिजली बोर्ड को पैसा देना था और पैसे का इन्तजाम करने के लिये सरकार को यह पग उठाना पड़ा कि सरकार ने कुछ समय के लिये पैन्शन को रोका लेकिन बन्द नहीं किया, ताकि पैसे की अदायगी एन0टी0पी0 सी0 को हो, बिजली की सप्लाई मुतवातर चालू रहे ताकि किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न होने पाए। वही

हमने किया । पांच छः महीने अगर किसी की पैन्शन जमा हो गई और उसे इकट्ठा पैसा मिल जाए तो इसमें कौन सा अन्याय होगा ? इन आपोजीशन वालों के पास तो और कोई बात है नहीं जो कर सकें, सिवाये इसके कि गल्त प्रचार लोगों के सामने करते रहें। हमें उस रोके हुए पैसे से बिजली मिल गई और किसानों का भला हुआ। (शोर)

श्री अध्यक्ष : मांगे राम जी, इनका मतलब यह है कि जिन लोगों को पैन्शन नहीं मिली है, उनको समय पर व इकट्ठी पैन्शन मिल जायेगी न ?

श्री मांगे राम गुप्ता : जी हां, अध्यक्ष महोदय, अवश्य पूरी-पूरी पैन्शन मिलेगी, न मिलने का सवाल ही नहीं उठता ।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ-साथ यहां पर पथ-कर का भी जिक्र आया । इन लोगों ने बोलते हुए कहा कि सरकार को इससे 27 करोड़ रुपये का घाटा हुआ । पहले हमें 42 करोड़ रुपया पथ-कर से आता था । इस विषय पर केन्द्र सरकार ने सारी स्टेटों को बुलाकर यह फैसला करवा दिया कि पथ-कर खत्म किया जाए और इसकी जगह लम्प-सम 5000 कर दिया जाए । इसके खिलाफ लोग कोर्ट में चले गये। कोर्ट ने लोगों को स्टे दे दिया इसलिये यह पथ-कर नोटीफिकेशन इशू न होने की वजह से सरकार को 27 करोड़ रुपये का नुक्सान हो रहा है । अगर कोर्ट में उन के हक में फैसला हो जाए तब हमें कुछ नहीं मिलेगा और नुक्सान उस हालत में होगा ।

इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, वाटर सप्लाई का मामला भी चर्चा का विषय रहा ।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, आप कितना समय और लेंगे ?

वित्त मन्त्री (श्री मांगे राम गुप्ता) : मैं जल्दी ही खत्म कर दूंगा ।

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय 5 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए जाए ।

आवाजें : जी हां ।

श्री अध्यक्ष : हाउस का समय 5 मिनट के लिए और बढ़ाया जाता है ।

वर्ष 1994-95 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

लिफ्ट मंत्री (श्री मांग राम गुप्ता) : अध्यक्ष महोदय, मैं वाटर सप्लाई के बारे में जिक्र कर रहा था कि सरकार लोगों को पीने का पानी हर गांव में देने की पूरी-पूरी कोशिश कर रही है । जो बड़े गांव हैं, उनकी जरूरत के मुताबिक, पानी की मिकदार को बढ़ाने का प्रयास भी हमने किया है, इसके लिये पहले से ही हम चिन्तित हैं । आज मैं विश्वास के साथ कह रहा हूं कि हम गांव-गांव में पीने के पानी की कमी बिल्कुल नहीं रहने देंगे ।

अध्यक्ष महोदय, एजुकेशन के ऊपर भी सरकार का पूरा ध्यान है । इसी तरह से हस्पतालों के ऊपर भी पूरा ध्यान है, दवाइयों के ऊपर भी पूरा ध्यान है । इस सरकार का गरीब मजदूरों की तरफ भी पूरा ध्यान है । मैं विश्वास के साथ कहता हूं कि हरियाणा की जनता की तरफ यह सरकार पूरा ध्यान रखेगी और किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी । इन शब्दों के साथ स्पीकर साहब, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

Mr. Speaker : Now, the House stands adjourned till 2.00 p.m., the 15th March, 1994.

*13.51 hrs. (The Sabha then *adjourned till 2.00 p.m., on the Tuesday 15th March, 1994).

ANNEXURE—A

Appointment made on Daily Wages Basis

*746. **Smt. Chandravati,** : Will the Minister of State for Transport be pleased to state—

(a) the post-wise number of persons working on daily-wages in the Transport Department at present ; and

(b) whether any persons have been appointed on permanent/daily wages basis in Dadri Depot during the period from 1st January 1993, todate; if so, the names and addresses thereof ?

परिवहन राज्य मंत्री (श्री बलबीर पाल शाह):

(क) विवरणी अनुबन्ध-I पर संलग्न है।

(ख) विवरणी अनुबन्ध-II पर संलग्न है।

अनुबन्ध–I

परिवहन विभाग में दैनिक वेतन आधार पर कार्य कर रहे व्यक्तियों की पदवार संख्या (28–2–94 तक)

क्र0स0	पद का नाम	व्यक्तियों की संख्या	क्र0स0	पद का नाम	व्यक्तियों की संख्या
1.	हैल्पर	480	22.	गनमैन	21
2.	स्वीपर	119	23.	असिसटैन्ट कुक	4
3.	वॉशिंग बवाय	20	24.	मेट	22
4.	वाटर कैरियर	22	25.	कन्टीन अटैन्डैन्ट	1
5.	चौकीदार	51	26.	मैसल	2
6.	पलम्बर	12	27.	लेबरर	2
7.	टिकट कैरीफायर	54	28.	पम्प ड्राईवर	5
8.	सेवादार	41	29.	सहायक कारपेन्टर	1
9.	काऊंटर लिपिक	11	30.	सहायक ब्लैकस्मिथ	1
10.	टैलीफोन अटैन्डैट	1	31.	सहायक वैल्डर	3
11.	वेटर	7	32.	सहायक फिटर	1
12.	सेवरमैन	8	33.	सहायक अपहोस्टर	1
13.	चालक	86	34.	कारपेन्टर	1
14.	परिचालक	91	35.	ब्लैक स्मिथ	2
15.	माली	19	36.	कुक	1
16.	बारबर	2	37.	सहायक पेन्टर	4
17.	वाशरमैन	1	38.	क्लीनर	1
18.	स्टोरमैन	1	39.	सहायक विद्युतकार	3
19.	सिक्यौरटी अटैन्डैट	31	40.	अनाऊंसर	1
20.	टाईपिस्ट	2	41.	ट्यूबवैल आपरेटर	6
21.	लिपिक	16	42.	अड्डा फीस आपरेटर	4
	कुल	1103		—कुल जोड़	1142

अनुबन्ध—II

हरियाणा रोडवेज चरखीदादरी में दिनांक 1-1-93 से 28-2-94 तक नियुक्त किये गए परिचालकों बारे सूचना

नियुक्त व्यक्तियों की श्रेणी	नाम और पूरा पता	नियुक्ति तिथि	नियमित/तदर्थ	दैनिक वेतन भोगी	कनटैक्चुअल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
परिचालक						
1.	रामपाल सपुत्र सिध राम गांव लीलाहेड़ी जिला रोहतक	4-5-93			सी/बेसिस	रोजगार विभाग के माध्यम से इस डिपो में कोई प्रतीक्षा सूची न होने के कारण आपात स्थिति में उम्मीदवारों के नाम हरियाणा रोडवेज, गुडगांवा तथा रोहतक से मांगे गए ।
2.	फूल सिंह सपुत्र रणबीर सिंह गांव व डाकखाना रोहर जिला महेन्द्रगढ़	3-5-93			,,	,,
3.	चांद सिंह सपुत्र नेत राम गांव व डाकखाना कर्णवास, जिला रिवाड़ी	12-5-93			,,	,,

1	2	3	4	5	6	7
4.	रणबीर सिंह सुपुत्र मोहर सिंह गांव व डाकखाना माजरी (सोनीपत)	13-593			सी/बेसिस	रोजगार विभाग के माध्यम से। इस डिपो में कोई प्रशिक्षु सूची न होने के कारण आपात स्थिति में उम्मीदवारों के नाम हरियाणा रोडवेज, गुड़गांवा तथा रोहतक से मांगे गए।
5.	रामभज सुपुत्र सुबे सिंह गांव व डाकखाना मादी बकतावरपुर (सोनीपत)	14-5-93			,,	
6.	धर्मबीर सिंह सपुत्र मुखलाल गांव व डाकखाना जुलानी (जिला सोनीपत)	14-5-93			,,	
7.	वेद प्रकाश सुपुत्र सुलतान सिंह गांव व डाकखाना खोराना (जिला अलवर)	15-5-93			,,	
8.	राम कुमार सुपुत्र रामशरण गांव व डाकखाना सनपेडा (जिला सोनीपत)	21-5-93			,,	
9.	सतीश कुमार सुपुत्र ओम प्रकाश गांव व डाकखाना गुड़गावां	7-6-93			,,	
10.	दीनानाथ सुपुत्र जगदीश लाल गांव व डाकखाना गुड़गावां	7-6-93			,,	
11.	जय प्रकाश सुपुत्र भरत सिंह गांव व डाकखाना जमालपुर	7-6-93			,,	
12.	जय किशन सुपुत्र प्रताप सिंह हासपुर (फरीदाबाद)	4-6-93			,,	
13.	मांगे राम सुपुत्र कर्ण सिंह गांव व डाकखाना दाहू (गुड़गावां)	7-6-93			,,	
14.	सुभाष चन्द सुपुत्र मुखराम गांव व डाकखाना नूरपुर (गुड़गावां)	8-6-93			,,	,,
15.	जयपाल सपुत्र जयमल गांव व डाकखाना बिलखा (गुड़गावां)	8-6-93			,,	,,
16.	राम अवतार सुपुत्र मंगत राम गांव व डाकखाना जोजू (भिवानी)	8-12-93			,,	रोजगार विभाग दादरी।
17.	शक्ति सिंह सुपुत्र रिछपाल सिंह गांव व डाकखाना चांगरोड़ (भिवानी)	7-12-93			,,	,,
18.	रणधीर सिंह सुपुत्र हवा सिंह गांव व डाकखाना खरकी (भिवानी)	8-12-93			,,	,,
19.	बिजेन्द्र सिंह सुपुत्र निहाल सिंह गांव व डाकखाना दादरी	7-12-93			,,	,,

1	2	3	4	5	6	7
20.	महावीर सिंह सुपुत्र सरजू गांव व डाकखाना बाम्बला (भिवानी)	8-12-93			सी/बेसिस	रोजगार विभाग
21.	जयबीर सुपुत्र हरिकिशन गांव व डाकखाना जोजू (भिवानी)	8-12-93			,,	दादरी
22.	राम निवास सुपुत्र सुरजीत सिंह गांव व डाकखाना जमालपुर (भिवानी)	11-12-93			,,	,,
23.	कश्मीरी लाल सुपुत्र पूर्ण सिंह गांव व डाकखाना ढाणी फोगाट (भिवानी)	7-12-93			,,	,,
24.	किरपाल सिंह सुपुत्र पारस राम गांव व डाकखाना जोजू कलां (भिवानी)	7-12-93			,,	,,
25.	महाबीर सिंह सुपुत्र शेर . गांव व डाकखाना मोहरा (भिवानी)	8-12-93			,,	,,
26.	रामफल पुत्र टेक चन्द गांव व डाकखाना रिनिला (भिवानी)	8-12-93			,,	,,
27.	सुरजीत सुपुत्र राम सिंह गांव व डाकखाना हैलवास (भिवानी)	8-12-93			,,	,,
28.	सत्यवान सिंह सुपुत्र हवा सिंह गांव व डाकखाना पंचगांव (भवानी)	8-12-93			,,	,,
29.	परमिल कुमार सुपुत्र गोकुल राम गांव व डाकखाना दतौली (भिवानी)	8-12-93			,,	,,
30.	कर्ण सिंह सुपुत्र हरसरुप गांव व डाकखाना ढाणी फोगाट (भिवानी)	8-12-93			,,	,,
31.	धर्मबीर सुपुत्र हरफूल गांव व डाकखाना चरखी (भिवानी)	8-12-93			,,	,,
32.	राज सिंह पुत्र धर्मबीर सिंह गांव व डाकखाना खेड़ी हसनचाल (भिवानी)	8-12-93			,,	,,
33.	कर्ण सिंह पुत्र मंसा राम गांव व डाकखाना नन्दा (भिवानी)	16-12-93			,,	,,
34.	सुमेर सिंह पुत्र उदमी राम गांव व डाकखाना बीरान (भिवानी)	8-12-93			,,	,,
35.	रामफल पुत्र चन्दगीराम गांव व डाकखाना मंडोल (भिवानी)	8-12-93			,,	,,

1	2	3	4	5	6	7
36.	सुरेश पुत्र जयदयाल गांव व डाकखाना बवानी खेड़ा (भिवानी)	8-12-93			सी/बेसिस	कर्मशाला में पहले से दैनिक वेतन पर लगा हुआ है।
37.	देवकी नन्दन पुत्र रूप चन्द गांव व डा0 झज्जर (रोहतक)	13-12-93			,,	हड़ताल के दौरान विभागीय कमेटी की सिफारिश पर लगाया गया।
38.	राजेश कुमार पुत्र गोपी राम गांव व डाकखाना निदाना (भिवानी)	9-12-93			,,	,,
39.	अजीत सिंह पुत्र भरत सिंह खेरी बुरा (भिवानी)	9-12-93			,,	,,
40.	कुलदीप पुत्र हरिकिशन गांव व डाकखाना हिंदोला (भिवानी)	10-12-93			,,	,,
41.	ओम प्रकाश पुत्र भर्त सिंह गांव व डाकखाना इमलोटा (भिवानी)	10-12-93			,,	,,
42.	सतीश कुमार पुत्र होशियार सिंह गांव व डाकखाना दादरी	10-12-93			,,	,,
43.	अशोक कुमार पुत्र मंसा राम गांव व डाकखाना बलाल (भिवानी)	10-12-93			,,	,,
44.	नरेन्द्र कुमार पुत्र नत्थु राम गांव व डाकखाना (रिवाड़ी)	10-12-93			,,	,,
45.	राजबीर सिंह पुत्र बलबीर गांव व डाकखाना नीमली (भिवानी)	9-12-93			,,	,,
46.	विजय सिंह पुत्र रण सिंह गांव व डाकखाना रावलधी (भिवानी)	10-12-93			,,	,,
47.	देवानन्द पुत्र टेक राम गांव व डाकखाना रावलधी (भिवानी)	10-12-93			,,	,,

[श्री बलबीर पाल शाह]

1	2	3	4	5	6	7
48.	सुरेन्द्र पुत्र मुमताज अली गांव व डाकखाना रावलधी (भिवानी)	10-12-93			सी/बेसिस	हड़ताल के दौरान
49.	दीप चन्द पुत्र राम कुमार गांव व डाकखाना रावलधी (भिवानी)	10-12-93			,,	विभागीय कमेटी
50.	भीम सिंह पुत्र धनपत सिंह गांव व डाकखाना पोटा (महेन्द्रगढ़)	10-12-93			,,	की सिफारिश
51.	रामफल पुत्र भगवाना गांव व डाकखाना सोथ (भिवानी)	10-12-93			,,	पर लगाया गया
52.	ईश्वर सिंह पुत्र सुभाष गांव व डाकखाना दादरी	10-12-93			,,	,,
53.	दलबीर सिंह पुत्र जीता राम गांव व डाकखाना मिगनाऊ (भिवानी)	10-12-93			,,	,,
54.	जितेन्द्र कुमार पुत्र बगरावत सिंह गांव व डाकखाना डलवास (भिवानी)	8-12-93			,,	,,
55.	सतनारायण पुत्र गुलजारी लाल गांव व डाकखाना लोहारू	8-12-93			,,	,,
56.	पन्नी सिंह पुत्र सिब राम गांव व डाकखाना डलवास (भिवानी)	8-12-93			,,	,,
57.	सुरेश कुमार पुत्र सूबे सिंह गांव व डाकखाना हुई (भिवानी)	8-12-93			,,	,,
58.	पवन कुमार पुत्र अमर सिंह गांव व डाकखाना गोपी (भिवानी)	8-12-93			,,	,,
59.	नागेश कुमार पुत्र तारा चन्द गांव व डाकखाना	8-12-93			,,	,,
60.	संजय कुमार पुत्र जिले सिंह गांव व डाकखाना कुदमा (भिवानी)	8-12-93			,,	,,
61.	वेद प्रकाश पुत्र श्री चन्द गांव व डाकखाना भिवानी	8-12-93			,,	,,
62.	पवन कुमार पुत्र किशोरी लाल गांव व डाकखाना चहर (भिवानी)	,,			,,	,,
63.	अतर सिंह पुत्र नरपाल सिंह गांव व डाकखाना मसिट (रिवाड़ी)	8-12-93			,,	,,
64.	विजेन्द्र पुत्र रणधीर गांव व डाकखाना बिगवास (भिवानी)	13-12-93			,,	,,

1	2	3	4	5	6	7
65.	दलबीर सिंह पुत्र सोभा राम गांव व डाकखाना बरवास (भिवानी)	8-12-93		सी/बेसिस		हड़ताल के दौरान
66.	विजेन्द्र पुत्र राम चन्द गांव व डाकखाना थराना (हिसार)	,,		,,		विभागीय कमेटी
67.	राजपाल पुत्र जरसल गांव व डाकखाना माडी (भिवानी)	8-12-93		,,		की सिफारिश
68.	राजबीर पुत्र राम सरूप गांव व डाकखाना साम (जींद)	,,		,,		पर लगाया
69.	परवीन कुमार पुत्र जिले सिंह गांव व डाकखाना कामद (जींद)	,,		,,		गया।
70.	अनिल कुमार पुत्र टेक चन्द गांव व डाकखाना खरका (रोहतक)	,,		,,		,,
71.	जगजीत सिंह पुत्र बीर सिंह गांव व डाकखाना खरका (भिवानी)	,,		,,		,,
72.	जय भगवान पुत्र करतार सिंह गांव व डाकखाना रावलधी (भिवानी)	,,		,,		,,
73.	सत्यवान पुत्र गंगा राम गांव व डाकखाना रामपुरा (भिवानी)	,,		,,		,,
74.	रोहतास पुत्र कन्हैयालाल गांव व डाकखाना बलाली (भिवानी)	,,		,,		,,
75.	कर्ण सिंह पुत्र राम किशन गांव व डाकखाना डिनोड (भिवानी)	,,		,,		,,
76.	नरेन्द्र कुमार पुत्र जय करण गांव व डाकखाना नंगल (भिवानी)	,,		,,		,,
77.	साजन सिंह पुत्र चन्द्र सिंह गांव व डाकखाना हसनगढ़ (हिसार)	,,		,,		,,
78.	धर्मपाल पुत्र रिसाल सिंह गांव व डाकखाना लोहारू	,,		,,		,,
79.	सतपाल पुत्र खेम चन्द गांव व डाकखाना रावलधी (भिवानी)	——		,,		,,
80.	रमेश कुमार पुत्र जागे राम गांव व डाकखाना दादरी	,,		,,		,,

[श्री बलबीर पाल शाह]

1	2	3	4	5	6	7
81.	बलबीर सिंह पुत्र दलीप सिंह गांव व डाकखाना प्रेम नगर (भिवानी)	13-12-93			सी/बेसिस	हड़ताल के दौरान विभागीय कमेटी की सिफारिश पर लगाया गया।
82.	हरचयान सिंह पुत्र नफे सिंह गांव व डाकखाना जाटी (भिवानी)	13-12-93			,,	
83.	परमजीत सिंह गांव व डाकखाना खेड़ी बूरा भिवानी	13-12-93			,,	
84.	रणबीर सिंह पुत्र जयलाल गांव व डाकखाना गोराया (रोहतक)	,,			,,	
85.	साजन सिंह पुत्र बोगर सिंह गांव व डाकखाना बलाली (भिवानी)	,,			,,	
86.	जय भगवान पुत्र बिल राम गांव व डाकखाना बधानी (रोहतक)	,,			,,	,,
87.	ओम प्रकाश पुत्र झूथेर सिंह गांव व डाकखाना बधानी (महेन्द्रगढ़)	,,			,,	,,
88.	कर्मबीर सिंह पुत्र देस राम गांव व डाकखाना कटवार (भिवानी)	,,			,,	,,
89.	सुरेन्द्र पुत्र धन सिंह गांव व डाकखाना चिलर (भिवानी)	,,			,,	,,
90.	लाल सिंह पुत्र सुमेर सिंह गांव व डाकखाना कनीना (महेन्द्रगढ़)	,,			,,	,,
91.	रूप चन्द पुत्र प्रभाती लाल गांव व डाकखाना संगारा (रोहतक)	,,			,,	,,
92.	सुरेश कुमार पुत्र पोखरमल गांव व डाकखाना आदमपुर (भिवानी)	,,			,,	,,
93.	रामपाल पुत्र रामधारी गांव व डाकखाना चाबी (जींद)	,,			,,	,,
94.	सत्यवान पुत्र रिसाल गांव व डाकखाना पटवार (हिसार)	,,			,,	,,
95.	रमेश पुत्र सतनारायण गांव व डाकखाना नारनौंद, हिसार	,,			,,	,,
96.	रणधीर पुत्र रामसरुप गांव व डाकखाना खरक (हिसार)	,,			,,	,,
97.	राज सिंह पुत्र प्रीत सिंह गांव व डाकखाना दुधवा (भिवानी)	,,			,,	,,
98.	अशोक कुमार पुत्र सुरत सिंह गांव व डाकखाना धमडलान (रोहतक)	,,			,,	,,
99.	मंसा राम पुत्र नेत राम गांव व डाकखाना पैंतवास (भिवानी)	,,			,,	,,

1	2	3.	4	5	6	7
100.	राम फल पुत्र धर्मपाल गांव व डाकखाना दवारका (भिवानी)	13-12-1093			सी बेसिस	हड़ताल के
101.	राजबीर पुत्र रामसरुप सामड़ू (जींद)	,,			,,	दौरान विभा-
102.	सीता राम पुत्र लाल चन्द गांव व डाकखाना बिहड़ी कलां भिवानी	15-12-93	—	—	,,	गीय कमेटी
103.	सुरेश चन्द पुत्र बलबीर सिंह गांव व डाकखाना दादरी	,,			,,	द्वारा की गई
104.	सतीश कुमार पुत्र चन्दगी राम गांव व डाकखाना लोहारू भिवानी	,,			,,	सिफारिश के
105.	सतबीर पुत्र राम कुमार गांव व डाकखाना लोहारू भिवानी	8-12-93			,,	आधार पर
106.	किरोड़ी मल पुत्र शुभ राम गांव व डाकखाना चंगरोद (भिवानी)	14-12-93			,,	लगाया गया ।
107.	जौन चन्द पुत्र लोक राम गांव व डाकखाना दादरी भिवानी	15-12-93			,,	,,
108.	अशोक पुत्र कृष्ण गांव व डाकखाना पटूवास भिवानी	14-12-93			,,	,,
109.	सत प्रकाश पुत्र दुर्गा प्रशाद गांव व डाकखाना भिवानी	15-12-93			,,	,,
110.	दलबीर पुत्र जीता राम पुत्र गांव व डाकखाना गिगनाऊ भिवानी	15-12-93			,,	,,
111.	जगबीर पुत्र बजीर सिंह गांव व डाकखाना धोभ रोहतक	15-12-93			,,	,,
112.	देवी प्रशाद पुत्र चन्द्र भान गांव व डाकखाना अचीना भिवानी	15-12-93			,,	,,
113.	पवन कुमार पुत्र किशोरी लाल गांव व डाकखाना मिरान भिवानी	15-12-93			,,	,,
114.	धर्म पाल पुत्र कुरडा राम गांव व डाकखाना लोहारू	15-12-93			,,	,,

क्रम संख्या	नाम और पूरा पता	नियुक्ति तिथि	नियमित/ तदर्थ	दैनिक वेतन भोगी	कन्ट्रैक्चुअल	विवरण
1		3	4	5	6	7
ड्राईवर						
1.	राजपाल सिंह सुपुत्र ज्ञानी राम गांव व डाकखाना मिताथल (भिवानी)	23-2-93			कन्ट्रैक्चुअल	रोजगार कार्यालय दादरी
2.	ओम प्रकाश सुपुत्र अशीलाल गांव व डाकखाना खेरी बूरा (भिवानी)	,,			,,	,,
3.	राम कुमार सुपुत्र भागमल गांव व डाकखाना खड़खड़ी (भिवानी)	,,			,,	,,
4.	जीरा सिंह सुपुत्र किशन लाल जाट, लोहारू (भिवानी)	,,			,,	,,
5.	करतार सिंह सुपुत्र दया नन्द गांव व डाकखाना झोंझू कलां (भिवानी)	,,			,,	,,
6.	प्रकाश सिंह सुपुत्र सुलतान सिंह गांव व डाकखाना मंडोला (भिवानी)	,,			,,	,,
7.	सुरेश कुमार सुपुत्र हजारी सिंह गांव व डाकखाना फतीया (भिवानी)	,,			,,	,,
8.	नरेश कुमार सुपुत्र राम चन्द्र गांव व डाकखाना निमरी वाली (भिवानी)	,,			,,	,,
9.	उदयवीर सिंह सुपुत्र मायनियर सिंह गांव व डाकखाना धनाना (भिवानी)	,,			,,	,,
10.	राजेन्द्र सिंह सुपुत्र कन्हैया सिंह गांव व डाकखाना मन्हेड़ (भिवानी)	,,			,,	,,
11.	नीर सिंह सुपुत्र हरनारायण सिंह गांव व डाकखाना चिरया (भिवानी)	,,			,,	,,

1	2	3	4	5	6	7
12.	सुभाष चन्द्र सुपुत्र ओम प्रकाश गांव व डाकखाना मोखरा (रोहतक)	23-2-93			कनट्रैक्चुअल	रोजगार
13.	वीरेन्द्र सिंह सुपुत्र गुमन राम बी0 फारी (भिवानी)	,,			,,	कार्यालय
14.	भरत कुमार सुपुत्र जगत सिंह गांव व डाकखाना दादरी	,,			,,	दादरी
15.	जगदीश प्रसाद सुपुत्र रोछपाल सिंह गांव व डाकखाना इमलोटा (भिवानी)	,,			,,	,,
16.	पतराम सुपुत्र गोरधन सिंह गांव व डाकखाना मोजु (भिवानी)	25-6-93			,,	,,
17.	रामफल सुपुत्र राय सिंह गांव व डाकखाना चरखी (भिवानी)	,,			,,	,,
18.	राम निवास सुपुत्र मेघ सिंह गांव व डाकखाना नौरंगावास	,,			,,	,,
19.	महावीर सिंह सुपुत्र माई लाल गांव व डाकखाना सुगरपुर (भिवानी)	,,			,,	,,
20.	कैलास चन्द्र सुपुत्र बनवारी लाल गांव व डाकखाना मन्ढी हरिया	,,			,,	,,
21.	सुरेश कुमार सुपुत्र मांगे राम गांव व डाकखाना कलवास (भिवानी)	,,			,,	,,
22.	बलवान सिंह सुपुत्र हरयाणा गांव व डाकखाना मेहरा (भिवानी)	,,			,,	,,
23.	सुभाष सुपुत्र अमर सिंह गांव व डाकखाना सुहरा (रोहतक)	,,			,,	,,
24.	राज कुमार सुपुत्र जागीर सिंह गांव व डाकखाना चौहान नगर (सिरसा)	16-11-93			,,	,,
25.	सुरत सिंह सुपुत्र शोभोनारायण सिंह गांव व डाकखाना जीतापुरा (भिवानी)	26-10-93			,,	,,
26.	जहाबेर सिंह सुपुत्र फल सिंह गांव व डाकखाना बधवा	,,			,,	,,
27.	सतपाल सिंह सुपुत्र जुगलाल गुड़गांवा	,,			,,	,,

1	2	3	4	5	6	7
28.	रमेश कुमार सुपुत्र बाल किशन गांव मतर (सोनीपत)	29-10-93			कन्ट्रैक्चुअल	रोजगार
29.	सज्जन कुमार सुपुत्र राम सिंह ढकलाना मण्डी (हिसार)	9-11-93			,,	कार्यालय
30.	सुरेश कुमार सुपुत्र राम किशन गांव व डाकखाना सिवाना (सोनीपत)	26-10-93			,,	दादरी
31.	रामधारी सुपुत्र कन्हैया लाल गांव व डाकखाना मनहेड़ा (भिवानी)	7-12-93			,,	,,
32.	वेद प्रकाश सुपुत्र मन सिंह गांव व डाकखाना संसपुर (भिवानी)	,,			,,	,,
33.	रंजेन्द्र सिंह सुपुत्र देश राम गांव व डाकखाना भागवसी	,,			,,	,,
34.	नरेन्द्र कुमार सुपुत्र लक्ष्मी नारायण गांव व डाकखाना फरमाना (सोनीपत)	,,			,,	रोजगार कार्यालय और डिसकोन्टीन्यूड 31-12-93
35.	सुभाष सुपुत्र भागमल गांव व डाकखाना गासोल (भिवानी)	,,			,,	,,
36.	जयबीर सिंह सुपुत्र जुगती राम गांव व डाकखाना खरकरी (भिवानी)	,,			,,	,,
37.	जयबीर सिंह सुपुत्र फल सिंह गांव व डाकखाना पंडवा (भिवानी)	,,			,,	,,
38.	पहलाद सिंह सुपुत्र ईश्वर सिंह गांव व डाकखाना रावलधी (भिवानी)	,,			,,	,,
39.	रणदीप सिंह सुपुत्र राजपाल सिंह गांव व डाकखाना श्रांग (भिवानी)	,,			,,	,,
40.	मांगे राम सुपुत्र चन्द गांव व डाकखना छासोला (भिवानी)	,,			,,	,,
41.	कुलदीप सिंह सुपुत्र करण गांव व डाकखाना निमली (भिवानी)	,,			,,	,,

1	2	3	4	5	6	7
42.	सुबबीर सिंह सुपुत्र शेर सिंह गांव व डाकखाना खेड़ी बुरा (भिवानी)	7-12-93			कान्ट्रैक्चुअल	रोजगार
43.	अशोक कुमार सुपुत्र चंदगी राम पोखरवास (भिवानी)	,,			,,	कार्यालय और
44.	सतबीर सुपुत्र शुभ राम गांव व डाकखाना उमरवास (भिवानी)	,,			,,	डिसकोन्टिन्यूड
45.	सुरेश कुमार सुपुत्र टेक चन्द गांव व डाकखाना टोडा (भिवानी)	,,			,,	31-12-93
46.	दलबीर सिंह सुपुत्र धूप सिंह गांव व डाकखाना झमलोटा (भिवानी)	,,			,,	,,
47.	रघुबीर सिंह सुपुत्र अमी चन्द गांव व डाकखाना इमरीवाली (भिवानी)	,,			,,	,,
48.	प्रदीप कुमार सुपुत्र वीरेन्द्र सिंह गांव व डाकखाना दादरी	,,			,,	,,
49.	जसबीर सिंह सुपुत्र बलबीर सिंह खातीवास (भिवानी)	,,			,,	,,
50.	सज्जन सुपुत्र वेद प्रकाश गांव व डाकखाना प्रेम नगर (भिवानी)	,,			,,	,,
51.	सतबीर सिंह सुपुत्र अमृत सिंह (भिवानी)	,,			,,	,,
52.	ईश्वर सिंह सुपुत्र सुमेर (भिवानी)	,,			,,	,,
53.	संतोष सुपुत्र गोपाल सिंह (भिवानी)	,,			,,	,,
54.	जय सिंह सुपुत्र मौल चन्द गांव व डाकखाना पाजु (लोहारु)	,,			,,	एस.डी.एम. लोहारु यातायात प्रबन्धक के द्वारा नियुक्ति ।

[श्री बलबीर पाल शाह]

1	2	3	4	5	6	7
55.	प्रहलाद सिंह सुपुत्र घासी राम गांव व डाकखाना लोहारू	7-12-93			कन्ट्रैक्चुअल	एस.डी.एम. लोहारू/याता-यात प्रबन्धक के द्वारा नियुक्ति।
56.	राजेन्द्र सुपुत्र कमल सिंह समासपुर (भिवानी)	,,			,,	
57.	मदन सिंह सुपुत्र रीछपाल सिंह गांव व डाकखाना बढ़रा (लोहारू)	,,			,,	
58.	धर्मबीर सुपुत्र पारस राम गांव व डाकखाना समासपुर दादरी	,,			,,	
59.	जगमल सिंह सुपुत्र रामानन्द गांव व डाकखाना लोहारू	,,			,,	
60.	राम किशन सुपुत्र हरनारायण गांव व डाकखाना जहरली (रोहतक)	,,			,,	,,
61.	सुभाष सुपुत्र बुद्ध राम गांव व डाकखाना नन्धा (भिवानी)	,,			,,	,,
62.	जय राम सुपुत्र मंगली राम गांव व डाकखाना दलवास (भिवानी)	,,			,,	,,
63.	कृष्ण कुमार सुपुत्र धर्मपाल गांव व डाकखाना मतनहेली (रोहतक)	,,			,,	,,
64.	कैलाश चन्द सुपुत्र गजानन्द गांव व डाकखाना सतनाली महेन्द्रगढ़	13-12-93			,,	हड़ताल के दौरान विभागीय कमेटी द्वारा की गई सिफारिश के आधार पर लिया गया तथा 31-12-93 को हटा दिया गया ।

1	2	3	4	5	6	7
65.	लच्छी सिंह सुपुत्र चुहना राम गांव व डाकखाना हसनपुर दादरी	13-12-93			कनट्रैक्चुअल	हड़ताल के दौरान
66.	बृज मोहन सुपुत्र मनोहर लाल गांव व डाकखाना भागी (भिवानी)	,,			,,	विभागीय कमेटी
67.	हरनारायण सुपुत्र अमी लाल गां0 व डा0 दंदमा (भिवानी)	,,			,,	द्वारा की गई
68.	राजबीर सिंह सुपुत्र दिलीप सिंह गां0 व डा0 चरखी (भिवानी)	,,			,,	सिफारिश के
69.	सुरेश कुमार सुपुत्र मलिक राम गां0 व डा0 मंडाली (भिवानी)	,,			,,	आधार पर लिया
70.	बलबीर सिंह सुपुत्र दिलीप सिंह गां0 व डा0 प्रेम नगर (भिवानी)	,,			,,	गया तथा
71.	राम कुमार सुपुत्र कन्हैया गांव व डा0 रावलधी (भिवानी)	,,			,,	31-12-93 को
72.	सतवन सुपुत्र हर नारायण गांव व डा0 भुण्ड कलां (भिवानी)	,,			,,	हटा दिया गया।
73.	सुरजभान सुपुत्र महताब सिंह गांव व डा0 दादरी	,,			,,	,,
74.	रणधीर सुपुत्र धर्म चन्द गांव व डा0 गुकन (भिवानी)	,,			,,	,,
75.	अमल सुपुत्र राधा कृष्ण गांव व डा0 दादरी	,,			,,	,,
76.	विश्वाप्रिय सुपुत्र केहर सिंह गांव व डा0 चंगरोड दादरी	,,			,,	,,
77.	रवि सुपुत्र सुन्दर दास गांव व डा0 चरखी दादरी	,,			,,	,,
78.	अभई राम सुपुत्र अमर सिंह गांव डा0 छिकोरा (भिवानी)	,,			,,	,,
79.	अमृत सुपुत्र बलबीर सिंह गांव व डा0 चंगरोड (भिवानी)	,,			,,	,,
80.	रणवीर सुपुत्र जय सिंह गांव व डा0 सुधगढ़ (भिवानी)	,,			,,	,,

[श्री बलबीर पाल शाह]

1	2	3	4	5	6	7
81.	सतपाल सुपुत्र राम चन्द्र गांव व डा0 पटवास (भिवानी)	13-12-93			कन्टैक्चुयल	हड़ताल के दौरान
82.	रणबीर सुपुत्र रीछपाल गांव व डा0 चिलर (भिवानी)	,,			,,	विभागीय कमेटी
83.	सुरेन्द्र सिंह सुपुत्र राम चन्द्र गांव व डा0 घसोला (भिवानी)	,,			,,	द्वारा की गई
84.	मोहन लाल सुपुत्र प्यारेलाल गांव व डा0 दादरी (भिवानी)	,,			,,	सिफारिश के आधार
85.	सूरजभान सुपुत्र धीना राम गांव व डा0 मेहरा (भिवानी)	,,			,,	पर लिया गया तथा
86.	राजबीर सुपुत्र गुलाब सिंह गांव व डा0 बुलन्द रोहतक	,,			,,	31-12-93 को हटा
87.	मोहिन्द्र सिंह सुपुत्र मान सिंह गांव व डा0 झोजु कलां (भिवानी)	,,			,,	दिया गया।
88.	मोहन सिंह सुपुत्र देवी दयाल गांव व डा0 दादरी भिवानी	,,			,,	,,
89.	नरेश सुपुत्र निरंजर गांव व डा0 झोजु कलां (भिवानी)	,,			,,	,,
90.	रणबीर सुपुत्र राम चन्द्र गांव व डा0 सिसाना (सोनीपत)	,,			,,	,,
91.	सतबीर सुपुत्र नेत राम गांव व डा0 कनौधा (रोहतक)	,,			,,	,,
92.	रमेश सुपुत्र हीरा लाल गांव व डा0 सैनीपर दादरी (भिवानी)	,,			,,	,,
93.	रणधीर सुपुत्र तेज राम गांव व डा0 पिलाना (रोहतक)	,,			,,	,,
94.	बलवान सुपुत्र सोएश्रो नाथ गांव व डा0 दुबवास (रोहतक)	,,			,,	,,
95.	रतन सिंह सुपुत्र मान सिंह गांव व डा0 बलयाली (भिवानी)	,,			,,	,,
96.	मान सिंह सुपुत्र रिसाल सिंह गांव व डा0 काकरोली (भिवानी)	,,			,,	,,

[श्री बलबीर पाल शाह]

दिनांक 1-1-93 से 28-2-94 तक हरियाणा राज्य परिवहन, चरखी दादरी में तदर्थ आधार पर नियुक्त कर्मशाला स्टाफ बारे सूचना

कर्मशाला में नियुक्त	नाम तथा पूरा पता	नियुक्ति तिथि	स्थाई/ नियमित/ तदर्थ	डेली वेजिज	सी/ बेसिस	रिमार्कस
1	2	3	4	5	6	7
कर्मशाला स्टाफ						
1. रणबीर सिंह सपुत्र मूल चन्द वार्ड नं0 7 चरखी दादरी फिटर		8-12-93		डेली वेजिज	---	हड़ताल के दौरान विभागीय कमेटी द्वारा की गई सिफारिश के आधार पर रखा गया तथा दिनांक 31-12-93 से हटा दिया गया।
2. मुकेश कुमार सपुत्र जनार्दन गांव व डा0 झज्जर, रोहतक सहायक बोरर		,,		,,	,,	,,

1	2	3	4	5	6	7
97.	नरेन्द्र सुपुत्र भागमल गांव व डा0 जिझर (भिवानी)	13-12-93			कन्ट्रेक्चुअल	हड़ताल के दौरान
98.	सूबे सिंह सुपुत्र धर्मपाल गांव व डा0 बरसाना भिवानी	,,			,,	विभागीय कमेटी
99.	समशेर सुपुत्र मोहर सिंह गांव व डा0 घिकारा भिवानी	,,			,,	द्वारा की गई
100.	राम चन्द्र सुपुत्र दीना राम गांव व डा0 न्यू दिल्ली	,,			,,	सिफारिश के आधार
101.	राज कुमार सुपुत्र कपूर सिंह गांव व डा0 सुधाना रोहतक	,,			,,	पर लिया गया तथा
102.	सतबान सुपुत्र इन्दर सिंह दादरी गांव पंडवा डा0 मारकवास	,,			,,	31-12-93 को हटा
103.	महाबीर सिंह सुपुत्र शियोदत्त गांव कंदल लोहारू	,,			,,	दिया गया।
104.	रमेश सुपुत्र गणपत गांव व डा0 रावलधी भिवानी	,,			,,	,,
105.	दया सुपुत्र रती दत गांव व डा0 रावलधी भिवानी	,,			,,	,,
106.	बलबीर सुपुत्र विजेन्द्र गांव व डा0 धसोला भिवानी	,,			,,	,,
107.	प्रदीप सिंह सुपुत्र अजीत सिंह गांव व डा0 दतौली भिवानी	,,			,,	,,
108.	रमेश चन्द सुपुत्र सूरजभान गांव व डा0 खरकपूनिया हिसार	,,			,,	,,
109.	सुशील कुमार सुपुत्र सज्जन कुमार गांव व डा0 नारनौल	,,			,,	,,
110.	सुरेश कुमार सुपुत्र राम देव गांव व डा0 थुराना हिसार	,,			,,	,,
111.	शिया राम सुपुत्र गणपत गांव व डा0 थुराना हिसार	,,			,,	,,
112.	फतेह सिंह सुपुत्र गणेशी लाल गांव व डा0 नंगल सिरोही	,,			,,	,,
113.	सतबीर सिंह सुपुत्र रतन सिंह गांव व डा0 विछपा खुरद भिवानी	,,			,,	,,
114.	सतवान सुपुत्र भगवान सिंह गांव व डा0 सोफ भिवानी	,,			,,	,,
115.	सुभाष सुपुत्र रिछपाल सिंह गांव व डा0 बिलवाल भिवानी	,,			,,	,,
116.	जगदीश सुपुत्र लक्ष्मी नारायण गांव व डा0 माजरा रोहतक	,,			,,	,,

अनुबन्ध

1	2	3	4	5	6	7
3.	जसवन्त सिंह पुत्र महा सिंह गांव फरुख नगर गुड़गांवा सहायक फिटर	8-12-93	---	डेली वेजिज	---	हड़ताल के
4.	प्रवीन कुमार पुत्र नरेन्द्र कुमार गांव व डा0 बहादुरगढ़ (रोहतक) स0 विद्युतकार	,,		,,		दौरान
5.	धान्द सिंह पुत्र सुरत सिंह गांव व डा0 बिहरोड, रोहतक स0 विद्युतकार	,,		,,		विभागीय
6.	सतपाल सिंह पुत्र सुरजीत सिंह वार्ड नं0 1 नजदीक रोज गार्डन, चरखी दादरी स0 टायरमैन	,,		,,		कमेटी द्वारा की गई
7.	रमेश कुमार पुत्र राम गोपाल, भिवानी रोड, चरखी दादरी आर0 आर0	,,		,,		सिफारिश के
8.	यतीन्द्र सिंह पुत्र उदयबीर सिंह, जीन्द रोड, रोहतक हैल्पर	,,		,,		आधार पर
9.	महावीर सिंह पुत्र रामेश्वर गां0 व डा0 अधीता भिवानी हैल्पर	,,		,,		रखा गया
10.	सजेन्द्र पुत्र छाट राम गांव व डा0 पाटवास, भिवानी हैल्पर	,,		,,		तथा दिनांक
11.	विजय कुमार पुत्र कृष्ण सिंह गांव व डा0 महराना, रोहतक हैल्पर	,,		,,		31-12-93
12.	जगदीश पुत्र राम नारायण गांव व डा0 निमरी, भिवानी हैल्पर	,,		,,		से हटा दिया
13.	देविन्द्र पुत्र राजिन्द्र बी0 एस0 बी0 दादरी हैल्पर	,,		,,		गया।
14.	विरेन्द्र पुत्र मंगत राम गांव व डा0 बसई, महेन्द्रगढ़ हैल्पर	,,		,,		,,
15.	उमेद खांन पुत्र अब्दुल गनी गांव व डा0 दुधवा भिवानी हैल्पर	,,		,,		,,
16.	मुकेश पुत्र दया नन्द गांव व डा0 संगाहेड़ी, रोहतक हैल्पर	,,		,,		,,
17.	धर्म प्रकाश पुत्र ओम दत्त गांव व डा0 रावलधी, भिवानी हैल्पर	,,		,,		,,
18.	सिरी भगवान पुत्र छज्जू राम गांव व डा0 मन्होला, भिवानी हैल्पर	,,		,,		,,

अनुबन्ध

[श्री बलबीर पाल शाह]

1	2	3	4	5	6	7
19.	विनोद पुत्र राधेश्याम गांव व डा0 अकोदा, रोहतक हैल्पर	8-12-93		डेली वेजिज	--	हड़ताल के दौरान विभागीय कमेटी द्वारा की गई सिफारिश के आधार पर रखा गया तथा दिनांक 31-12-93 से हटा दिया गया।
20.	रमेश कुमार पुत्र जिले सिंह गांव व डा0 भू अकबरपुर, रोहतक हैल्पर	,,		,,		
21.	कैलाश पुत्र ओम प्रकाश गांव व डा0 वार्ड नं0 1 चरखी दादरी हैल्पर	,,		,,		
22.	सतीश कुमार पुत्र हरनारायण गांव व डा0 झोजरी रिवाड़ी हैल्पर	,,		,,		
23.	सुरेन्द्र पुत्र भगवान सिंह गांव व डा0 हरी नगर दादरी हैल्पर	,,		,,		
24.	श्री किशन पुत्र बिरखा राम गांव व डा0 कठूरा सोनीपत हैल्पर	,,		,,		
25.	रणबीर पुत्र राम सरूप गांव व डा0 भण्डेरी सोनीपत हैल्पर	,,		,,		
26.	आनन्द पुत्र मुखत्यार गांव व डा0 बरालो भिवानी हैल्पर	,,		,,		,,
27.	सतबीर सिंह पुत्र खजान सिंह गांव व डा0 करसोला, जीन्द हैल्पर	,,		,,		,,
28.	जय दयाल पुत्र टेकन दास गांव व डा0 झज्जर घाटी दादरी हैल्पर	,,		,,		,,
29.	गुलाब सिंह पुत्र शेर सिंह गांव व डा0 मडौंची रोहतक हैल्पर	,,		,,		,,
30.	धर्म दत्त पुत्र ओम प्रकाश गांव व डा0 मनौठी रोहतक हैल्पर	,,		,,		,,
31.	इन्द्रजीत पुत्र प्यारे लाल गा0 व डा0 बवानिया, महेन्द्रगढ़ हैल्पर।	,,		,,		,,
32.	राजेश कुमार पुत्र हजारी लाल नया बस स्टैण्ड दादरी हैल्पर।	,,		,,		,,
33.	राजेश पुत्र जगदीश गा0 व डा0 रिवारा, गोहाना सोनीपत हैल्पर।	,,		,,		,,
34.	रणबीर सिंह पुत्र भीम सिंह गा0 व डा0 दबोदा खुर्द रोहतक हैल्पर।	,,		,,		,,
35.	बसंत पुत्र सरजीत सिंह गा0 व डा0 बरोना सोनीपत हैल्पर।	,,		,,		,,

1	2	3	4	5	6	7
36.	लख राम पुत्र पूरन चन्द बवानी खेड़ा भिवानी हैल्पर	8-12-93		डेली वेजिज		हड़ताल के
37.	सोमबीर पुत्र रामेश्वर गा0 व डा0 क्लिन्जर, भिवानी हैल्पर	,,		,,		दौरान
38.	रघबीर पुत्र अजदा प्रशाद गा0 व डा0 कलायना भिवानी हैल्पर	,,		,,		विभागीय
39.	सतपाल सिंह पुत्र किशन सिंह गा0 व डा0 बास अचीना भिवानी हैल्पर	,,		,,		कमेटी द्वारा
40.	नरेन्द्र कुमार पुत्र जबर मल गा0 व डा0 बलायच महेन्द्रगढ़ हैल्पर	,,		,,		की गई
41.	राम कुमार पुत्र हरी चन्द गा0 व डा0 भू रिवाड़ी हैल्पर	,,		,,		सिफारिश के
42.	सतपाल पुत्र मनफूल गा0 व डा0 कनेहटी भिवानी हैल्पर	,,		,,		आधार पर
43.	विजय सिंह पुत्र कृष्ण सिंह महराना रोहतक हैल्पर	,,		,,		रखा गया
44.	रामधन पुत्र सभे राम गा0 व डा0 मटेली, रोहतक	,,		,,		तथा दिनांक
45.	हेमन्त पुत्र राम किशोर, भारावास रोड़ रिवाड़ी हैल्पर	,,		,,		31-12-93
46.	महावीर पुत्र पिरथी सिंह गा0 व डा0 बौरीपुर भिवानी हैल्पर	,,		,,		से हटा दिया
47.	जय भगवान पुत्र सूरत सिंह गा0 व डा0 बिहरोड रोहतक हैल्पर	,,		,,		गया।
48.	अनिल पुत्र राम चन्द्र गा0 व डा0 बपरोदा, रोहतक हैल्पर	,,		,,		,,
49.	आनन्द पुत्र ज्ञानी राम गा0 व डा0 बस स्टैण्ड चरखी दादरी हैल्पर	,,		,,		,,
50.	जय भगवान पुत्र होशियार सिंह गा0 व डा0 कनेटी भिवानी हैल्पर	,,		,,		,,
51.	सुरेश कुमार पुत्र खुशी राम गा0 व डा0 दुधवास भिवानी हैल्पर	,,		,,		,,
52.	राज सिंह पुत्र सरूप सिंह गा0 व डा0 झरली रोहतक हैल्पर	,,		,,		,,

[श्री बलबीर पाल शाह]

1	2	3	4	5	6	7
53.	हरीश कुमार पुत्र शिव लाल गा0 व डा0 धोलेरा नारनौल हैल्पर	8-12-93		डेली वेजिज		हड़ताल के दौरान विभागीय कमेटी द्वारा की गई सिफारिश के आधार पर रखा गया तथा दिनांक 31-12-93 से हटा दिया गया।
54.	अम्बा लाल पुत्र सुरदयाल गा0 व डा0 धोलेरा नारनौल हैल्पर	,,		,,		
55.	विजेन्द्र पुत्र चन्दगी राम गा0 व डा0 खेड़ी बुरा भिवानी हैल्पर	,,		,,		
56.	रोशन अली पुत्र सुभान अली गा0 व डा0 मोरवाला भिवानी हैल्पर	,,		,,		
57.	मुकेश पुत्र राम कुमार गा0 व डा0 कासर जिला रोहतक हैल्पर	,,		,,		
58.	देविन्द्र पुत्र रघबीर गा0 व डा0 सन्दल खुर्द सोनीपत हैल्पर	,,		,,		
59.	रविकुमार पुत्र कमल सिंह गा0 व डा0 गुढन भिवानी हैल्पर	,,		,,		
60.	रमेश दत्त पुत्र कमल सिंह गा0 व डा0 सालावास रोहतक हैल्पर	,,		,,		
61.	कबीर पुत्र हरनारायण गा0 व डा0 खेड़ी दौलतपुरा भिवानी, हैल्पर	,,		,,		
62.	कमल सिंह पुत्र फतेह सिंह गा0 व डा0 मंढौला, भिवानी	,,		,,		
63.	ओम प्रकाश पुत्र रति राम गा0 व डा0 बलाली भिवानी हैल्पर	,,		,,		
64.	श्री भगवान पुत्र राम सरूप गा0 व डा0 अहमदलपुर रोहतक हैल्पर	,,		,,		
65.	लेख राम पुत्र भीम सिंह गा0 व डा0 कबूलपुरा रोहतक	,,		,,		,,
66.	सतबीर पुत्र मंसा राम गा0 व डा0 रानिला भिवानी हैल्पर	,,		,,		,,
67.	संजय पुत्र सतीश नजदीक रोज गार्डन चरखी दादरी हैल्पर	,,		,,		,,
68.	पूरन सिंह पुत्र भूप सिंह गा0 व डा0 चरखी दादरी हैल्पर	,,		,,		,,

1	2	3	4	5	6	7
69.	राम निवास पुत्र चन्दा राम गां0 व डा0 मोरवाला, भिवानी हैल्पर	8-12-93		डेली वेजिज		हड़ताल के दौरान
70.	अत्तर सिंह पुत्र राम चन्द, चरखी गेट दादरी हैल्पर	,,		,,		विभागीय कमेटी द्वारा
71.	जमालदीन पुत्र मंगत राम गां0 व डा0 मकराना भिवानी हैल्पर	,,		,,		की गई सिफारिश के
72.	राजबीर पुत्र ओमबीर गां0 व डा0 रितौली रोहतक हैल्पर	,,		,,		आधार पर रखा गया
73.	धर्मपाल पुत्र मातू राम गां0 व डा0 कलियाणा भिवानी हैल्पर	,,		,,		और दिनांक 31-22-93
74.	सरिन्दर पुत्र जगदीश सैनी पुरा चरखी दादरी हैल्पर	,,		,,		से हटा दिया गया ।
75.	देविन्द्र पुत्र बनवारी लाल गां0 व डा0 दाहिना हैल्पर	,,		,,		,,
76.	राज पुत्र कुरदा गां0 व डा0 भिवानी हैल्पर	,,		,,		,,
77.	अजय पुत्र राम किशन गां0 व डा0 वालमिकी मोहल्ला चरखी दादरी हैल्पर	,,		,,		,,
78.	महावीर पुत्र लटटू राम गां0 व डा0 सन्दना रोहतक हैल्पर	,,		,,		,,
79.	ओम प्रकाश पुत्र राधेश्वर गां0 व डा0 अचीना भिवानी हैल्पर	,,		,,		,,
80.	सतपाल पुत्र लेख राम गां0 व डा0 फरतिया ताल भिवानी हैल्पर	,,		,,		,,
81.	नरेन्द्र पुत्र राम चन्द्र गां0 व डा0 गोपी जिला भिवानी चौकीदार	,,		,,		,,
82.	अमर पाल पुत्र हरि सिंह गां0 व डा0 मिशरी भिवानी हैल्पर	,,		,,		,,
83.	महिन्द्र पुत्र हरि चन्द गां0 व डा0 बूरा खेड़ी भिवानी हैल्पर	,,		,,		,,
84.	राकेश कुमार पुत्र शाम लाल गां0 व डा0 चरखी दादरी हैल्पर	,,		,,		,,
85.	राम कुमार पुत्र जागे राम बस स्टैण्ड रोड़ दादरी हैल्पर	,,		,,		,,

[श्री बलबीर पाल शाह]

1	2	3	4	5	6	7
86.	राजमल पुत्र शोभा राम गां0 व डा0 चरखी दादरी हैल्पर	8-12-93		डेली वेजिज		हड़ताल के
87.	रिशी पाल पुत्र गंगा राम गां0 व डा0 मगोट महिन्द्रगढ़ हैल्पर	,,		,,		दौरान
88.	बिजेन्द्र पुत्र उमेद सिंह गां0 व डा0 धनी माह भिवानी हैल्पर	,,		,,		विभागीय
89.	मोहिन्द्र सिंह पुत्र सतनारायण गां0 व डा0 बैडाला भिवानी	,,		,,		कमेटी द्वारा
90.	सबे सिंह पुत्र हरि सिंह गां0 व डा0 शोफ कासनी भिवानी हैल्पर	,,		,,		की गई
91.	कपूर चन्द पुत्र फूल चन्द शान्ति नगर भिवानी हैल्पर	,,		,,		सिफारिश के
92.	संजय पुत्र प्रभाती गां0 व डा0 देवास नारनौल हैल्पर	,,		,,		आधार पर
93.	अंगद पुत्र मूल चन्द गां0 व डा0 देवास नारनौल हैल्पर	,,		,,		रखा गया
94.	आनन्द पुत्र रणबीर गां0 व डा0 चरखी दादरी	,,		,,		तथा दिनांक
95.	शिव कुमार पुत्र करतार राम धानक बस्ती दादरी हैल्पर	,,		,,		31-12-93
96.	रमेश पुत्र चन्दगी राम गां0 व डा0 गावलीसन रोहतक हैल्पर	,,		,,		से हटा दिया
97.	विष्णु पुत्र सतनारायण गां0 व डा0 गांधी नगर दादरी हैल्पर	,,		,,		गया।
98.	जय प्रकाश पुत्र रामप्रशाद गां0 व डा0 भारता जीन्द हैल्पर	,,		,,		,,
99.	संजय पुत्र धनबीर गां0 व डा0 गांधी नगर दादरी हैल्पर	,,		,,		,,
100.	सतिन्द्र पुत्र करतार सिंह गां0 व डा0 पेन्टावास खुर्द भिवानी हैल्पर	,,		,,		,,
101.	जयपाल सिंह पुत्र रमेश गां0 व डा0 गंगवा सोनीपत हैल्पर	,,		,,		,,
102.	राजेश पुत्र हीरा लाल गां0 व डा0 विवेक नगर दादरी हैल्पर	,,		,,		,,

1	2	3	4	5	6	7
103.	रणधीर पुत्र माई राम गां0 व डा0 चरखी दादरी हैल्पर	8-12-93	डेली वेजिज			हड़ताल के
104.	जयबीर पुत्र रामेश्वर गां0 व डा0 चुलकाना सोनीपत हैल्पर	,,	,,			दौरान
105.	सतबीर पुत्र हरधरम गां0 व डा0 पैन्टावास कलां भिवानी हैल्पर	,,	,,			विभागीय
106.	हरजान पुत्र हरि सिंह गां0 व डा0 मोहन बेरी रोहतक हैल्पर	,,	,,			कमेटी द्वारा
107.	ललित कुमार पुत्र राज सिंह कोसली रिवाड़ी हैल्पर	,,	,,			की गई
108.	धर्मेन्द्र पुत्र राजिन्द्र सिंह गां0 व डा0 रावलधी भिवानी हैल्पर	,,	,,			सिफारिश के
109.	बिजेन्द्र सपुत्र किला राम गां0 व डा0 रावलधी चरखी दादरी हैल्पर	,,	,,			आधार पर
110.	सुमेर सिंह पुत्र पीरु राम गां0 व डा0 रावलधी चरखी दादरी हैल्पर	,,	,,			रखा गया
111.	सूबे सिंह पुत्र भजन लाल गां0 व डा0 नाहर रिवाड़ी हैल्पर	,,	,,			तथा दिनांक
112.	रतन सिंह पुत्र कलू राम गां0 व डा0 भगोट महिन्द्र गढ़ हैल्पर	,,	,,			31-12-93
113.	बिजेन्द्र पुत्र चांद गां0 व डा0 खेड़ी बूरा दादरी हैल्पर	,,	,,			से हटा दिया
114.	नरिन्द्र पुत्र ओम प्रकाश गां0 व डा0 झज्जर हैल्पर	,,	,,			गया ।
115.	सुभाष पुत्र बुध राम गां0 व डा0 बेरी रोहतक स्वीपर	,,	,,			,,
116.	मोहिन्द्र पुत्र कर्ण सिंह गां व डा0 जीन्द हैल्पर	,,	,,			,,
117.	सुखबीर पुत्र मंगला राम भागवी भिवानी हैल्पर	,,	,,			,,
118.	सुरेश कुमार पुत्र हरके राम रावलधी चरखी दादरी हैल्पर	,,	,,			,,

601(8)109

[श्री बलबीर पाल शाह]

दिनांक 1-1-93 से 28-2-94 तक हरियाणा रोडवेज चरखी दादरी में नियुक्त किए मैनेजमैंट स्टाफ बारे सूचना

नियुक्त किए गए व्यक्तियों की कैटेगरी	नाम तथा पूरा पता	नियुक्ति तिथि	स्थाई/ नियमित/ तदर्थ	डेली वेजिज	सी/ बेसिस	रिमार्कस
टिकट वैरीफायर						
1.	श्री विजय कुमार पुत्र श्री लेख राम सैनीपुरा चरखी दादरी टी : वी : एफ :	1-11-93	—	डेली वेजिज	—	—
स्वीपर						
2.	श्री धर्म पाल पुत्र केसर राम, लौहारु	12-11-93	—	डेली वेजिज	—	—
लिपिक						
3.	श्री राजेश पुत्र लक्ष्मी चन्द गांव व डा० रावलधी	17-2-94	तदर्थ	—	—	—

25697—H.V.S.—H.G.P., Chd.